- चार देशों में डॉक्टरी पढ़ने वाले संदेह के घेरे में
- 12

- भारत की आर्थिक वृद्धि दूसरी तिमाही में 7.5 प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान
- 12

- आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाए, न कोई लीपापोती हो
- 13

- बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय महिला टीम की घरेलू श्रृंखला स्थगित
- 14

आज का मौसम

22.0° अधिकतम तापमान

13.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.39

सूर्यास्त 05.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ | बरेली | कानपुर | मुरादाबाद | अयोध्या | हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष चतुर्दशी 09:43 उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2082

बुधवार, 19 नवंबर 2025, वर्ष 5, अंक 269, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

नशे को मजबूती से न कहें युवा : धामी

नशामुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ पर राज्यस्तरीय कार्यक्रम में बोले सीएम

- कहा-साइलेंट वॉर की तरह वैश्विक स्तर पर नशे का प्रसार साथियों को भी समझाएं दुष्प्रभाव

मुख्य संवाददाता, देहरादून

भाषण व निबंध प्रतियोगिता की विजेता को सम्मानित करते मुख्यमंत्री धामी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने युवाओं से अपील की है कि वे स्वयं भी नशे को पूरी मजबूती के साथ न कहें और साथ ही अपने साथियों को भी नशे के लिए न कहने के लिए प्रेरित करें।

मंगलवार को मुख्य सेवक सदन में आयोजित नशामुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के राज्यस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने नशामुक्त भारत अभियान के पांच वर्ष पूरे होने की बधाई देते हुए कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाने वाले कर्मवीरों के सहयोग से आज समाज नशे की भयावह समस्या से मुकाबला करने में सक्षम हो रहा है।

नशा केवल एक बुरी आदत नहीं, बल्कि समाज को भीतर से खोखला करने वाली एक भयावह चुनौती है। ये घातक प्रवृत्ति व्यक्ति की चेतना, विवेक और निर्णय लेने की क्षमता को नष्ट कर उसके पूरे भविष्य को विनाश की ओर ले जाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नशे का प्रसार वैश्विक स्तर पर एक साइलेंट वॉर की तरह हो रहा है, जिसका सबसे बड़ा निशाना हमारी युवा शक्ति है। हमारी युवा पीढ़ी ही नए भारत की ऊर्जा, नवाचार, सामर्थ्य और प्रगति का वास्तविक आधार है। यदि यही ऊर्जा किसी नकारात्मक प्रभाव में फंस जाएगी, तो राष्ट्र के विकास की गति भी अवरुद्ध हो जाएगी। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2020 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नशा मुक्त भारत अभियान की शुरुआत कर पूरे देश से इस सामाजिक बुराई के विरुद्ध एकजुट होने का आह्वान किया और इसे एक व्यापक जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया।

प्रधानमंत्री की प्रेरणा से राज्य सरकार भी नशे के विरुद्ध इस महाअभियान के अंतर्गत ड्रग्स फ्री उत्तराखंड के संकल्प को साकार करने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ मिशन मोड पर कार्य कर रही है। मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए वर्ष 2022 में गठित त्रिस्तरीय एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीफ) ने बीते तीन वर्ष में 6000 से ज्यादा आरोपी गिरफ्तार करते हुए 200 करोड़ रुपये से अधिक के नारकोटिक्स पदार्थ भी बरामद किए हैं।

प्रभावी बन रहे नशा मुक्ति केंद्र

सीएम ने कहा कि, सरकार सभी जिलों में नशा मुक्ति केंद्रों को प्रभावी बना रही है। राज्य में चार इंटीग्रेटेड रिहैबिलिटेशन सेंटर फॉर एडिक्ट्स (आईआरसीए) नशा पीड़ितों को उपचार, परामर्श और पुनर्वास की बेहतर सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। एम्स ऋषिकेश की सहायता से राज्य में एडिक्शन ट्रीटमेंट फैसिलिटी (एटीएफ) का संचालन भी हो रहा है। प्रत्येक जिले के शिक्षण संस्थानों में गठित एंटी-ड्रग कमेटियों में जागरूक विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों तथा प्रधानाचार्यों को सदस्य बनाया गया है। राज्य की गौरवशाली पहचान ऐपण कला को भी इस अभियान से जोड़ा गया है। युवाओं को नशे से दूर रखने और उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के लिए राज्य में दगड़िया क्लब भी बनाए हैं।

युवाओं को दिलायी शपथ

सीएम ने युवाओं को नशा मुक्त भारत अभियान की शपथ दिलाते कहा कि, सरकार उत्तराखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए अपने विकल्प रहित संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है परन्तु ये संकल्प तभी सिद्ध हो सकता है, जब हमारी युवा पीढ़ी अपनी पूरी ऊर्जा, क्षमता और दृढ़ संकल्प के साथ हमारा सहयोग करे और नशे जैसी बुराइयों से स्वयं भी दूर रहे तथा दूसरों को भी दूर रखने का संकल्प ले। सीएम ने स्कूल-कॉलेजों में राज्य स्तर पर आयोजित भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया।

अल फलाह विवि व उससे जुड़े 25 ठिकानों पर ईडी ने मारे छापे

- समूह से जुड़ी नौ फर्जी कंपनियां ईडी की जांच के दायरे में

नई दिल्ली, एजेंसी

सहसाजिशकर्ता को कोर्ट ले जाती टीम।

ईडी ने कार विस्फोट मामले में मुख्य भूमिका निभाने वाले फरीदाबाद के अल फलाह विश्वविद्यालय के न्यासियों और प्रवर्तकों के खिलाफ एनसीआर में मंगलवार को एक साथ छापेमारी की। संघीय जांच एजेंसी के कई दलों ने सुबह 5:15 बजे से अल फलाह ट्रस्ट, विश्वविद्यालय प्रतिष्ठान के कम से कम 25 परिसरों की तलाशी ली। दलों ने दिल्ली के ओखला क्षेत्र में एक कार्यालय पर भी दबिश दी।

दिल्ली में लाल किले के निकट 10 नवंबर को हुए विस्फोट में 15 लोग मारे गए। विस्फोट में विश्वविद्यालय तथा कश्मीर से जुड़े कई चिकित्सकों की भूमिका आतंकवाद निरोधी जांच एजेंसियों की जांच के दायरे में है। यह कार्रवाई वित्तीय अनियमितताओं, फर्जी कंपनियों, आवास संस्थाओं के इस्तेमाल और धन शोधन की चल रही जांच का हिस्सा है। अब तक एनआईए ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी का कथित करीबी सहयोगी बताया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, समूह से जुड़ी नौ फर्जी कंपनियां ईडी की जांच के दायरे में हैं। ये कंपनियां एक ही पते पर पंजीकृत पायी गई हैं। ईडी के जांचकर्ताओं को यह भी पता चला है कि कर्मचारी ईपीएफओ और कर्मचारी राज्य बीमा निगम में कोई पंजीकरण नहीं किया गया है। जांच में विभिन्न कंपनियों के निदेशकों/अधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं के बीच 'ओवरलैप' और केवाईसी दस्तावेजों में त्रुटियों का भी पता चला है। कई कंपनियों में बैंकिंग चैनलों के माध्यम से बहुत कम वेतन भुगतान, एचआर रिकॉर्ड का न होना, साथ ही कंपनियों के एक से तरीके से पंजीकरण व एक जैसी संपर्क जानकारी का इस्तेमाल किया जाना भी सामने आया है।

सह-साजिशकर्ता 10 दिन की हिरासत में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने लाल किला कार बम विस्फोट के सिलसिले में आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी के सक्रिय सह-साजिशकर्ता जसीर बिलाल को मंगलवार को 10 दिनों के लिए एनआईए की हिरासत में भेज दिया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने आरोपी से हिरासत में पूछताछ किये जाने संबंधी एनआईए का अनुरोध स्वीकार कर लिया।

हमले को शहादत अभियान बताते हुए उमर का वीडियो मिला

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लाल किले पर आत्मघाती हमला करने वाले डॉ. उमर-उन-नबी का मोबाइल फोन बरामद किया है, और उससे प्राप्त आंकड़ों से यह चौंकाने वाला सबूत मिला है कि उसने आत्मघाती हमले को 'शहादत अभियान' बताते हुए एक वीडियो तैयार किया था। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि उमर के भाई जहूर इलाही को हिरासत में लेने और उससे पूछताछ के बाद महत्वपूर्ण साक्ष्य सामने आए।

ब्रीफ न्यूज

सऊदी अरब दुर्घटना : मृतकों के 50 परिजन हैदराबाद से रवाना

हैदराबाद। सऊदी अरब में हुए दुखद बस हादसे में मारे गए श्रद्धालुओं के लगभग 50 परिजन अंतिम संस्कार के लिए यहां से खाड़ी देश के लिए रवाना होंगे। यह जानकारी तेलंगाना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को दी। अधिकारी ने बताया कि अंतिम संस्कार गुरुवार को होने की उम्मीद है। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार की एक टीम अंतिम संस्कार की व्यवस्था सहित राहत कार्यों में समन्वय करने के लिए सऊदी अरब पहुंच गई है। पहचान से परे जल चुके शवों को सुरक्षित रखा गया है। मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए डीएनए परीक्षण किया जाएगा।

दिल्ली: कई अदालतों व सीआरपीएफ स्कूलों में बम की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली की साकेत, द्वारका और पटियाला हाउस अदालतों के साथ-साथ सीआरपीएफ द्वारा संचालित दो स्कूलों में मंगलवार सुबह बम रखा होने की सूचना दी गई जिसके बाद राष्ट्रीय राजधानी में बड़े पैमाने पर सुरक्षा जांच की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुबह-सुबह अदालत परिसर में विस्फोटक रखे होने की सूचना देने वाला एक ईमेल मिला, जिसके बाद सुरक्षा टीमों को इन जिला अदालतों के परिसरों का निरीक्षण करने के लिए भेजा गया। सुरक्षा जांच के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सीबीआई, ईडी और अनिल अंबानी को भेजा नोटिस

- बैंकिंग व कॉरपोरेट घोटाला में बैंक अधिकारी की भूमिका व इस एंगल से जांच नहीं करने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

गंभीर विफलता बताया

याचिका में दावा किया गया है कि विस्तृत फोरेंसिक ऑडिट के बावजूद, कोई भी एजेंसी बैंक अधिकारियों, लेखा परीक्षकों या नियामकों की भूमिका की जांच नहीं कर रही है। उन्होंने इसे गंभीर विफलता करार दिया है। याचिका में कहा गया है, एक परमादेश जारी करें या प्रतिवादी संख्या 4 (अनिल) व प्रतिवादी संख्या 5 (एडीएजी) द्वारा की गयी वित्तीय धोखाधड़ी की पूरी छानबीन हो।

एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, सुप्रीम कोर्ट ने रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और इसके समूह की कंपनियों की संलिप्तता वाली व्यापक बैंकिंग और कॉर्पोरेट धोखाधड़ी की अदालत की निगरानी में जांच की मांग वाली जनहित याचिका पर मंगलवार को केंद्र, सीबीआई, ईडी, अनिल अंबानी और अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप (एडीएजी) से जवाब मांगा।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने जनहित याचिका दायर करने वाले और पूर्व केंद्रीय सचिव ईएएस शर्मा की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण की दलीलों पर गौर किया और तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। पीठ ने अब जनहित याचिका पर आगे की सुनवाई तीन सप्ताह बाद करना निर्धारित किया है। भूषण ने आरोप लगाया कि जांच एजेंसियां इस बड़े बैंकिंग घोटाले में बैंकों और उनके अधिकारियों की मिलीभगत की जांच नहीं कर रही हैं। उन्होंने सीबीआई और ईडी को इस मामले में बैंकों और उनके अधिकारियों के खिलाफ जांच की स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देने का अनुरोध किया। भूषण ने कहा कि यह मामला संभवतः भारत के इतिहास में सबसे बड़ा कॉर्पोरेट धोखाधड़ी का है। वकील ने आरोप लगाया कि प्राथमिकी 2025 में दर्ज की गई, जबकि धोखाधड़ी 2007-08 से चल रही थी।

अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से किया जाएगा प्रत्यर्पित

मुंबई। राकांपा के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मुख्य आरोपी गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया जा रहा है। बिश्नोई को बुधवार को दिल्ली लाए जाने की संभावना है। बिश्नोई अप्रैल 2024 में अभिनेता सलमान खान के आवास पर गोलीबारी से संबंधित मामले में वांछित आरोपी है। अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस ने बिश्नोई के प्रत्यर्पण के बारे में दो प्रस्ताव भेजे थे। उन्होंने बताया कि गैंगस्टर के खिलाफ देशभर में कई मामले दर्ज हैं और केंद्र सरकार यह तय करेगी कि उसे पहले किस एजेंसी की हिरासत में दिया जाए।

नक्सलियों के टॉप लीडर हिडमा समेत 6 ढेर

मरेदुमिल्ली (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

मास्टरमाइंड हिडमा।

- देश में कुख्यात माओवादी कमांडर की सुरक्षाबल से हुई मुठभेड़
- हिडमा 24 से अधिक बड़े नक्सली हमलों का मास्टरमाइंड रह चुका

आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामराजू जिले में मंगलवार को सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में शीर्ष नक्सली कमांडर माडवी हिडमा और उसकी पत्नी समेत छह माओवादी मारे गए। कई हमलों के कथित सूत्रधार हिडमा की मौत को छत्तीसगढ़ पुलिस ने उग्रवाद के ताबूत में आखिरी कील करार दिया। अल्लूरी सीतारामराजू जिले के एसपी अमित बरदार ने बताया कि मुठभेड़ सुबह साढ़े छह से सात बजे के बीच मरेदुमिल्ली मंडल के जंगली इलाके में हुई।

जांच के आधार पर पुलिस ने पुष्टि की कि हिडमा, उसकी पत्नी मदकम राजे, देवे, लकमल (चैतू), मल्ला (मल्लालु) और कमलू (कमलेश) मारे गए। पुलिस ने बताया कि पिछले कुछ हफ्तों में मिली खुफिया सूचनाओं से आंध्र प्रदेश-छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर माओवादी गतिविधियों में वृद्धि के संकेत मिले थे, जिसके कारण तलाशी अभियान तेज कर दिया गया था। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दो एके-47 राइफल, एक पिस्तौल, एक रिवॉल्वर और एक सिंगल बोर हथियार, कई इलेक्ट्रिकल और नॉन-इलेक्ट्रिकल डेटोनेटर, फ्यूज वायर, सात किट बैग और अन्य सामान जब्त किया। आसपास के इलाकों में पूरी तरह से सफाए के लिए तलाशी अभियान जारी है ताकि आगे माओवादी गतिविधियों को रोका जा सके। एसपी के अनुसार, यह पुलिस विभाग की विभिन्न शाखाओं द्वारा चलाया गया एक अभियान था। हिडमा 24 से अधिक बड़े नक्सली हमलों का मास्टरमाइंड रह चुका था।

31 सदस्य गिरफ्तार

संगठन से जुड़े एनटीआर, कृष्णा, काकीनाडा और एलुरु जैसे अन्य जिलों में पुलिस की निगरानी के कारण प्रतिबंधित संगठन के 31 और सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। लड्डा ने कहा कि गिरफ्तार किए गए 31 लोगों में से नौ केंद्रीय समिति के सदस्य देवजी के सुरक्षा गार्ड थे, जबकि बाकी अन्य बटालियन के थे। अधिकारी के अनुसार, यह भी बताया गया है कि कुछ माओवादी मुठभेड़ स्थल से भागने में सफल रहे और फिलहाल तलाशी अभियान जारी है।

विंजो, गेम्सक्राफ्ट के 11 ठिकानों पर छापे

- धोखाधड़ी, हेरफेर और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप, सीईओ, सीओओ और सीएफओ के आवासों पर भी ईडी ने की कार्रवाई

नई दिल्ली। ईडी ने धनशोधन की जांच के तहत मंगलवार को ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म विनजो और गेम्सक्राफ्ट से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि छापेमारी कुल 11 परिसरों पर की गई, जिनमें पांच बेंगलुरु, चार दिल्ली और दो गुरुग्राम (हरियाणा) में स्थित हैं। बेंगलुरु क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा दो ऑनलाइन गेमिंग कंपनी के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है, जिनके पास विनजो एप और गेम्सक्राफ्ट (पॉकेट52.कॉम) नामक वेबसाइट के स्वामित्व हैं। ईडी की कार्रवाई पर टिप्पणी के लिए दोनों प्लेटफॉर्म से तुरंत संपर्क नहीं हो सका। दोनों गेमिंग ऑपरेटर के कॉर्पोरेट कार्यालयों के साथ-साथ उनके सीईओ, सीओओ और सीएफओ के आवासों पर भी कार्रवाई की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि पीड़ितों द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि इन गेमिंग कंपनी ने ऐप के एल्गोरिद्म में "हेरफेर" किया, जिससे गेमर्स को नुकसान हुआ। उन्होंने दावा किया कि संघीय जांच एजेंसी को संदेह है कि प्रमोटर के पास क्रिप्टो वॉलेट थे, जो क्रिप्टो करेंसी के जरिए धनशोधन का संकेत देता है।

इंटरनेट व्यवधान से भारत-अमेरिका समेत कई देशों में एक्स, परप्लेक्सिटी, चैटजीपीटी ठप

- क्लाउडफ्लेयर में आई एक गंभीर नेटवर्क विफलता बना कारण

नई दिल्ली। कई वैश्विक डिजिटल मंचों पर मंगलवार को व्यापक इंटरनेट व्यवधान उत्पन्न हो गया, जिसके कारण लाखों उपयोगकर्ता एक्स, ओपनएआई के चैटजीपीटी, परप्लेक्सिटी एआई, गूगल क्लाउड और कैनवा जैसी प्रमुख सेवाओं का उपयोग करने में असमर्थ हो गए। इससे अमेरिका, भारत समेत कई देशों में परेशानी हुई।

इस खराबी से लोकप्रिय गेमिंग टाइटल लीग ऑफ लीजेंड्स और वैलोरेंट भी प्रभावित हुए। इस व्यवधान का कारण क्लाउडफ्लेयर में आई एक गंभीर नेटवर्क विफलता को माना गया है। क्लाउडफ्लेयर एकवेब अवसंरचना कंपनी है जो इंटरनेट के एक महत्वपूर्ण हिस्से को संचालित करती है। क्लाउडफ्लेयर की सिस्टम स्टेटस साइट पर दिखाया गया, क्लाउडफ्लेयर की आंतरिक सेवा में गिरावट आ रही है।

विदेशी महिला बनी भवाली की मूक बधिर युवती की अभिभावक

- कैंची धाम निवासी इस महिला की याचिका पर हाईकोर्ट ने दी अनुमति

विधि संवाददाता, नैनीताल

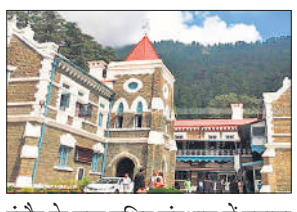

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट ने भवाली के समीपवर्ती गांव निगलाट की 21 साल की मूक बधिर युवती को पढ़ाई के लिये इंदौर भेजने की अनुमति दे दी है। यह युवती इंदौर की 'डेफ एनेबल्ड फाउंडेशन' में पढ़ना चाहती है।

कैंची धाम में रहने वाली विदेशी महिला सतरूपा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि निगलाट निवासी मूक बधिर युवती की इशारों की भाषा उसके माता-पिता व अन्य परिजन नहीं समझ पाते हैं। वह पढ़ाई करना चाहती है। याचिकाकर्ता इस युवती की अभिभावक बनकर इंदौर के मूक बधिर संस्थान में पढ़ाना चाहती है लेकिन इसके लिए युवती के परिजन राजी नहीं हैं। उन्होंने इस मामले में जिलाधिकारी नैनीताल के समक्ष प्रत्यावेदन दिया लेकिन उस पर कोई निर्णय नहीं हुआ। इस मामले में हाईकोर्ट ने मंगलवार को मूक बधिर युवती, उसके परिजनों के अलावा इशारों की भाषा समझने वाले विशेषज्ञ को कोर्ट में बुलाया था। जहां युवती ने पढ़ाई की इच्छा जताई, जिसके बाद युवती के परिजन भी राजी हो गए।

मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने जिलाधिकारी नैनीताल को निर्देश दिए हैं कि याचिकाकर्ता की देखभाल में उक्त युवती को निश्चित अवधि के लिए इंदौर भेजने की अनुमति प्रदान करें।

साथ ही, जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि वे इस युवती को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराएं।

रैंकिंग | क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग के टॉप-200 में नहीं एक भी भारतीय संस्थान

आईआईटी दिल्ली देश में शीर्ष स्थान पर बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय विवि ज्ञान के आदान प्रदान में उत्कृष्ट : जेसिका टर्नर

क्यूएस की सीईओ जेसिका टर्नर ने कहा, कुल मिलाकर, भारतीय विश्वविद्यालय ज्ञान के आदान-प्रदान और पर्यावरणीय स्थिरता के मामले में उत्कृष्ट हैं। उच्च शिक्षा प्रणाली, विशेष रूप से आईआईटी और दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों में, कुछ उत्कृष्ट व्यक्तिगत प्रदर्शन भी हैं। जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध लड़ाई में उच्च शिक्षा की भूमिका इन रैंकिंग में उजागर होती है।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग मंगलवार को जारी की गई जिसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली को भारत का सर्वश्रेष्ठ संस्थान माना गया है और इसके बाद आईआईटी बंबई और आईआईटी खड़गपुर को जगह दी गई है।

स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी ने 2023 में रैंकिंग की शुरुआत होने के बाद पहली बार शीर्ष स्थान हासिल किया है। टोरंटो विश्वविद्यालय को 2024 और 2025 की विश्व रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ चुना गया था जो इस साल दूसरे स्थान पर फिसल गया है। तीसरा स्थान ब्रिटेन के यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन को मिला जो पिछले साल पांचवे स्थान पर था। इस वर्ष 26 नई प्रविष्टियों के साथ, भारत उन चार उच्च शिक्षा प्रणालियों में से एक है, जिनके 100 से अधिक विश्वविद्यालय इस रैंकिंग में शामिल हैं। लंदन में कार्यरत क्यूएस ने कहा, भारत के 103 विश्वविद्यालयों में से 32 ने इस साल अपनी रैंकिंग में सुधार किया है, 15 ने पिछले साल वाली ही रैंकिंग बरकरार रखी है और 30 की रैंकिंग में गिरावट आई है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली एक बार फिर भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला संस्थान है, जो इस साल 205वें स्थान पर है। हालांकि, संस्थान का समग्र स्कोर पिछले संस्करण की तुलना में अधिक है। इसमें कहा गया, इस वर्ष रैंकिंग में शामिल 15 आईआईटी में से छह ने 2025 की तुलना में 2026 में अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। आईआईटी दिल्ली उन छह आईआईटी में से एक है, जिसने तीन साल पहले प्रारंभिक रैंकिंग के बाद से महत्वपूर्ण प्रगति की है। बयान के मुताबिक इस रैंकिंग के 2026 संस्करण में कई भारतीय विश्वविद्यालयों ने अपना सर्वोच्च स्कोर हासिल किया और नौ ने शीर्ष 700 स्थानों में जगह बनाई है। इनमें वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, आईआईटी रुड़की, शूलिनी यूनिवर्सिटी ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट साइंसेज, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब विश्वविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, राउकेला स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी), आईआईटी-बीएचयू और यूपीईएस शामिल हैं।

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार,19 नवंबर 2025

स्टेट ब्रीफ

प्रमुख सचिव हाईकोर्ट में तलब

नैनीताल : हाईकोर्ट ने ऊधमसिंह नगर जिले में वर्ष 2021 में आपदा पीड़ितों का 99 क्विंटल से ज्यादा अनाज सड़ने पर डीएम के आदेश पर दोषियों से रिकवरी के आदेश को जिलापूर्ति कमिश्नर द्वारा माफ करने को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट राज्य सरकार द्वारा दिए तर्कों से संतुष्ट नहीं हुई। कोर्ट ने 20 नवंबर को प्रमुख सचिव सहित खाद्य आयुक्त को कोर्ट में वीडियो कॉफ्रेन्सिंग के माध्यम से पेश होने को कहा है। कमिश्नर ने अपना तर्क देते हुए कहा कि यहां उनकी अभी-अभी तैनाती हुई है। इस मामले में उनको ज्यादा जानकारी नही है इसलिए प्रकरण को जानने के लिए उन्हें समय दिया जाए जिस पर कोर्ट सन्तुष्ट नहीं हुई।

मेहरा गांव के बोरिंग का पंप फुंका, पानी का संकट

भीमताल : भीमताल के वार्ड-9 मेहरा गांव में पिछले 5 दिनों से पानी का संकट बना हुआ है। भीमताल के व्यावसायिक क्षेत्र में शुमार मेहरा गांव में क्षेत्र के अधिकांश होटल, रिसोर्ट, होम स्टे आदि संचालित हैं। ऐसे में पानी की सप्लाई नहीं होने के कारण लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। जानकारी के मुताबिक निशौला क्षेत्र में पंप जो कि मेहरा गांव को पानी सप्लाई करता है। उसका पंप फुंक जाने के कारण वर्तमान परिस्थितियां बनी हुई हैं। स्थानीय प्रभावित जनता ने बताया कि क्षेत्र में एकमात्र पंप से पानी की सप्लाई की जाती है ऐसे में विभाग को एक स्टैंडबाई पंप रखने की आवश्यकता है। स्थानीय जनता ने जल संस्थान के अधिकारियों से एक स्टैंडबाई पंप रखने की मांग की है। जल संस्थान के अवर अभियंता हर्षित कुमार ने बताया कि पंप खराब था पंप ठीक हो गया है उसको लगाया जा रहा है।

आईएसबीटी में गंदगी देख भड़के सीएम धामी खुद झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को आईएसबीटी का किया निरीक्षण, गंदगी व सुविधाओं की कमी पर जताई नाराजगी

आईएसबीटी में गंदगी देख सीएम धामी ने खुद झाड़ू लगाकर दिया सफाई का संदेश।

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को आईएसबीटी का औचक निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आईएसबीटी में गंदगी होने पर खुद ही सड़क पर झाड़ू लगाई और नियमित साफ-सफाई के निर्देश दिए। फिर उन्होंने यात्रियों से भी बातचीत की और हालचाल जाना।

सीएम ने परिवहन विभाग और एमडीडीए को स्पष्ट निर्देश दिए कि आईएसबीटी परिसर की नियमित साफ-सफाई की जाए। हर स्थान पर स्वच्छता संबंधी सूचना-पट लगाए जाए, यात्रियों को प्रदूषण, कचरा और धूल से मुक्त वातावरण मिलना चाहिए। उन्होंने एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी को आईएसबीटी में स्वच्छता और व्यवस्था सुधारने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने व क्रियान्वित करने को कहा।

उन्होंने बसों की संचालन, टिकट काउंटर, प्रतीक्षालय, पेयजल सुविधा, शौचालय, दुकानों और सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पर्यटन एवं तीर्थ राज्य है इसलिए बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों और परिवहन केंद्रों पर उच्च स्तरीय स्वच्छता और बुनियादी सुविधाएं दुरुस्त होनी चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने बस में जाकर यात्रियों से भी मुलाकात की और फीडबैक लिया। साथ ही यात्रा में होने वाली परेशानियां, सुधार के सुझाव के बारे में भी पूछा। चेतावनी दी कि अगली बार निरीक्षण में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त हो वरना जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

सड़क हादसों की रोकथाम के लिए चेकिंग और सतर्कता बढ़ाई जाए

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- **सीएम ने सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में दिए निर्देश यातायात नियमों के उल्लंघन व ओवरलोडिंग पर हो कड़ी कार्रवाई**

अमृत विचार : सीएम धामी ने सोमवार को सचिवालय में सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक की। उन्होंने परिवहन व स्वास्थ्य विभाग को दुर्घटना प्रभावित लोगों को आयुष्मान योजना के अलावा अन्य अस्पतालों में भी कैशलैस उपचार मुहैया कराने को प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए।

सीएम ने कहा कि दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए राज्य की सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन चेकिंग, पर्वतीय क्षेत्रों में विशेष सतर्कता, ओवरलोडिंग पर रोक, यातायात नियमों के पालन के लिए लोगों को नियमित रूप से जागरूक करने, यातायात व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने को आधुनिक संसाधनों के अधिकतम इस्तेमाल पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद घायलों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए रिस्पांस टाइम कम से कम किया जाए। अतिवृष्टि से प्रभावित ऐसे क्षेत्रों जहां भीड़-भाड़ और अधिक आवागमन होता है, वहां सड़कों की मरम्मत को प्राथमिकता में रखा जाए। रोड सेफ्टी के लिए जनपदों में जो अच्छी पहल हुई है, उनको बेस्ट प्रैक्टिस के रूप में लिया जाए। एआई और तकनीक आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम पर ध्यान देने के साथ ही सभी जनपदों में ट्रैफिक सिस्टम को ऑटोमैटेड मोड में संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर सड़क चौड़ीकरण को प्राथमिकता से पूरा किया जाए। दुर्घटनाओं से बचाव और त्वरित सहायता के लिए जनमानस को प्रशिक्षित करने के लिए फर्स्ट रिस्पॉन्डर ट्रेनिंग प्रोग्राम किए जाएं। पर्वतीय मार्गों पर क्रश बैरियर लगाने, मूल सुविधाओं से युक्त स्थानों पर गाड़ियों के स्टॉपेज बनाने, सुरक्षा की दृष्टि से बस अड्डों पर नियमित सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

उन्होंने सड़क सुरक्षा के लिहाज से परिवहन, पुलिस और लोनिवि को हर माह बैठक करने और पर्वतीय क्षेत्रों में वन विभाग और जिला प्रशासन से सड़क किनारे पौधारोपण के लिए भी कहा। साथ ही कहा कि सड़क सुरक्षा में सराहनीय कार्य करने वालों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया जाए। इस दौरान कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, मुख्य सचिव आनन्दबर्द्धन, सचिव शैलेश बगोली, बृजेश कुमार संत, वी षणमुगम, एडीजी डॉ. वी.मुरूगेशन, आईजी राजीव स्वरूप, परिवहन आयुक्त रीना जोशी, अपर सचिव विनीत कुमार, रोहित मीणा मौजूद रहे।

धार्मिक यात्रा के लिए नैनीताल से बद्रीनाथ को रवाना होते यात्री।

बुजुर्गों का तीसरा दल गैराड़ गोलू को रवाना

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: जिला पर्यटन विभाग की दीन दयाल उपाध्याय मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना के अंतर्गत जनपद नैनीताल से 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का तीसरा दल मंगलवार को श्रद्धाभाव के साथ तीर्थयात्रा के लिए रवाना हुआ। तल्लीताल बस स्टेशन से पारंपरिक विधि-विधान के साथ हरी झंडी दिखाकर दल को विदाई दी गई।

योजना के तहत पांच दिवसीय इस धार्मिक यात्रा में कुल 32 श्रद्धालु शामिल हुए, जिनमें 22 महिलाएं और 11 पुरुष हैं। दल के साथ व्यवस्था, सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए पर्यटन विभाग की ओर से आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।यात्रा का पहला पड़ाव प्रसिद्ध लोक-देवता गैराड़ गोलू देवता मंदिर रहेगा। इसके बाद तीर्थयात्री क्रमशः बागेश्वर, बैजनाथ, गंगोलीहाट, तथा प्राचीन शिवधाम जागेश्वर के दर्शन करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दल पांच दिन बाद नैनीताल वापस लौटेगा।

यात्रा को रवाना करने के अवसर पर पर्यटन विकास के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी चंदन सिंह बिष्ट तथा भूपेंद्र क्वीरा उपस्थित रहे। अधिकारियों ने यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य बुजुर्गों को सुरक्षित, सुगम और निःशुल्क धार्मिक यात्रा का अवसर प्रदान करना है, ताकि वे बिना किसी आर्थिक बोझ के अपने आराध्य स्थलों के दर्शन कर सकें।श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री तथा पर्यटन विभाग का आभार जताते हुए कहा कि आयु बढ़ने के साथ स्वयं यात्रा करना कठिन हो जाता है लेकिन सरकारी योजना के माध्यम से उन्हें पुनः तीर्थस्थलों का दर्शन करने का अवसर मिला है।

भवाली में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल खोलने से पूर्व दें विस्तृत प्रस्तावः हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के पत्र के आधार पर पंजीकृत की जनहित याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट के पूर्व के आदेशों के क्रम में स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. सुनीता टम्टा कोर्ट में पेश हुई थी। मंगलवार को हाईकोर्ट ने सरकार से भवाली में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल खोलने के लिये एक दिसम्बर से पूर्व हाईकोर्ट में विस्तृत प्रस्ताव पेश करने के निर्देश दिए।

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने राज्य में सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाएं '' इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टैंडर्ड'' के मुताबिक न होने व मरीजों को मूलभूत सुविधाएं न मिलने से संविधान प्रदत्त स्वास्थ्य सम्बन्धी मौलिक अधिकार का हनन होने को लेकर जनहित याचिका की सुनवाई में कड़ा रुख अपनाया। हाईकोर्ट ने नैनीताल में खराब स्वास्थ्य सेवाओं का विशेष उल्लेख किया। इस दौरान हाईकोर्ट के संज्ञान में लाया गया कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में बताया है कि नैनीताल में पहले से ही दो स्पेशियलिटी अस्पताल बीडी पांडे अस्पताल व जीबी पन्त अस्पताल चल रहे हैं इसलिए भवाली में एक और स्पेशियलिटी अस्पताल खोलने की जरूरत नहीं है। इस पर हाईकोर्ट ने इन दोनों अस्पतालों की हालत, जर्जर भवन, अस्पताल तक पहुंच मार्ग, अस्पतालों में डॉक्टरों, तकनीशियनों व अन्य स्टाफ का अभाव, डॉक्टरों व स्टाफ के रहने की सुविधा का अभाव, पुरानी मशीनों आदि का उल्लेख किया। कहा कि सरकार जल्द भवाली में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल खोलने के लिये विस्तृत प्रस्ताव 1 दिसम्बर से पूर्व कोर्ट में पेश करे। कोर्ट के इस आदेश की प्रति राज्य के स्वास्थ्य मंत्री व स्वास्थ्य सचिव को भी भेजने के निर्देश दिए गए हैं। याचिका में कहा गया है कि राज्य के जिला अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं का घोर अभाव है जिस कारण मरीजों को हायर सेंटर रेफर कर दिया जाता है। गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के लिए निजी अस्पतालों में जाना पड़ता है। स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग को लेकर अल्मोड़ा के चौखुटिया में आंदोलन हो रहा है। अस्पतालों में न तो डॉक्टर समय पर आते हैं न ही अन्य स्टाफ। इस मामले को कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर कहा है कि उच्च न्यायालय होने के नाते जब नैनीताल में स्वास्थ्य की जरूरी सुविधा नहीं है तो अन्य जिलों की क्या स्थिति होगी।

प्रिंट मीडिया की जिम्मेदारी अधिक तो चुनौतियां भी ज्यादा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मुक्त विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा ने भारतीय प्रेस दिवस पर एक दिवसीय संगोष्ठी की। इसमें गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार से सम्मानित पत्रकार दिलीप चौबे, वरिष्ठ पत्रकार गणेश पाठक को सम्मानित किया।

संगोष्ठी में डॉ. चौबे ने कहा कि 16 वीं सदी से प्रिंट मीडिया का इतिहास शुरु होता है। भारत में पत्रकारिता की शुरुआत आजादी की लड़ाई के साथ हुआ। जब भारत के अखबार तेजी से बढ़ रहे थे तो उसके नियमन के लिए प्रेस परिषद का गठन किया गया। आजादी से 80 के दशक तक मीडिया एक आदर्श से बंधा हुआ था, सटीक व संतुलित खबरें दी जाती थी। तकनीकी के आगमन के बाद प्रिंट मीडिया के वर्चस्व को टेलीविजन ने तोड़ा। फिर सैकड़ों चैनल आ गए, फिर सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स आ गए, वेब पोर्टल्स आ गए। इन सबके आने से मीडिया का पूरा परिदृश्य ही बदल गया। मीडिया के लिए आज एक बड़ा खतरा खबरों से भ्रम पैदा करना, भड़काऊ खबरें देना है। अखबार अब कोरपोरेट कर्म हो गए हैं इसीलिए जनहित व विज्ञापनदाताओं के हितों में एक असंतुलन पैदा हुआ है। पत्रकारों का मुख्य दायित्व है कि वह सत्ता से सवाल करें। प्रिंट के पत्रकार अपनी पत्रकारिता बहुत ईमानदारी व विवेक के साथ करते हैं, वह जब किसी सूचना को समाचार में तब्दील करते हैं उस वक्त उनका विवेक व अनुभव ही समाचार की प्रस्तुति की दिशा को तय करता है। प्रिंट पत्रकारों की जिम्मेदारियां ज्यादा हैं इसीलिए उनके लिए चुनौतियां भी अधिक हैं। इन चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए हमें और अधिक विवेक के साथ तैयार होना होगा।

वरिष्ठ पत्रकार गणेश पाठक ने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसे मुकाम पर आ चुकी है कि अब हर तीसरा व्यक्ति पत्रकार बन गया है, जिससे पत्रकार व पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर असर पड़ा है। आज जनसरोकारों की पत्रकारिता पूरी तरह तिरोहित हो गयी है। स्तुतिगान की पत्रकारिता ज्यादा बढ़ गयी है। पत्रकारिता का सच वह है जो मनुष्य हित में हैं समाज के हित में है राष्ट्र के हित में है। जो राष्ट्र, मनुष्यता व समाज के हित में नहीं है उसका पुरजोर विरोध कर लिखना एक पत्रकार होने का एक पैमाना है। इस अवसर पर पत्रकारिता के चतुर्थ सेमेस्टर के शिक्षार्थियों की कार्यशाला का समापन समारोह भी था लिहाजा उन्हें भी प्रमाण पत्र बांटे गये। इस दौरान ओपी नेगी, जगमोहन रौतेला, दया पांडे, चन्द्रशेखर भट्ट, विपिन चन्द्रा, नवीन चन्द्र पाठक, नीमा पाठक,भूपेन्द्र सिंह, प्रो.पीडी पंत, प्रो. गिरिजा पांडे, जितेन्द्र पांडे, एमएम जोशी, कल्पना लखेड़ा, शैलेन्द्र टम्टा, पूर्णिमा, सुनील श्रीवास्तव, डॉ. शशांक शुक्ला, डॉ. राजेन्द्र क्वीरा रहे।

वरिष्ठ पत्रकार गणेश पाठक को सम्मानित करते लोग। ● अमृत विचार

- **मुक्त विश्वविद्यालय में भारतीय प्रेस दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन**

बेहतर प्रबंधन के लिए वित्तीय नीतियों पर चर्चा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तराखंड मुक्त विवि की वित्त समिति की 20वीं बैठक विवि के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी की अध्यक्षता में विवि के सभागार में आयोजित हुई।

बैठक में टाइप 3 और टाइप 4 आवासों के निर्माण के लिए शेष राशि उपलब्ध न होने की स्थिति में शासन को पत्र भेजने पर सहमति बनी। इस दौरान अध्ययन केंद्रों में उपलब्ध वार्षिक पाठ्यक्रम पर आधारित पुस्तकों के निशुल्क वितरण पर सभी सदस्यों ने खुशी व्यक्त की। पूर्व छात्र परिषद के लिए सदस्यता शुल्क निर्धारित करने, कौशल आधारित कार्यक्रमों को प्राप्त शुल्क में अध्ययन केंद्रों की हिस्सेदारी तय करने और विवि की निधियों के बेहतर प्रबंधन के लिए प्रस्तावित वित्तीय नीति पर भी चर्चा हुई। साथ ही अंतरराष्ट्रीय संबंध प्रकोष्ठ के लिए नया बजट प्रकोष्ठ बनाने का विषय भी रखा गया। बैठक में योजना बोर्ड, परीक्षा समिति, प्रवेश समिति, मान्यता बोर्ड व हालिया बैठकों में प्रस्तुत वित्तीय प्रस्तावों को भी वित्त समिति के समक्ष रखा गया।

उस्मान खान की सुनवाई से बेंच का इनकार

विधि संवाददाता, नैनीताल

- **अब मुख्य न्यायाधीश यह मामला दूसरी पीठ को भेजेंगे**

अमृत विचार: यौन शोषण के आरोपी ठेकेदार उस्मान खान की जमानत याचिका पर न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की बेंच ने सुनवाई से इनकार कर दिया है। उन्होंने इस प्रकरण को अन्य बेंच को भेजने की सिफारिश कर दी है। अब उच्च न्यायालय की नयी पीठ (अदालत) इस प्रकरण पर सुनवाई करेगी।

इस प्रकरण पर मंगलवार को न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की पीठ में सुनवाई होनी थी लेकिन उन्होंने इसे सुनने से इनकार कर दिया। साथ ही अन्य पीठ को भेजने की सिफारिश कर दी। अब मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र इस मामले को अन्य पीठ को भेजेंगे। इससे पहले न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा भी इस मामले को अन्य बेंच को भेज चुके हैं। उन्होंने अपने आदेश में कहा कि आरोपी के अधिवक्ता द्वारा इस मामले को जल्द सुनने की मांग की गयी। इस महीने अदालत उपलब्ध नहीं है इसलिए इस प्रकरण को अन्य बेंच के समक्ष पेश किया जाए। मामले के अनुसार, उस्मान पर 12 साल की नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। जब इसकी शिकायत नैनीताल के मल्लीताल थाने में दर्ज की गई थी तो उस दौरान तोड़फोड़ भी हुई। उसके बाद पुलिस ने जांच के उपरांत उस्मान को हिरासत में लिया और स्थानीय लोगो को शांत किया। कहा था कि आरोपी को जांच के उपरांत सजा मिलेगी लेकिन पिछली सुनवाई के दौरान जांच में ढिलाई बरतने पर जांच अधिकारी पर जुर्माना लगाया गया था। जांच अधिकारी ने जुर्माना भरने के बाद कोर्ट में क्षमा प्रार्थना पत्र पेश किया। मामले की सुनवाई कर रही कोर्ट उपलब्ध न होने से दूसरी एकलपीठ को भेज दिया गया था जिस पर मंगलवार को न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ ने मामले की सुनवाई से इनकार कर अगली एकलपीठ को रेफर कर दिया है।

खड़िया खनन में हाईकोर्ट ने मांगी पर्यावरणीय रिपोर्ट

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने बागेश्वर के खड़िया खनन मामले में सुनवाई करते हुए पर्यावरणीय जांच से संबंधित रिपोर्ट को सोमवार को अदालत के समक्ष पेश करने के निर्देश दिए हैं।

खंडपीठ में मंगलवार को बागेश्वर जिले में खड़िया खनन और उसके फलस्वरूप मकानों में आयी दरारों के संदर्भ में दायर सात जनहित याचिकाओं पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत को बताया गया कि सरकार ने कुछ खड़िया खदानों को क्लीन चिट दे दी है। लेकिन बाद में यह तथ्य सामने आया कि कमेटी की ओर से पर्यावरणीय मानकों पर जांच पूरी नहीं हो पायी थी। अदालत ने उस रिपोर्ट को सोमवार को अदालत के समक्ष पेश करने को कहा है। साथ ही, अदालत के संज्ञान में यह बात भी लायी गई कि पूर्व में अदालत ने स्टोन क्रशर स्वामी नवीन परिहार के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने के निर्देश दिए थे।

कैलाशानंद ट्रस्ट की संपत्ति देखेगी बीकेटीसी

नैनीतालः हाईकोर्ट ने एक आदेश में स्वामी कैलाशानंद मिशन ट्रस्ट की सम्पूर्ण संपत्ति, धर्मशाला, मंदिर गोशाला इत्यादि को श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के सुपुर्द करने के आदेश दिए हैं। ऋषिकेश के निकट लक्ष्मण झूला से सटे इस ट्रस्ट की संपत्ति का विवाद तब सामने आया, जब ट्रस्ट और उसकी संपत्ति पर अधिकार संबंधी विवाद देहरादून जिला न्यायालय में 2014 में प्रस्तुत किया गया था। हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल ने सभी पक्षों को सुनने के बाद ट्रस्ट की संपत्ति, धर्मशाला का संचालन बीकेटीसी को सौंपने का आदेश जारी कर दिया।

मेरा सपना, मेरा लक्ष्य कार्यक्रम आरंभ

पिथौरागढ़ : जिले के दूरस्थ क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली बेटियों का मेरा सपना, मेरा लक्ष्य कार्यक्रम के तहत आत्मविश्वास और हौसला बढ़ेगा और वे अपने लक्ष्य पर निशाना साधेंगी। डीएम आशीष भटगांई की पहल पर इस कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ है। इसके तहत सरकारी स्कूलों में पढ़ने वालीं 30-30 छात्राओं को सरकारी संस्थाओं का भ्रमण कराते हुए उन्हें सफलता के लिए प्रेरित किया जाएगा। उनकी रुचि और लक्ष्य के मुताबिक उन्हें संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ सफलता के टिप्स देकर उनके हौसलों को उड़ान देंगे।

एडवांस इंस्ट्रूमेंटेशन का प्रशिक्षण दिया

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय में हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग इन एडवांस्ड इंस्ट्रूमेंटेशन टू एनहांस एनालिटिकल स्किल्स विषय पर आयोजित छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का मंगलवार को समापन हो गया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के छात्रों और शोधार्थियों को उन्नत वैज्ञानिक उपकरणों की कार्यप्रणाली तथा विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करने का गहन प्रशिक्षण दिया गया।कार्यशाला का आयोजन रसायन विज्ञान विभाग द्वारा पीएम-उषा योजना के अंतर्गत 12 नवंबर से हर्मिटेज भवन में किया गया था। कार्यशाला के अंतिम दिन बतौर मुख्य वक्ता आईआईटी बैंगलुरू के प्रो. अशोक एम. रॉयचुर ने नैनो प्रौद्योगिकी के जैव-चिकित्सा एवं पर्यावरणीय अनुप्रयोगों पर अपने शोध कार्यों की जानकारी दी। प्रो. रॉयचुर ने बताया कि उनका शोध समूह जीन और कैंसर-रोधी दवाओं की नई पीढ़ी की डिलीवरी प्रणालियों के विकास, एपॉक्सी नैनोकंपोजिट्स में 2डी एवं 3डी संरचनाओं के निर्माण पर काम कर रहा है। उन्होंने छात्रों को पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से माइक्रोस्कोप के 2डी व 3डी मॉडल भी दिखाए। संचालन डॉ. दीपाक्षी जोशी और संयोजन नंद गोपाल साहू ने किया। संयोजक साहू ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को एडवांस्ड इंस्ट्रूमेंटेशन का व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर उनके विश्लेषणात्मक कौशल का विकास करना है। कार्यक्रम में प्रो. गीता तिवारी, प्रो. मनीषा त्रिपाठी, डॉ. मनोज धुनी, डॉ. ललित मोहन, डॉ. गिरीश खर्कवाल, डॉ. दीपशिखा जोशी, डॉ. आंचल अनेजा रहे।

उपचुनाव को लेकर जिले के कई स्कूलों में रहेगा अवकाश

हल्द्वानी, अमृत विचार : जिले के कई विकासखंडों में रिक्त ग्राम पंचायत सदस्य के पदों के लिए उपचुनाव कल (गुरुवार) होना है। जिसके लिए कई स्कूलों में मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इन स्कूलों में कल अवकाश रहेगा। मुख्य शिक्षा अधिकारी गोविंद राम जायसवाल ने बताया कि जिन स्कूलों में मतदान केंद्र बनाया गया है, वहां चुनाव के दिन यानी कल अवकाश रहेगा। उन्होंने प्रधानाध्यापकों व सहायक अध्यापकों को निर्देश दिए हैं कि वे कल खंड विकास अधिकारी की ओर से नामित कर्मचारी को विद्यालय की चाबी सौंप दें।

मेडिकल कॉलेजों को मिले 142 स्थायी असिस्टेंट प्रोफेसर

देहरादून : उत्तराखंड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड ने राजकीय मेडिकल कॉलेजों के अंतर्गत विभिन्न संकायों के 142 असिस्टेंट प्रोफेसर का परीक्षा परिणाम विषयवार घोषित कर दिया है। चयन आयोग द्वारा चयनित इन संकाय सदस्यों को शीघ्र ही प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में प्रथम तैनाती दी जाएगी। असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति से मेडिकल कॉलेजों में जहां फैकल्टी की कमी दूर होगी। वहीं, छात्र-छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा और सम्बद्ध चिकित्सालयों में मरीजों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी। यह जानकारी चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मंगलवार को दी।

झूलते तारों से दिलाएं निजात

पिथौरागढ़। दौला क्षेत्र के लोग मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष भावना नगरकोटी के नेतृत्व में कलक्ट्रेट पहुंचे और डीएम को ज्ञापन दिया। कहा कि दो वर्ष पूर्व घरों की छतों पर झूलते बिजली के तारों को हटाने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब तक इनसे मुक्ति नहीं मिली है। घरों की छतों और पेड़ों से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से खतरा बना है। लोग अपनी छतों पर भी नहीं जा पा रहे हैं। बच्चों को घरों के भीतर कैद करना मजबूरी बन गया है। तीन साल पूर्व करंट से एक बच्ची की जान भी जा चुकी है। उन्होंने मांग को जल्द पूरा कराने का अनुरोध किया। इस दौरान अन्जुम आरा, रईसा बानो, सपना आर्या, विनीता महर आदि मौजूद रहे।

वन हेल्थ विषय पर मेडिकल कॉलेज में हुई कार्यशाला

हल्द्वानी, अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेज में वन हेल्थ विषय पर लेक्चर थिएटर में कार्यक्रम हुआ। इस दौरान वन हेल्थ : अवधारणा और वैश्विक दृष्टिकोण विषय पर कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के डॉ. रुद्रेश नेगी ने प्रकाश डाला। उभरती जूनोटिक बीमारियां पर डॉ. सुनील कुमार (जनरल मेडिसिन विभाग) ने जानकारी दी। वन हेल्थ के तहत पर्यावरण स्वास्थ्य विषय पर डॉ. राजनंदनी (कम्युनिटी मेडिसिन विभाग) ने व्याख्यान दिया। शहरीकरण एवं जैव विविधता की हानि पर डॉ. इशान विरमानी ने प्रस्तुति दी। एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस : मौन महामारी विषय पर डॉ. सुकृति चन्द्रा (माइक्रोबायोलॉजी विभाग) ने जानकारी दी। इस दौरान प्राचार्य डॉ. जीएस तितियाल, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. साधना अवस्थी आदि रहे।

सिटी ब्रीफ

एबीसी आईडी बनाने के बाद ही जारी होगा परीक्षा परिणाम

हल्द्वानी : एमबीपीजी कॉलेज में स्नातक प्रथम, तृतीय और पंचम सेमेस्टर के कई छात्रों की एबीसी (एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट) आईडी नहीं बनाई गई है। जिस कारण इन छात्रों के परीक्षा परिणाम जारी करने में दिक्कतें आ सकती हैं। कॉलेज प्रशासन ने ऐसे विद्यार्थियों को एबीसी आईडी बनाकर उसकी सूचना कॉलेज के पोर्टल में गूगल फॉर्म पर अंकित करने के निर्देश दिए हैं। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी ने छात्रों को शीघ्र आईडी बनाकर कॉलेज के पोर्टल पर अपलोड करने के लिए कहा है। कहा कि इसके लिए छात्रों को समर्थ पोर्टल पर एबीसी अकाउंट में दिए गए लिंक पर जाकर अकाउंट बनाना होगा।

निगम सफाई कर्मियों ने सौंपा 9 सूत्रीय मांग पत्र

हल्द्वानी : अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ ने मंगलवार को अपनी लंबित समस्याओं और प्रमुख मांगों को लेकर 9 सूत्रीय मांग पत्र मेयर और नगर आयुक्त के नाम सौंपा। दोनों अधिकारियों की अनुपस्थिति में यह मांग पत्र कार्यालय अधीक्षक गिरीश भट्ट को सौंपा गया। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि मांगें शीघ्र पूरी नहीं की गईं, तो संगठन को आंदोलन करेगा। मांग पत्र सौंपने वालों में शाखा अध्यक्ष निहाल कुमार, महामंत्री पंकज कुमार, महिला मोर्चा अध्यक्ष मधु देवी, महामंत्री ज्योति देवी, गीता मौर्य, लता देवी, शीतल रहे।

सर्किल रेट में बढ़ोत्तरी के बाद रजिस्ट्री शुल्क में दोगुनी वृद्धि से और महंगा हुआ घर का सपना

शासन ने उपनिबंधन में रजिस्ट्रेशन की अधिकतम फीस को 25 हजार से बढ़ाकर किया 50 हजार रुपये

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

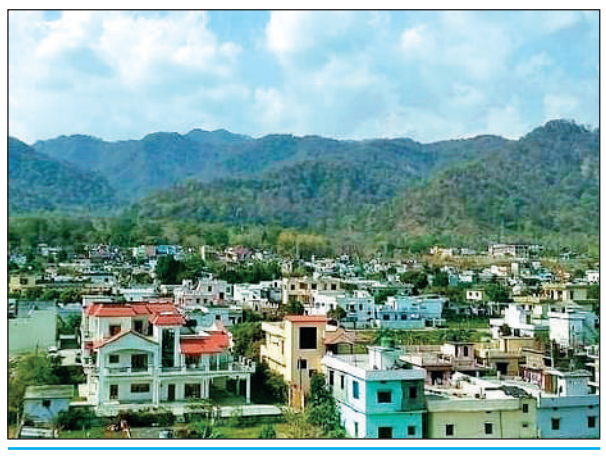

अमृत विचार : जमीनों के सर्किल रेट में वृद्धि के बाद अब रजिस्ट्रेशन फीस को दोगुना कर दिया गया है जिससे जमीन-मकान खरीदना के लिए आमजन की जेब पर दोगुना बोझ पड़ेगा। ऐसे में मध्यम व कमजोर वर्ग का जमीन खरीदने या घर बनाने का सपना महंगा हो जाएगा।

निबंधन अधिकारियों के अनुसार, यदि कोई भी व्यक्ति जमीन, मकान, गोदाम, दुकान खरीदता है तो निबंधन दफ्तर में सर्किल रेट के अनुसार प्रॉपर्टी के मूल्य का 2 प्रतिशत या अधिकतम 25 हजार रुपये शुल्क जमा करना पड़ता है। इधर, शासन ने इस राशि को बढ़ाकर दोगुना यानी 50 हजार रुपये कर दिया है। वित्त सचिव दलीप जावलकर ने बीती 17 नवंबर को आदेश जारी कर कहा कि राज्यपाल रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (अधिनियम संख्या 16 वर्ष 1908) की धारा 78 सपठित साधारण खंड अधिनियम 1897 (अधिनियम संख्या 10 वर्ष 1897) की धारा 21 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर स्टांप शुल्क में 14 सितंबर 2015 के प्रस्तर (क) में संशोधन कर दिया है। इसमें रजिस्ट्रेशन शुल्क की सारिणी में शब्द पच्चीस हजार रुपये के स्थान पर पचास हजार रुपये कर दिया है। वित्त सचिव से प्राप्त आदेश के बाद महानिरीक्षक निबंधन अतुल शर्मा ने राजय के सभी एडीएम वित्त/राजस्व, सहायक महानिरीक्षक, जिला निबंधक को निर्देश दिए हैं कि इस नए नियम के अनुसार ही रजिस्ट्री में अधिकतम शुल्क 50 हजार वसूलने के निर्देश दिए हैं।

हल्द्वानी में प्रतिदिन होती हैं 30-40 रजिस्ट्रियां

हल्द्वानी : कुमाऊं के सबसे बड़े शहर हल्द्वानी में प्रतिदिन 30-40 रजिस्ट्रियां होती हैं। जमीनों के सर्किल रेट में वृद्धि के बाद जमीन के मूल्य में भी वृद्धि हुई है ऐसे में जो शुल्क 25 हजार रुपये लिया जाता था अब वही शुल्क 50 हजार रुपये शुल्क देना होगा। ऐसे में सरकार का तो खजाना भरेगा लेकिन जनता पर दोगुने रजिस्ट्रेशन शुल्क की मार झेलनी होगी। हल्द्वानी के अलावा नैनीताल, रामनगर में भी रजिस्ट्री होती है।

ऐसे समझें शुल्क की गुणा-गणित

हल्द्वानी : यदि किसी जमीन का सर्किल रेट के अनुसार मूल्य 20 लाख रुपये है तो उस पर शुल्क 2 प्रतिशत के अनुसार 40 हजार रुपये बनता है लेकिन अधिकतम शुल्क 25 हजार रुपये ही था। यानी क्रेता को 40 हजार नहीं अधिकतम सिर्फ 25 हजार ही रुपये देने पड़ते थे। इधर, नया नियम लागू होने के बाद यदि कोई व्यक्ति 20 लाख रुपये की जमीन खरीदता है तो उसे 25 हजार नहीं बल्कि 40 हजार रुपये का शुल्क देना पड़ेगा। भूमि का मूल्य 26 लाख रुपये हैं तो 2 प्रतिशत शुल्क के अनुसार 52 हजार रुपये बनते हैं लेकिन उसको 52 नहीं नए नियम के अनुसार 50 हजार रुपये देने होंगे। जबकि पूर्व के नियमों के अनुसार, उसे 50 नहीं 25 हजार रुपये ही देने पड़ते। ऐसे में उस पर रजिस्ट्रेशन शुल्क की दोगुनी मार झेलनी पड़ेगी।

पक्ष

सरकार जो भी निर्णय लेती है, राज्य व जनता के हित में होते हैं। रजिस्ट्रेशन शुल्क को लेकर संगठन की ओर से मुख्यमंत्री से वार्ता की जाएगी इसमें संशोधन किया जाए। **-प्रताप बिष्ट,** जिलाध्यक्ष भाजपा नैनीताल

विपक्ष

सर्किल रेट में जो नाजायज ढंग से बढ़ाए गए, एरियल डिस्टेंटस का प्रावधान दुर्भाग्यपूर्ण है, जंगल किनारे कृषि भूमि के दामों में भी बढ़ोत्तरी की है। अब रजिस्ट्रेशन में अधिकतम शुल्क 25 हजार को बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दिया है, ऐसे में राज्य सरकार की मंशा साफ है कि सरकार चाहती ही नहीं है कि आमजन का हल्द्वानी में घर बनाने का सपना पूरा हो सके। **-सुमित हृदयेश,** विधायक हल्द्वानी

मंडलायुक्त दीपक रावत से खराब आटे की शिकायत करतीं महिला। ● अमृत विचार

आटे में निकले घुन-कीड़े जांच व कार्यवाही के आदेश

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : आयुक्त दीपक रावत ने एक महिला की आटे में मिलावट व गड़बड़ी की शिकायत पर खाद्य सुरक्षा विभाग को आटे के सैंपल लेने व सीसीटीवी फुटेज जांचने के निर्देश दिए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीमा खंडूजा निवासी जजी कोर्ट के समीप नैनीताल रोड ने आयुक्त रावत को शिकायत करते हुए बताया कि उन्होंने बीती 4 नवंबर को एसबीआई के समीप लालता प्रसाद, बसन्त कुमार की राशन की दुकान से आटा खरीदा था। जब उन्होंने आटे की रोटियां बनाईं तो उनके व पति के पेट में दर्द हुआ और तबीयत बिगड़ गई। इस पर उन्होंने डॉक्टर की सलाह पर सिर्फ खिचड़ी का सेवन किया। फिर 12 नवंबर को उन्होंने आटा छाना तो उसमें घुन और कीड़े निकले। इसके बाद उन्होंने उपभोक्ता फोरम में वाद दायर किया।

उन्होंने आटे का सैंपल लाकर आयुक्त के सामने भी पेश किया। इस पर आयुक्त रावत ने दुकान स्वामी को तलब किया। दुकान स्वामी ने बताया कि उसकी चक्की खराब है, इसलिए वह आंचल का चक्की वाला आटा बेच रहे हैं।

इसपर आयुक्त ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी को राशन की दुकान में जाकर आटे के सैंपल लेकर जांचने, दुकान के आसपास की सीसीटीवी फुटेज खंगालकर सत्यता का पता लगाने व खाद्य सुरक्षा अधिनियम में कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

खड़े टैंकर से भिड़ी बाइक, होटल कर्मी की मौत, साथी हुआ घायल

संवाददाता, हल्द्वानी

● गौलापार के खेड़ा में देर रात हुआ दर्दनाक हादसा

अमृत विचार: गौलापार क्षेत्र के खेड़ा में देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में होटल में काम करने वाले एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल है। हादसा उस समय हुआ जब दोनों युवक बाइक से किसी काम से खेड़ा चौकी की ओर जा रहे थे।

पुलिस के अनुसार, मंगलवार देर रात करीब 11 बजे बागजाला निवासी तथा मूल रूप से चंपावत जिले के पाटी तहसील स्थित सुनडुंगरा गांव के रहने वाले 32 वर्षीय मनोज सिंह अपने साथी पुष्कर सिंह के साथ बाइक से निकले थे। खेड़ा स्थित एक पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे खड़े टैंकर से उनकी बाइक अचानक जा टकराई। तेज टक्कर से दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को बेस अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने बाइक चालक मनोज सिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल पुष्कर सिंह की हालत को देखते हुए उसे डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतक के चचेरे भाई मोहन सिंह ने बताया कि मनोज हल्द्वानी के मंगल पड़ाव स्थित एक होटल में खाना बनाने का काम करता था। मनोज अपने पीछे पत्नी अनीता और दो मासूम बच्चों को छोड़ गया है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्यवाही करते हुए शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है। हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर है, वहीं स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे भारी वाहनों को लापरवाही से खड़ा करने पर चिंता जताई है।

बाइक सवार की मौत मामले में मुकदमा दर्ज

हल्द्वानी, अमृत विचार: धनपुरी से हल्द्वानी आ रहे एक बाइक सवार की टक्कर छोटा हाथी वाहन से हो गई। हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। अब मृतक के पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ग्राम धनपुरी, आनंदपुर हल्द्वानी निवासी राधाकृष्ण गुप्ता ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा करन गुप्ता (19) बीती 13 नवंबर को धनपुरी से हल्द्वानी को आ रहा था। रात करीब 12:35 बजे करन हिडन लीफ कैफे रामपुर रोड, पंचायतघर के पास पहुंचा तो छोटा हाथी वाहन के ड्राइवर ने तेजी और लापरवाही से चला रहा था। बाद में चालक ने अचानक ब्रेक मार दिए, जिससे छोटा हाथी वाहन के पीछे करन बाइक समेत टकरा गया।

कबाड़ के गोदाम में लगी आग, लाखों की क्षति

संवाददाता, रामनगर

● चार घंटे की मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

अमृत विचार: रामनगर में कबाड़ के गोदाम में भीषण आग लग जाने से मोहल्ले में हड़कंप मच गया। आग लगने का कारण ज्ञात नहीं हो पाया। पीड़ित व्यक्ति को लाखों रुपए का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह वसीम अहमद पुत्र तय्यब नामक व्यक्ति ने फायर स्टेशन आकर सूचना दी कि इंडेन गैस गोदाम के सामने उसके कबाड़ के गोदाम में आग लग गई है। सूचना प्राप्त होते ही फायर स्टेशन से फायर यूनिट घटना स्थल के लिए रवाना हुई। फायर यूनिट रामनगर ने आग बुझाना शुरू किया। आग का विकराल रूप देखते हुए फायर स्टेशन की सभी गाड़ियों के अलावा डीसीआर के माध्यम से काशीपुर फायर स्टेशन से भी एक गाड़ी मंगाई गई।

प्रभारी स्टेशन अधिकारी सुशील कुमार रामनगर के निर्देशन के 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूर्ण रूप से बुझाया गया। आग लगने का कारण अज्ञात बताया गया। हादसे में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। उन्होंने बताया कि आग लगने से पीड़ित व्यक्ति को छह लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है।

इस दौरान फायर टीम में फायर स्टेशन अधिकारी सुशील कुमार, कश्मीर सिंह, पुष्कर सिंह, गिरिवर सिंह, देवेंद्र कुमार, रविंद्र कुमार, पुष्कर पाल सिंह, शंभू गिरी, अजीत सिंह, विपिन कुमार, दीपक बिष्ट, सुखदेव सिंह, मनोज कुमार व प्रशांत शर्मा शामिल रहे। इधर आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप रहा।

रामनगर में कबाड़ के गोदाम में लगी आग बुझाने का प्रयास करते दमकल कर्मी।

पुलिस को बताई खाद, बोरा खोला तो मिली कच्ची शराब

संवाददाता, हल्द्वानी

● पुलिस को देख भागने की कोशिश की आरोपियों ने

अमृत विचार: पुलिस ने दो आरोपियों को कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। तस्करों ने पुलिस को चकमा देने की पूरी कोशिश की लेकिन वह सफल नहीं हुए।

चोरगलिया पुलिस के अनुसार, पुलिस क्षेत्र में एमवीआर गेट के पास चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान दो लोग बिना हेलमेट आ रहे थे। बाइक पर एक सफेद बोरा भी था। पुलिस को शक हुआ और बाइक सवारों को रुकने का इशारा किया लेकिन वह बाइक को मोड़कर जाने लगे। पुलिस ने भागकर रोका और पूछताछ की। शुरू में बाइक सवारों ने पुलिस को चकमा देने की कोशिश की और कहा कि वह खेतों में डालने के लिए खाद ले जा रहे हैं।

तलाशी ली तो बोरे के अंदर से कच्ची शराब मिली। पूछताछ में बाइक चालक ने अपना नाम सुखविंदर सिंह उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम पहसैनी, थाना नानकमत्ता बताया। बाइक के पीछे बैठे आरोपी ने अपना नाम सोना सिंह उम्र 23 साल निवासी ग्राम विचई थाना नानकमत्ता बताया। तलाशी में कच्ची शराब के 57 पाउच मिले। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कांग्रेसियों ने उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग उठाई

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: विगत दिनों शहर के उजाला नगर क्षेत्र में हुए बवाल को लेकर कांग्रेसियों ने एसएसपी मंजूनाथ टीसी को ज्ञापन दिया है। जिसमें उपद्रवियों पर कार्रवाई की मांग की है।

विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि शहर में तोड़-फोड़ की गई और उपद्रव किया गया, साथ ही शमा रेस्टारेंट को नुकसान पहुंचाया गया। इस घटना की वजह से शहर के आम नागरिकों में भय और असुरक्षा की भावना है। इन उपद्रवियों ने कानून व्यवस्था को चुनौती देने के साथ ही सामाजिक ताने-बाने को भी बिगाड़ने का प्रयास किया है। मांग की गई कि घटना में शामिल अराजक तत्वों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाए।

एसएसपी मंजूनाथ टीसी को ज्ञापन सौंपते विधायक सुमित हृदयेश व अन्य।

संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की गश्त बढ़ाई जाए। सीसीटीवी फुटे और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर निष्पक्ष कार्रवाई की जाए। कहा कि हमारा उद्देश्य केवल शांति, न्याय और सौहार्द की स्थापना है। जिले की गरिमा एवं कानून व्यवस्था की रक्षा के लिए पुलिस की तत्परता पर हमें पूरे विश्वास है। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल छिम्वाल, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट, नरेश अग्रवाल, सुहैल सिद्दीकी आदि थे।

गोवंश का हुआ पोस्टमार्टम दो टीमें करेंगी मामले की जांच

संवाददता, हल्द्वानी

अमृत विचार: रविवार शाम उजाला नगर में नवजात गोवंश का अंग मिलने के बाद बवाल हो गया था। पुलिस ने गोवंश के शव को पूरी तरह से बरामद करने के बाद उसका पोस्टमार्टम करा दिया है।

पुलिस के अनुसार पशु चिकित्सकों ने गोवंश का पोस्टमार्टम किया है। अब रिपोर्ट का इंतजार है। साथ ही दो टीमें गठित कर दी गईं हैं जो घटना की जांच करेंगी और पता लगाएंगी कि घटना किस तरह से हुई। इसमें एक तकनीकी टीम भी रहेगी। इधर शहर और घटनास्थल पर शांति है। कहीं कोई तनाव नहीं। पुलिस अभी भी हर स्थिति पर नजर बनाए हुए है। सोशल मीडिया की मॉनिटिरिंग की जा रही है। एसपी क्राइम डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया कि शहर में स्थिति नियंत्रण में है लेकिन पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है।

उपद्रवियों को ढूंढने में जुटी पुलिस

घटना के दिन उपद्रव करने वाले करीब 50 अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज हो गया है लेकिन अभी कोई पकड़ा नहीं गया है। पुलिस के अनुसार सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि पुलिस कार्रवाई में ढिलाई बरत रही है। उल्लेखनीय है कि घटना के बाद उपद्रवियों ने काफी बवाल किया था। जिससे क्षेत्र में तनाव फैल गया था।

बिजली कार्यों के चलते आज भी रहेगा शटडाउन

हल्द्वानी: शहर से लेकर गौलापार के गांवों तक मंगलवार को बिजली कटौती का असर जारी रहा। विद्युत विभाग की ओर से जारी शटडाउन शेड्यूल के तहत 20 दिसंबर तक अलग-अलग दिनों में प्रतिदिन छह घंटे तक बिजली बाधित रहेगी। विभाग 33 केवी लाइन के डॉग कंडक्टर को पैंथर कंडक्टर में बदलने और रानीबाग-गौलापार लाइन को एएएसी केबल में अपग्रेड करने का कार्य कर रहा है।

मंगलवार को कालटैक्स काठगोदाम, आवास विकास, बरेली रोड, नैनीताल रोड, रामपुर रोड, स्टेशन रोड, आजादनगर, गांधीनगर, नवाबी रोड, राजपुरा, तिकोनिया, मुखानी, कालीचौड़, दानीबंगर इन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित होने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सुविधा | नहर के कवर होने के बाद सड़क का निर्माण किया जाएगा, टेंडर हो गए हैं जारी, शीघ्र शुरू होगा काम

एसटीएच के पीछे से जाने वाली नहर की जाएगी कवर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: डहरिया में एसटीएच के पीछे से जाने वाली दो किमी लंबी खुली नहर को कवर किया जाएगा। इस नहर को कवर करने के बाद सड़क भी चौड़ी हो जाएगी। इससे रामपुर रोड पर दबाव कम होगा। सब कुछ ठीक रहा तो शीघ्र ही काम भी शुरू हो जाएगा।

सिंचाई विभाग के अनुसार डहरिया में डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल के पीछे खुली नहर बहती है। यह नहर क्रियाशाला तक कवर है। साल 2012 में पनचक्की से क्रियाशाला तक नहर को कवर करके सड़क को चौड़ा किया था। इससे क्षेत्र का विकास हुआ और साथ ही काठगोदाम जाने के लिए एक नया बाईपास भी तैयार हो गया। हालांकि इसके बाद नहर को खुला ही रखा गया है। क्रियाशाला के बाद से डहरिया क्षेत्र में करीब दो किमी लंबी खुली नहर है। यह नहर देवलचौड़ तक जाती है। नहर खुली होने से जहां खतरा बना रहता है वहीं नहर के समीप सड़क को चौड़ा नहीं किया जा पा रहा है। सिंचाई विभाग ने इसके लिए प्रस्ताव बनाकर भेजा था। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद सिंचाई विभाग को बजट मिल गया है। विभाग ने 19.65 करोड़ की लागत से नहर कवरिंग के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं। प्रक्रिया के पूरा होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इसके बाद लोक निर्माण विभाग यहां सड़क का निर्माण करेगा। इसके लिए भी बजट की मंजूरी विभाग को मिल गई है। नहर कवर होने के बाद जब सड़क को चौड़ा कर दिया जाएगा तो रामपुर रोड से नैनीताल और भीमताल जाने वाले लोग इस रोड से होते हुए काठगोदाम निकल जाएंगे। इससे नैनीताल रोड पर भीड़ कम होगी। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता दिनेश रावत ने बताया कि एसटीएच के पीछे से देवलचौड़ तक नहर कवर की जा रही है। इसके लिए टेंडर जारी कर दिए हैं।

दमुवाढूंगा में नहर कवरिंग जारी

हल्द्वानी : इधर दमुवाढूंगा में पनचक्की से चंबलपुल तक नहर को कवर किया जा रहा है। चौफला से चंबलपुल तक नहर को पहले की कवर किया जा चुका है और उसके ऊपर सड़क भी बना दी गई है। बारिश के दिनों में काम को रोक दिया गया था। नहर किनारे सिंचाई विभाग की जमीन में लगे पेड़ों को काट भी दिया गया है। सिंचाई विभाग के अनुसार अब काम को तेजी के साथ किया जाएगा। फिलहाल करीब चार माह तक काम रुकने की वजह से स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है।

एआई उपकरणों और उनके प्रभावी उपयोग के तरीकों की जानकारी दी

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: पीएनजी राजकीय महाविद्यालय में श्रीराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, काशीपुर के सहयोग से छात्रों के लिए प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग: एआई का प्रभावी उपयोग विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उपकरणों और उनके प्रभावी उपयोग की तकनीकों से परिचित कराना था।

व्याख्यान के मुख्य वक्ता पंकज तिवारी, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, श्रीराम इंस्टीट्यूट ने एआई मॉडलों, उनके वास्तविक जीवन में उपयोग तथा डिजिटल साक्षरता के महत्व पर तकनीकी जानकारी साझा की। इसके साथ ही डॉ. शोभित त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, प्रबंधन विभाग, श्रीराम इंस्टीट्यूट ने एआई की बढ़ती भूमिका, विभिन्न क्षेत्रों में इसका प्रभाव और प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार सही प्रॉम्प्ट तैयार करने से एआई के उत्तर अधिक सटीक और उपयोगी बनते हैं। प्राचार्य प्रो. डॉ.मोहन चन्द्र पाण्डेय ने सहयोगात्मक प्रयास की सराहना की और छात्रों को आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्लेसमेंट कोऑर्डिनेटर डॉ. अनुराग ने बताया कि एआई और प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग का ज्ञान आज जरूरी हो चुका है। कार्यक्रम में पीएनजी राजकीय महाविद्यालय के डॉ. मनोज नैलवाल व श्रीराम इंस्टीट्यूट की ओर से शशांक गौड़ उपस्थित रहे।

गोष्ठी में विभिन्न जानकारी देते विषय विशेषज्ञ। ● अमृत विचार

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार, 19 नवंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

नौशाद बने ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य

रामनगर : भारतीय मानवाधिकार परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महासचिव की संतुति पर वरिष्ठ पत्रकार नौशाद सिद्दीकी को ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ इंडिया के उत्तराखण्ड राज्य का सदस्य मनोनीत किया है। ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य नियुक्त होने पर नौशाद सिद्दीकी ने कहा कि वह अपने फर्ज को पूरी ईमानदारी व लगन से निभाएंगे तथा मूल उद्देश्य के तहत लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करेंगे। उन्होंने कहा कि पीड़ित लोगों को न्याय, नशा मुक्ति के खिलाफ अभियान, दहेज प्रथा के खिलाफ मुहिम चलाना, श्रमिक शोषण, बाल शोषण को रोकना, महिलाओं पर हो रहे अत्याचार पर रोक लगाने जैसे सामाजिक कार्यों मे अपना सहयोग प्रदान करेंगे। ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रदेश सदस्य बनने पर नौशाद सिद्दीकी को सामाजिक संगठनों से जुडे.लोगों ने बधाई दी है।

महरा गांव में बिछ रही इंटरलॉकिंग टाइल में स्लोप देने की मांग

भीमताल : भीमताल-भवाली मोटर मार्ग में लोक निर्माण विभाग की ओर से बिछाई जा रही इंटरलॉकिंग टाइल्स के कार्य में स्लोप देने की मांग की जा रही है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि संबंधित ठेकेदार धीमी गति से कार्य कर रहा है। इतना ही नहीं टाइल्स बिछाते समय स्लोप का ध्यान नहीं दिया गया है और ठोकर बना दी गई है। जिससे वाहनों को नुकसान पहुंच रहा है। निर्माण स्थल पर रेता बिछा होने के कारण दो पहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे है। लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर केके पाठक ने बताया कि संबंधित सभी कार्य ठीक कराए जा रहे हैं।

मारपीट करने पर सात मजदूरों का चालान

नैनीताल : मल्लीताल में मोबाइल फोन गुम होने को लेकर नेपाली मजदूरों में जमकर लात-घूंसे चले। पुलिसकर्मियों ने हंगामा शांत कर सात मजदूरों को हिरासत में लेकर उनका चालान कर दिया। मेट्रोपोल परिसर में रहने वाले नेपाली मजदूरों के बीच मोबाइल चोरी के संदेह में हाथापाई हो गई। पुलिसकर्मियों ने मारपीट रोकी। एसआई आशा बिष्ट ने बताया कि सार्वजनिक स्थल पर मारपीट करने पर नेपाल मूल के सुनीता, मनीषा, विशाल, सूरज, शांति, ज्योति व हेमा का चालान किया गया है।

इतिहासकारों के अनुसार 18 नवंबर 1841 को अंग्रेज व्यापारी पीटर बैरन ने पहली बार इस स्थान को देखा था, इस दिन मनाया जाता है नैनीताल का जन्मदिन

184 साल पहले हुई थी नैनीताल की खोज, केक काट कर मनाया जन्मदिन

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: देश-दुनिया के सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा नैनीताल आज अपनी खोज के 184 वर्ष पूरे कर रही है। स्थानीय लोग इस दिन को शहर के जन्मदिन के रूप में मनाते हुए केक काटते हैं। इतिहासकारों के अनुसार 18 नवंबर 1841 को अंग्रेज व्यापारी पीटर बैरन ने पहली बार इस स्थान को देखा था और इसकी सुंदरता से प्रभावित होकर यहां नगर बसाने का निर्णय लिया था।

इतिहास के पूर्व प्रोफेसर डॉ. अजय रावत के अनुसार, अंग्रेज व्यापारी पीटर बैरन 1841 में घूमते-घूमते इस क्षेत्र में पहुंचे। घने जंगलों, झील और पहाड़ों से घिरा यह स्थान उन्हें इतना भाया कि उन्होंने यहां बसासत बसाने की ठानी। तब इस क्षेत्र पर थोकदार नूरसिंह का अधिकार था। बैरन ने पहले नूर सिंह से इस इलाके को खरीदने का अनुरोध किया, मगर असहमति के बाद बैरन ने उन्हें झील में नाव पर ले जाकर दबाव डाला। बैरन की लिखित डायरी के अनुसार, डूबने के भय से नूरसिंह ने दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए, जिसके बाद बैरन ने अपनी कल्पना का नगर नैनीताल बसाना शुरू किया।

केक काटकर नैनीताल का जन्म दिन मनाते स्थानीय नागरिक। ● अमृत विचार

1880 का विनाशकारी भूकंप ने बदल दिया शहर का चेहरा : नैनीताल की बसासत को 18 सितंबर 1880 को आए भीषण भूकंप ने हिला कर रख दिया। इस हादसे में 151 लोगों की जान गई और पहाड़ों से आया भारी मलबा झील में समा गया। इसी मलबे ने वर्तमान फ्लैट्स मैदान का रूप ले लिया, जहां आज विभिन्न कार्यक्रम होते हैं। हादसे के बाद ब्रिटिश शासन ने शहर को दोबारा संवारने के लिए भारी प्रयास किए। भूस्खलन रोकने हेतु नगर में लगभग 64 छोटे-बड़े नालों का निर्माण कराया गया जिनकी संयुक्त लंबाई 1,06,499 फीट है।

शहरवासियों की अनोखी परंपरा

बीते कई वर्षों से नैनीताल के लोग 18 नवंबर को शहर का जन्मदिन मानकर उत्सव मनाते हैं। समाजसेवी संगठन, होटल व्यवसायी, व्यापारी और विभिन्न संस्थाएँ मिलकर शहर के अलग-अलग स्थानों पर केक काटते हैं और नैनीताल की खुशहाली की कामना करते हैं। स्थानीय लोग कहते हैं कि यह दिन न सिर्फ नैनीताल की खोज का प्रतीक है, बल्कि इस सरोवर नगरी से उनके भावनात्मक जुड़ाव को भी दर्शाता है। मंगलवार को शहर के बास्केटबॉल खेल मैदान में ताल चैनल के प्रबंध निदेशक मारुति नंदन शाह के द्वारा नैनीताल जन्मदिन का कार्यक्रम आयोजन किया गया जिसमें शहर के स्कूली छात्र-छात्राओं और गरीब टपके के लोगों को कंबल वितरित किए गए। इससे पूर्व नैनीताल में सुख शांति की कामना के लिए हवन यज्ञ का आयोजन किया गया साथ ही मौलवी पादरी और गुरुद्वारा के ग्रंथी ने भी कार्यक्रम स्थल पर आकर नैनीताल की सुख शांति की कामना की। इसके बाद केक सेरेमनी का आयोजन किया गया जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं और स्थानीय लोगों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभा किया। इस दौरान डीएन भट्ट, पंडित कैलाश सुयाल, सभासद गजाला कमाल, भगवत रावत, पूरन बिष्ट, विकास जोशी, विक्की राठौड़, विनोद मनराल, प्रोफेसर ललित तिवारी, मीनाक्षी कीर्ति, ईशा शाह, आशा शर्मा, नीलू एल्हेंस समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

नैनीताल आज पर्यटन, शिक्षा और विरासत का प्रमुख शहर

नैनी ताल झील आज भी इस शहर का प्रमुख आकर्षण है, जहाँ देश-दुनिया के पर्यटक नाव की सैर और प्राकृतिक सौंदर्य का भरपूर आनंद लेते हैं। चायना पीक, टिफिन टॉप, हिमालय दर्शन सहित अनेक दर्शनीय स्थल हर मौसम में पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। साथ ही, नैनीताल देश के प्रमुख शैक्षणिक केंद्रों में से एक माना जाता है, जहाँ स्थापित ऐतिहासिक स्कूल आज भी ब्रिटिश काल की वास्तुकला का एहसास कराते हैं।

सरकारी खरीद केंद्र में धान चोरी का आरोप, किसानों में आक्रोश

नाराज किसानों ने सेंटर इंचार्ज हेमचंद्र दानी व ठेकेदार के खिलाफ सौंपी तहरीर

संवाददाता, चोरगलिया

अमृत विचार: चोरगलिया स्थित लखन मंडी सहकारी समिति के सरकारी धान खरीद केंद्र पर बुधवार को किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने खरीद केंद्र पर धान चोरी का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि केंद्र में 25 अक्टूबर से धान खरीद की जा रही है। गुरुवार 17 नवंबर को नीरज नामक किसान अपनी बारी आने पर जब धान तुलवा रहा था, आरोप है कि तभी वहां मौजूद पल्लेदारों ने उसके सामने ही उसका धान की चोरी कर लिया।

किसानों का कहना है कि मौके पर मौजूद धान क्रय केंद्र के इंचार्ज हेमचंद्र दानी ने भी पल्लेदारों द्वारा धान चोरी किए जाने की बात स्वीकार की है।मामले की जानकारी से आक्रोशित किसान धान क्रय केंद्र पर इकट्ठा होने लगे। जनप्रतिनिधि नंदन बोरा, दीपक चौसाली, भुवन पोखरिया, प्रदीप फत्याल, आशु, सुरजीत कौर और पान सिंह मेवाड़ी भी केंद्र पर पहुंच गए। उन्होंने सेंटर इंचार्ज से तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग की। कुछ देर बाद यूसीएफ जिला प्रबंधक नैनीताल प्रेमा हरबोला और सचिव गजेंद्र सिंह पोखरिया केंद्र पर पहुंचे। किसानों ने अधिकारियों के सामने जोरदार विरोध दर्ज कराया। इस पर प्रबंधक हरबोला ने कंप्यूटर ऑपरेटर सुनील और सेंटर इंचार्ज हेमचंद्र दानी से स्पष्टीकरण मांगा और ठेकेदार को तत्काल बुलाने के निर्देश दिए। किसानों का आरोप है कि धान चोरी की इस घटना में पल्लेदारों से लेकर कुछ अधिकारियों तक की मिलीभगत हो सकती है। शाम 5 बजे तक चली लंबी वार्ता के बाद भी कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकल पाया। इसके बाद किसानों ने चोरगलिया थाने में जाकर सेंटर इंचार्ज हेमचंद्र दानी व ठेकेदार मनोज कुमार अरोड़ा, वार्ड नंबर 3, निशांत बिहार, मुखानी हल्द्वानी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। उधर सेंटर इंचार्ज हेमचंद्र दानी ने भी आसिफ अंसारी, मजदूरों और कंप्यूटर ऑपरेटर सुनील कुमार के खिलाफ लिखित शिकायत सौंपी है।

चोरगलिया थाने में धान चोरी के मामले को लेकर बैठक करते किसान। ● अमृत विचार

क्लस्टर-आधारित कार्यों को बढ़ावा देने को समीक्षा बैठक की

भीमताल, अमृत विचार: राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की जिला ग्रामीण विकास अभिकरण की परियोजना निदेशक चंदा फर्त्याल ने मंगलवार को एक समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने योजना की वित्तीय और भौतिक प्रगति की समीक्षा की तथा नैनीताल जिले के सभी विकास खंडों में क्लस्टर-आधारित कार्यों के माध्यम से अधिक से अधिक महिलाओं को लाभान्वित करने का निर्देश दिया।

परियोजना निदेशक चंदा फर्त्याल ने बताया कि भीमताल में कैंडल कलस्टर, धारी में पालीहाउस कलस्टर तथा फ्लोरीकल्चर कलस्टर, बेतालघाट में मसाला कलस्टर, हल्द्वानी में जूट बैग कलस्टर, रामगढ़ में हर्बल कलस्टर, ओखलकांडा में पूरुल कलस्टर, कोटाबाग में आंवला कलस्टर, रामनगर में ऊनी टायज कलस्टर कार्य प्रगति से किए जाने को लेकर बैठक की गई। बैठक में डीटीई उपासक तथा विकास खंडों से एडीबीओ और बीडीओ एवं ब्लाक मिशन प्रबंधक आदि उपस्थित रहे।

कालाढूंगी में स्मार्ट मीटर का विरोध जताते वार्ड मेंबर रोहित बुढ़लाकोटी।

विरोध के बावजूद स्मार्ट मीटर लगाने से आक्रोश

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: क्षेत्र में ऊर्जा निगम द्वारा बिना सूचना दिए लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए परेशानियों का सबब बन गए हैं। मंगलवार को ऊर्जा निगम के अधिकारी और अडानी ग्रुप के कर्मचारियों ने नगर के वार्ड-1 में स्मार्ट मीटर लगाने शुरू किए।

नगरवासियों के विरोध के बाद ऊर्जा निगम ने पुलिस की निगरानी में घरों में स्मार्ट मीटर लगाए। लोगों का कहना है कि उन्हें डरा-धमकाकर तथा उनकी गैरमौजूदगी में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। उनका कहना है कि इन मीटरों से बिजली बिलों में गड़बड़ी होने की आशंका है और बिलिंग की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने की योजना उपभोक्ताओं के लिए सिरदर्द बनती जा रही है। ऊर्जा निगम द्वारा बिना सूचना दिए लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों को लेकर उपभोक्ता सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि बिना जानकारी दिए पुराने मीटर उतार नए स्मार्ट मीटर लगा दिए जा रहे हैं। मंगलवार को वार्ड-1 में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों का नगरवासियों, वार्ड मेंबर रोहित बुढ़लाकोटी और जिपंस अर्णव कंबोज ने कड़ा विरोध किया। ऊर्जा निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ तीखी बहस हुई। ऊर्जा निगम ने पुलिस को सूचना दी और पुलिस की सुरक्षा में स्मार्ट मीटर लगाए गए। जेई दीपक बिष्ट, मीटर एसडीओ रितु और पुलिस कर्मचारी मौजूद रहे।

खनन वाहनों पर रोक लगाने की मांग

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः भीमताल में अमृतपुर से जमरानी तक सड़क पर चल रहे डामरीकरण के काम के दौरान खनन के वाहनों द्वारा सड़क को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त किए जाने का आरोप लगाते हुए स्थानीय प्रभावित जनता ने विरोध जताया है।

डेहरा के प्रधान मनोज चनौतिया ने बताया कि सड़क पर सोलिंग का काम चल रहा है, जिस पर खनन की गाड़ियां लगातार दौड़ रही हैं और सड़क को खराब कर रही हैं। इसके अतिरिक्त, डेहरा के पास सड़क चौड़ीकरण का कार्य भी प्रगति पर है। उनका कहना है कि खनन वाहनों के भारी आवागमन से डामरीकरण के लिए तैयार की जा रही सड़क पूरी तरह से टूट रही है। सड़क के काम के चलते जगह-जगह मिट्टी और रोड़ा (कंकड़/पत्थर) डाला गया है, जिससे सिर्फ एक गाड़ी के निकलने लायक जगह बचती है। खनन की गाड़ियों के कारण ग्रामीणों और पैदल चलने वालों को, खासकर स्कूल के बच्चों को, आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने खनन को पूर्ण रूप से बंद करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांग पूरी नहीं हुई और खनन को तुरंत बंद नहीं किया गया, तो समस्त जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी सड़कों पर उतरकर धरना-प्रदर्शन करेंगे।

डेहरा के पास सड़क के हाल। ● अमृत विचार

निविदा के आधार पर होगी लकड़ी की आपूर्ति

भीमताल : कार्य में पारदर्शिता लाने के लिए नगर पालिका इस बार अलाव के लिए निविदा आमंत्रित करेगी। इस बात की जानकारी पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा ने दी। बताया कि पूर्व में नगर पालिका के द्वारा अपने स्तर से ही लकड़ी की आपूर्ति करने का प्रावधान था जिसके चलते विवाद होता था। कार्य में पारदर्शिता लाने के लिए इस बार विभिन्न ठेकेदारों से निविदा आमंत्रित की गई है। बता दें कि ठंड को देखते हुए स्थानीय व्यापारियों और निवासियों ने मंडल अध्यक्ष भाजपा मनोज भट्ट से लकड़ी की व्यवस्था कराने की मांग की थी। इस मांग के तहत जब नगर पालिका अध्यक्ष से संपर्क किया गया तब उन्होंने जानकारी दी कि निविदा के तहत कार्यवाही की जा रही है। सप्ताह भर के भीतर अलाव जला दिए जाएंगे।

नशामुक्त भारत अभियान के तहत दिलाई शपथ

संवाददाता, हल्दूचौड़

अमृत विचार: लाल बहादुर शास्त्री राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्दूचौड़ में नशा उन्मूलन प्रकोष्ठ की ओर से प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. सीमा श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन में नशामुक्त भारत अभियान के तहत शपथ दिलाई गई। इस दौरान क्विज और निबन्ध प्रतियोगिताओं के साथ ही नशीली दवाओं के दुरुप्रयोग पर जनमानस में जनजागरुकता को रैली निकाली गई। प्राचार्य प्रो. डॉ. सीमा श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को नशामुक्त भारत अभियान के तहत शपथ दिलाई। महाविद्यालय की वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. अनीता सिंह, प्रोफेसर डॉ. ललित मोहन पाण्डे, डॉ. गीता तिवारी और नशा उन्मूलन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. हेम चन्द्र पाण्डे ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। क्विज और निबन्ध प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. गीता तिवारी पाण्डे, डॉ. मनोज कुमार जोशी, डॉ. गीता भट्ट और डॉ. कमला पाण्डे रहे। कार्यक्रम का विधिवत संचालन नशा उन्मूलन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. हेम चन्द्र पाण्डे ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी और कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकायों के विद्यार्थी और छात्र संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने ऑनलाईन माध्यम से नशामुक्त भारत अभियान शपथ प्रमाण पत्र प्राप्त किए।

एलबीएस महाविद्यालय में नशा मुक्तभारत की शपथ दिलाते प्राचार्य प्रो. डॉ. सीमा श्रीवास्तव।

तंबाकू के नुकसान की जानकारी दी

कालाढूंगी : राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज कालाढूंगी में तंबाकू मुक्त युवा अभियान के तहत 3.0 राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता हरेंद्र कठायत ने वर्तमान नशे के प्रयोग से होने वाली हानियों एवं कोटपा एक्ट 2003 के बारे में बताया। एनटीसीपी काउंसलर डॉ. मेघा परवल ने बताया कि नशे में ग्रस्त व्यक्ति को काउंसिलिंग के माध्यम से पुनः समाज की मुख्य धारा से कैसे जोड़ा जा सकता है। बेस चिकित्सालय हल्द्वानी के मनोचिकित्सक डॉ. हिमांशु कांडपाल द्वारा मानसिक अवसाद के विभिन्न कारकों पर जानकारी दी। डॉ. राजेश ढकरियाल टीवी कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की।

नन्हे बच्चों के साथ मनाया नैनीताल का स्थापना दिवस

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: आशीर्वाद वूमेंस क्लब ने मल्लीताल स्थित प्राइमरी विद्यालय एवं आगनबाड़ी केंद्र में नन्हे-मुन्ने बच्चों के बीच केक काटकर नैनीताल का जन्म दिवस धूमधाम के साथ मनाया। इस दौरान नन्हें-मुन्ने बच्चों ने जब केक खाया उनके चेहरे पर मुस्कान भर गई। आशीर्वाद वूमेंस क्लब की रेखा त्रिवेदी ने बच्चों की अल्फाबेट बुद्धि देखकर उन्हें बहुत सरल भाषा में नैनीताल के बारे में जानकारी दी।

उसके बाद बच्चों से नैनीताल के जन्म दिवस पर लिखने को कहा गया। जिसे बच्चों ने बखूबी से लिखा। बच्चों को केक और कोल्ड ड्रिंक वितरित की गई। 18 नवंबर 1841 को नैनीताल को एक अंग्रेज व्यापारी पी बैरन ने विश्व की नजरों में लाने का काम किया था। रेखा कंसल, शोभा गुप्ता, रेखा त्रिवेदी, मोनिका शाह, निधि कंसल, वर्षा, अंजली श्रीवास्तव, मानसी गर्ग, नीलू एल्हेंस, गीता साह आदि उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस मनातीं क्लब की महिलाएं।

कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो. रावत को मिला उत्तराखंड गौरव सम्मान

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिवान एस. रावत को रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट, नवोन्मेषी व दीर्घकालिक योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'उत्तराखंड गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें रविवार, 16 नवंबर को लखनऊ में आयोजित हुए उत्तराखण्ड महोत्सव 2025 में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदान किया।

सम्मान प्रो. डीएस रावत के बहुआयामी शैक्षणिक व्यक्तित्व, शोध कार्यों और विज्ञान की प्रगति में दिए गए अमूल्य योगदान की सशक्त स्वीकृति माना जा रहा है।

प्रो. डीएस रावत।

प्रो. डीएस रावत ने औषधीय रसायन के क्षेत्र में उल्लेखनीय शोध कार्य किया है। पार्किंसन रोग के उपचार को उनकी टीम द्वारा विकसित एक महत्वपूर्ण मॉलिक्यूल को हाल ही में फेज-I मानव क्लीनिकल ट्रायल में सफलता मिली है, जो किसी भारतीय अकादमिक संस्थान द्वारा यूएस-एफडीए अनुमोदन प्राप्त करने वाली अत्यंत दुर्लभ उपलब्धियों में से एक है। उनके नाम 175 से अधिक शोध पत्र, अनेक पेटेंट और अंतरराष्ट्रीय दर्जे की प्रयोगशाला उपलब्धियां दर्ज हैं। इससे पहले प्रो. रावत को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी द्वारा फेलो चुना जा चुका है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 पर भी उन्हें विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मानित किया गया था।

इन सम्मानों ने प्रो. रावत के शोध कार्य को राष्ट्रीय वैज्ञानिक समुदाय में विशेष प्रतिष्ठा प्रदान की है। कुलपति के रूप में प्रो. रावत ने कुमाऊं विश्वविद्यालय को न सिर्फ शैक्षणिक दिशा में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में उनका योगदान उल्लेखनीय है। सम्मान प्राप्त करने के बाद प्रो. डी एस रावत ने कहा कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पूरे कुमाऊं विश्वविद्यालय परिवार की उपलब्धि है।

अस्पताल में सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग

भीमताल: भीमताल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मानकों के अनुरूप व्यवस्था नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों के साथ-साथ आसपास की जनता को भी इलाज के लिए मैदानी क्षेत्र का रुख करना पड़ रहा है। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल भीमताल के उपाध्यक्ष हिमांशु रौतेला ने बताया कि सुविधा नहीं होने के कारण अस्पताल केवल रेफर केंद्र बनकर रह गया है।

उन्होंने भीमताल में मानकों के अनुरूप चिकित्सकों की नियुक्ति और अन्य सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है। अस्पताल के पास संभव है कि सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भूमि न हो इसके लिए मल्लीताल में विकास भवन और उसके समीप सिडकुल में काफी भूमि उपलब्ध है। जिस कारण अस्पताल वहां शिफ्ट होता है तो वाहनों की पार्किंग भी उपलब्ध हो जाएगी।

भीमताल की बहुप्रतीक्षित पार्किंग का निर्माण आज से

संवाददाता, भीमताल

- **जिला विकास प्राधिकरण आज से प्रारंभ करेगा भीमताल में पार्किंग निर्माण कार्य, 1.08 करोड़ की लागत से बनेगी भीमताल की पार्किंग**

अमृत विचार: भीमताल की जनता के लिए खुशखबरी है। तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा अल्मोड़ा में आयोजित विधानसभा के विशेष सत्र में की गई घोषणा के अंतर्गत भीमताल में पार्किंग निर्माण का कार्य आज से प्रारंभ होने जा रहा है। 1.08 करोड़ से बनने जा रही इस पार्किंग में 100 से 150 छोटी गाड़ियों के पार्किंग की व्यवस्था होगी। भीमताल के मल्लीताल स्थित झंझरी क्षेत्र में बनने वाली यह पार्किंग, भीमताल झील के मुख्य स्रोत और कैचमेंट एरिया के ऊपर प्रथम फेज में लेयर डालकर तैयार की जा रही है।

पर्यटन के क्षेत्र में भीमताल लगातार नई ऊंचाइयां हासिल कर रहा है, लेकिन नगर में केवल एक ही पार्किंग होने के कारण आने वाले पर्यटकों को अपने वाहन खड़े करने में भारी परेशानी झेलनी पड़ती थी। प्रारंभिक चरण में विभाग ने तलितिाल डांठ क्षेत्र में भूमि चयन किया था, लेकिन कुछ कारणों से वहां पार्किंग नहीं बन सकी। भाजपा जिला मंत्री मनोज भट्ट, धन सिंह रावत, उमेश पलड़िया, अनिल चनौतिया, कार्तिक कनार्टक, पूर्व जिला मंत्री दिनेश सांगुड़ी, व्यापार मंडल अध्यक्ष पंकज जोशी आदि ने पार्किंग निर्माण के लिए सीएम धामी का आभार जताया है।

सिटी ब्रीफ

जवानों को शस्त्र अभ्यास कराया

लालकुआं : पुलिस कर्मियों में अनुशासन, फिटनेस के साथ ही स्मार्ट पुलिसिंग के लिए कोतवाली लालकुआं में परेड के साथ-साथ शस्त्र हैंडलिंग का अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी लालकुआं दीपशिखा अग्रवाल एवं कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ब्रजमोहन सिंह राणा ने पुलिस कर्मियों को परेड के साथ-साथ शस्त्राभ्यास कराया गया। इस मौके पर पुलिस के जवानों को शस्त्र खोलने एवं बंद करने के टिप्स दिए गए तथा फिटनेस के महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

श्री गुरु गुरुतेग बहादुर के शहीदी दिवस पर व्याख्यान आज

हल्द्वानी : पर्यटन विभाग की ओर से एक भारत श्रेष्ठ भारत की तर्ज पर श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सायं 4 से 7 बजे तक एमबीपीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम में होगा। इसके मुख्य अतिथि सांसद अजय भट्ट रहेंगे। यह जानकारी देते हुए जिला पर्यटन विकास अधिकारी अतुल भंडारी ने बताया कि यह कार्यक्रम गुरु तेग बहादुर के प्रेरक जीवन, त्याग, मानवाधिकारों की रक्षा तथा राष्ट्र की एकता के प्रति उनके अद्वितीय योगदान को समर्पित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव राज्यपाल करेंगे। इसमें सिख समुदाय के विद्वान गुरु के जीवन, दर्शन एवं उनके ऐतिहासिक बलिदान पर विशेष व्याख्यान पेश करेंगे।

बागजाला के ग्रामीणों का धरना जारी

हल्द्वानी : बागजाला के ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन धरना 93वें दिन भी जारी रहा। ग्रामीणों ने मालिकाना अधिकार देने, निर्माण कार्यों पर लगी रोक हटाने, पंचायत चुनाव के अधिकार बहाल करने, विकास कार्य शुरू करने और पेयजल योजना शुरू करने सहित कुल आठ सूत्रीय मांगों को लेकर संघर्ष किया। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। सभा का संचालन अखिल भारतीय किसान महासभा बागजाला के सचिव वेद प्रकाश ने किया। वक्ताओं ने गांव की समस्याओं पर गंभीर चिंता जताते हुए सरकार से समाधान की मांग की और चेतावनी दी कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन में अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनंद सिंह नेगी, भाकपा माले के जिला सचिव कैलाश पांडे, हरक सिंह बिष्ट, पुष्पा देवी, तुलसी देवी, वेद प्रकाश, भोला सिंह, गोकुल प्रसाद, प्रेम सिंह नयाल, दिनेश चंद्र, मुन्नी देवी, रेशमा, अनवरी, प्रेम राम, नसीम अहमद रहे।

वन भूमि पर बसे गांवों को राजस्व ग्राम करें घोषित

जिला वन अधिकार समन्वय समिति ने की आमसभा, समिति के पदाधिकारियों ने उप जिलाधिकारी कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, हल्द्वानी

बुद्ध पार्क में जिला स्तरीय वन अधिकार समन्वय समिति द्वारा आयोजित जन पंचायत को संबोधित करते वक्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार : तिकोनिया स्थित बुद्ध पार्क में वनाधिकार समन्वय समिति ने जिले में वन भूमि पर बसे गांवों को राजस्व ग्राम घोषित करने को लेकर आम बैठक हुई। इस दौरान पदाधिकारियों ने वन भूमि पर बसे गांवों को वन अधिकार कानून-2006 के अंतर्गत राजस्व गांव घोषित करने की मांग की। इसके बाद समिति के पदाधिकारियों ने एसडीएम कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारी गर्ब्याल को ज्ञापन सौंपा।

आम बैठक के दौरान पदाधिकारियों ने बताया कि साल 2006 में वन भूमि पर आश्रित समुदायों के साथ हो रहे अन्याय के समाधान के लिए वन अधिकार अधिनियम बनाया गया था। लेकिन 19 साल बीत जाने के बाद भी प्रदेश में अभी तक इसे लेकर कोई कार्य नहीं हुआ है। बताया कि उत्तराखंड 71 प्रतिशत वन क्षेत्र के साथ देश का सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला राज्य है। जिसमें वनाश्रितों की संख्या भी अधिक है। लेकिन जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों में एक्ट के प्रति उदासीनता के कारण प्रदेश में सालों से वन आश्रित समुदाय को अर्हता पूरी करने के बावजूद कानून का लाभ नहीं मिल पा रहा है। समिति की प्रमुख मांगों में डीएम नैनीताल की ओर से बीते साल जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की रिपोर्ट के आधार पर बिंदुखत्ता राजस्व ग्राम की अधिसूचना जारी किए जाने, बागजाला सहित अन्य गांवों के लंबित दावों को उपखंड और जिला स्तरीय समितियों से स्वीकृत कर शीघ्र राजस्व ग्राम बनाए जाने सहित जिन क्षेत्रों में अभी भी वनाधिकार समितियों का गठन नहीं हुआ है, वहां शीघ्र वनाधिकार समितियों का गठन किए जाने की मांग की। समिति ने अवगत कराया कि साल 2010 से 2013 के दौरान जिले में बौडखत्ता, खमारीखत्ता, तुमडियाखत्ता, कुंभकडारखत्ता, देवीचौड़खत्ता, आमपोखरा, कुआंकडारखत्ता, ज्वालावन, फाटोखत्ता, आमपोखरा सहित अन्य खत्तों के दावे उपखंड या जिला स्तरीय समितियों के अधिनियमों के प्रावधानों के खिलाफ निरस्त किए गए हैं। इन दावों की पुनः जांच की जाए और आपत्तियों के निस्तारण के लिए संबंधित ग्राम स्तरीय वनाधिकार समितियों को वापस भेजा जाए। आम सभा के दौरान वन अधिकार संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष तरुण जोशी ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम इतना सरल कानून है कि इससे बहुत सरलता से वन भूमि के दावे स्वीकार होते हैं। पूरे देश में लाखों लोगों के दावे स्वीकृत हुए हैं। केवल उत्तराखंड ऐसा राज्य हैं, जहां दावे स्वीकृत होने के बाद भी गांवों को अधिकार पत्र नहीं मिले हैं।

जिला वन अधिकार समन्वय समिति के संयोजक बसंत पांडे ने कहा कि उत्तराखंड जब अलग हुआ था, तब राज्य में वन भूमि का क्षेत्र 68 प्रतिशत था, जो वर्तमान में बढ़कर 72 प्रतिशत हो गया है। कहा कि पर्वतीय जिलों में 88 प्रतिशत वन क्षेत्र हैं, और कृषि योग्य भूमि मात्र 5 प्रतिशत शेष है। वन अधिकार के माध्यम से पर्वतीय जिलों में भी दावे का अधिकार मिल सकता है।

बैठक के दौरान ये प्रमुख लोग रहे मौजूद

आम बैठक के दौरान मोहन सिंह धामी, दिनेश चंद्र भट्ट, हीरा सिंह, यशपाल आर्या, अर्जुन सिंह बिष्ट, किशन सिंह, कुंदन सिंह मेहता, रतन सिंह, प्रमोद, रमा सम्मल, नीमा देवी, चंद्रकला, सुनीता रैक्वाल, शोभा बिष्ट, कमला बिष्ट, मीना देवी, कलावती देवी, माया देवी, कैलाश पांडे सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

राज्य विज्ञान महोत्सव का आगाज आज

हल्द्वानी, अमृत विचार : जिले में आज (बुधवार) से राज्य विज्ञान महोत्सव का आयोजन खालसा नेशनल बालिका इंटर कॉलेज में किया जा रहा है। जिसका समापन 21 नवंबर को होगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई।

मुख्य शिक्षाधिकारी गोविंद जायसवाल ने बताया कि राज्य स्तरीय महोत्सव में 13 जिलों से 500 बाल वैज्ञानिक और उनके मार्गदर्शक के रूप में 150 शिक्षक प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों के समग्र विकास और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने में बहुत उपयोगी होती हैं। समन्वय समिति ने आवास, भोजन, मंच, टेंट, साज-सज्जा, पुरस्कार, मीडिया और प्रचार-प्रसार जैसी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिहर्सल भी की गई। सीईओ ने कहा कि बाल वैज्ञानिकों के उत्साहवर्धन के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे ताकि हर प्रतिभागी अपने नवाचारों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत कर सके। इस मौके पर खंड शिक्षाधिकारी हल्द्वानी तारा सिंह, एमबी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डीके पंत, खालसा स्कूल की प्रधानाचार्या, जिला विज्ञान समन्वयक डॉ. दिनेश जोशी सहित कई शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कालाढूंगी में निशुल्क नेत्र शिविर में मरीज की आंखों की जांच करते डॉक्टर।

शिविर में 45 लोगों की आंखों की हुई जांच

कालाढूंगी, अमृत विचार : मंगलवार को गुलजारपुरबंकी में निशुल्क नेत्र शिविर में 45 लोगों की आंखों की जांच की गई। जिला पंचायत सदस्य अनीता आर्या व सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद कुमार द्वारा अपने कार्यालय में ज्योति नेत्रालय के सहयोग से निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉक्टर राजेंद्र मिश्रा, प्रियांशु, उदय द्वारा मरीजों की आंखों की जांच, दवाइया प्रदान किए गए। सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद कुमार ने कहा शिविर से ग्रामीणों को नियमित नेत्र देखभाल, परीक्षण के महत्व और धूप से बचाव के बारे में जागरूक करने में मदद मिली। जिला पंचायत सदस्य अनीता आर्या ने कहा कि शिविर में जरूरतमंदों मरीजों की आंखों की विस्तृत जांच की गई।

बैंक में प्लेसमेंट की जानकारी दी

रामनगर: पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कैरियर काउंसिलिंग प्रकोष्ठ द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक कैरियर काउंसलिंग प्रभारी डॉ.अनुराग श्रीवास्तव ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. एमसी.पाण्डे ने की। उन्होंने कैरियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को छात्रोपयोगी बताया। मुख्य वक्ता एनआईआईटी लिमिटेड के प्रशिक्षक वैभव कुमार ने एचडीएफसी बैंक में असिस्टेंट मैनेजर पद की भर्ती एवं आवश्यक अहर्ताओं को विद्यार्थियों को बताया। बताया कि लिखित परीक्षा व साक्षात्कार में सफल होने के उपरान्त पैंतालिस दिन की ट्रेनिंग होगी तथा साढ़े चार लाख वार्षिक पैकेज की प्राप्ति होगी। डॉ. सिराज अहमद, डॉ. लोतिका अमित, डॉ.अनुराग श्रीवास्तव, डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल, डॉ. डीएन जोशी रहे।

नशे को जड़ से खत्म करने का लिया संकल्प

संवाददाता, हल्द्वानी

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नशे के खिलाफ शपथ लेते बच्चे। ● अमृत विचार

अमृत विचार : नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ पर मंगलवार को एमबीपीजी कॉलेज में जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग की ओर से विविध जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर छात्रों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और शिक्षकों ने नशे को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लेते हुए सामूहिक शपथ ग्रहण की।

कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश दिया गया। इस दौरान कॉलेज में क्विज, निबंध लेखन और पोस्टर बनाने सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अध्यक्ष, जिला पंचायत दीपा दरमवाल ने कहा कि देश की प्रगति के लिए युवा पीढ़ी का नशे से दूर रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नशामुक्त उत्तराखंड ही नशामुक्त भारत की मजबूत नींव तैयार करेगा। विधायक लालकुंआ डॉ. मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि नशा समाज के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है, जिससे परिवार प्रभावित होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करने और नशे से दूर रहने का आह्वान किया। प्रदेश सरकार में दायित्वधारी शांति महरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं को सशक्त बनाने और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय अभियान शुरू किया गया था। उन्होंने विशेष रूप से युवतियों में बढ़ती नशा प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है और हमें अपनी संस्कृति को सुरक्षित रखना है। दायित्वधारी नवीन लाल वर्मा ने कहा कि नशा परिवार एवं समाज दोनों के लिए अभिशाप है, जिसे सामूहिक प्रयासों और व्यापक जागरूकता से ही मिटाया जा सकता है। वरिष्ठ पुलिस उप निरीक्षक आरती सहदेव ने नशे के दुष्परिणामों और कानूनी पहलुओं की जानकारी दी। इस मौके पर मेयर गजराज सिंह बिष्ट, जिला समाज कल्याण अधिकारी विश्वनाथ गौतम, कॉलेज प्रबंधन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, शिक्षक और स्कूली बच्चों सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दीपक रावत स्वर्ण पदक विजेता (दाहिने से पहले)। ● अमृत विचार

नैनीताल के दीपक रावत ने जीता स्वर्ण पदक

हल्द्वानी, अमृत विचार : पैरालिंपिक कमेटी ऑफ इंडिया की ओर से 11 से 18 नवंबर तक महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज की त्रिशूल शूटिंग रेंज में आयोजित 6वीं नॉर्थ जोन निशानेबाजी प्रतियोगिता में नैनीताल के दीपक रावत ने 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। इस प्रतियोगिता में 6 राज्य और 4 केंद्र शासित प्रदेशों के करीब 1500 पैरा निशानेबाजों ने हिस्सा लिया। कोच व नैनीताल राइफल संघ अध्यक्ष त्रिलोक सिंह कालाकोटी ने बताया कि दीपक पिछले 6 महीने से मेहनत कर रहे थे। दीपक ने पैरालंपिक कमेटी व एनआरएआई दोनों की नेशनल चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

दर्जा राज्य मंत्री ने किया नंधौर का दौरा

संवाददाता, गौलापार

नंधौर अभ्यारण्य के दौरे पर पहुंचे जलागम उपाध्यक्ष शंकर कोरंगा।। ● अमृत विचार

अमृत विचार: दर्जा राज्य मंत्री शंकर कोरंगा ने मंगलवार को नंधौर अभ्यारण्य का दौरा किया। उन्होंने 70 ग्राम सभाओं को अभ्यारण्य से जोड़ने वाले मार्गों को जल्द खोलने की कवायद तेज़ करने की बात कही। वर्ष 2012-13 में स्थापित नंधौर अभ्यारण्य आज विश्व पटल पर अपनी एक नई पहचान बना रहा है। यह सेंचुरी अब पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र बन चुकी है।

उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र से जुड़ा होने के कारण, यहां की कुमाउंनी दालें, फल, सब्जी, गेहूं, जौ, मड़वा और भांग की चटनी बेहद मशहूर हैं। इसी पहचान को देखते हुए श्री कोरंगा ने नंधौर अभ्यारण्य के कई स्थानों जिनमें सुमन थापला मंदिर और मोरनोला मझोला मार्ग शामिल हैं, का निरीक्षण किया। उन्होंने घोषणा की कि वह अनेकों गांवों को स्वरोजगार योजनाओं से जोड़ने और पलायन को रोकने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री से वार्ता करेंगे। वह सीएम को एक दिन के लिए नंधौर अभ्यारण्य क्षेत्र में आने का आमंत्रण देंगे। दीपक चौसाली, बीडीसी मनमोहन गड़कोटी, योगी मेहरा, नितेश बुघानी, राजेंद्र जांगी, पूर्व जिपं. सदस्य प्रदीप फर्त्याल, पूर्व प्रधान नेत्र सिंह बिष्ट, ग्राम प्रधान नयागांव कटान गजेंद्र कुमार, विनोद बजेठा, नेचर गाइड विनोद चौसाली, उमेश मेवाड़ी, प्रेम मेवाड़ी रहे।

पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप में सोनू ने मारी पदक की हैट्रिक

संवाददाता, हल्द्वानी

पैरा तैराक सोनू रावत। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नेशनल पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप में शहर का नाम रोशन करते हुए खटीमा के पैरा तैराक सोनू रावत ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रतियोगिता में दो ब्रॉन्ज (कांस्य) और एक सिल्वर (रजत) मेडल अपने नाम किए। यह चैंपियनशिप हैदराबाद में आयोजित हुई, जिसमें देशभर से प्रतिभाशाली पैरा तैराकों ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता के विभिन्न इवेंट्स में दमदार प्रदर्शन करते हुए सोनू रावत ने अपनी मजबूत तैयारी और जज्बे का परिचय दिया। कठिन मुकाबलों के बीच उन्होंने लगातार बेहतर समय दर्ज करते हुए पदक हासिल किए। सोनू रावत की इस उपलब्धि से उनके कोच और परिवार में खुशी का माहौल है। कुमाऊं महिला सहायक खेल निदेशक रशिका सिद्दीकी और जिला क्रीडा अधिकारी निर्माला पंत सहित स्थानीय खेल प्रेमियों ने भी उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने इस जीत को प्रेरणादायक बताया।

अंडर-17 फुटबॉल मैच आज से शुरू

हल्द्वानी: शिक्षा विभाग नैनीताल की ओर से आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय विद्यालयी अंडर-17 बालक फुटबॉल प्रतियोगिता आज बुधवार से शुरू होगी। मिनी स्टेडियम में होने वाली प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों की टीमें भाग लेंगी।

बेसिक शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ट्रायल के बाद प्रदेश की अंडर-14 बालक वर्ग की फुटबॉल टीम का चयन कर लिया गया है। यह नवगठित टीम राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी। उत्तराखंड की टीम मध्यप्रदेश में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। राष्ट्रीय प्रतियोगिता 1 दिसंबर से 6 दिसंबर तक आयोजित होगी। चयनित अंडर-14 टीम में राज्यभर के प्रतिभावान खिलाड़ियों को शामिल किया गया।

भ्रमण | गढ़वाल कमिश्नर विनय कुमार पांडे ने पराग फार्म और खुरपिया क्षेत्र का निरीक्षण भी किया

नेपा फार्म को इंडस्ट्रियल हब बनाने की कवायद को पंख लगाने की तैयारी

संवाददाता, रामनगर

गढ़वाल कमिश्नर की आगवानी करते रामनगर के एसडीएम प्रमोद कुमार।

अमृत विचार: गढ़वाल कमिश्नर विनय कुमार पांडे के मंगलवार को रामनगर पहुंचे। यहां एसडीएम प्रमोद कुमार ने उनका स्वागत किया। पत्रकारों से आम बातचीत में उन्होंने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य काशीपुर के पास स्थित नेपा फार्म का स्थलीय निरीक्षण करना है।

उन्होंने कहा यह क्षेत्र औद्योगिक विकास की दृष्टि से अत्यंत संभावनाशील है और इसे लेकर सरकार गंभीरता से काम कर रही है। बताया कि इससे पहले उन्होंने पंतनगर के पास स्थित पराग फार्म और खुरपिया क्षेत्र का भी निरीक्षण किया। बता दें कि केंद्र सरकार ने खुरपिया क्षेत्र को अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत इंडस्ट्रियल एस्टेट के रूप में घोषित किया है। इसके विकास कार्यों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। उन्होंने बताया कि खुरपिया साइट पर उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत बैठक की गई है, जिसमें औद्योगिक निवेश, बुनियादी ढांचे और रोजगार अवसरों पर गहन चर्चा की गई। अब टीम का फोकस रामनगर से कुछ किमी दूर स्थित नेपा फार्म पर है। इस क्षेत्र की उपलब्ध भूमि का सर्वोत्तम उपयोग तय करने के लिए स्थलीय निरीक्षण किया जा रहा है। कमिश्नर पांडे ने कहा कि यह दौरा सिर्फ निरीक्षण भर नहीं, बल्कि क्षेत्र के औद्योगिक भविष्य का रोडमैप तैयार करने की दिशा में बड़ा कदम है। बताया कि फिलहाल नेपा फार्म क्षेत्र में तीन-चार बड़े विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अंतिम निर्णय स्थल निरीक्षण, पर्यावरणीय व्यावहारिकता और विशेषज्ञों की राय के आधार पर ही लिया जाएगा। निरीक्षण के बाद पूरी रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी, जिसके आधार पर आगे का रास्ता तय होगा।

प्रदेश में बढ़ते भालू के हमलों पर जताई चिंता

प्रदेश में लगातार हो रही भालू के हमलों की घटनाओं को लेकर भी कमिश्नर पांडे ने चिंता व्यक्त की, उन्होंने बताया कि फॉरेस्ट डिपार्टमेंट लगातार इन घटनाओं को गंभीरता से ले रहा है। पौड़ी जिले के थलीसैण क्षेत्र का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले महीने कई घटनाएं हुई थीं, जिनमें एक भालू को पकड़ा भी गया। उन्होंने कहा कि जंगलों में भोजन की कमी होने पर टाइगर या भालू जैसे वन्यजीव बस्ती की ओर रुख करते हैं, फॉरेस्ट गार्ड गांवों को लगातार सचेत करते रहते हैं। वहीं राजस्व विभाग द्वारा समय-समय पर एडवाइजरी भी जारी की जाती है। उन्होंने कहा कि ये घटनाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विषय को बहुत गंभीरता से लिया है। दो दिन पूर्व ही सचिव वन को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि ऐसी घटनाओं में प्रभावित परिवारों को नियम अनुसार त्वरित मुआवजा मिले।

एडवेंचर टूरिज्म का नया आयाम

औली में होने वाले विंटर गेम्स को लेकर कमिश्नर ने कहा कि उत्तराखंड एडवेंचर टूरिज्म के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि हाल ही में कुमाऊं क्षेत्र में बड़ी बाइकर रैली आयोजित हुई थी, जिसने नए पर्यटन अवसरों के द्वार खोले, इसी तरह विंटर गेम्स को भी और अधिक भव्य व अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने की तैयारी की जा रही है, ताकि उत्तराखंड का नाम वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर और मजबूत हो। गढ़वाल कमिश्नर का यह दौरा औद्योगिक विकास, सुरक्षा, पर्यटन और धार्मिक आयोजन चारों मोर्चों पर बड़े बदलावों का संकेत देता है।

थाना तल्लीताल में परेड करती पुलिस। ● अमृत विचार

फिट रहने को सड़क पर उतरी पुलिस

हल्द्वानी, अमृत विचार : एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर जनपद के सभी थानों में प्रत्येक मंगलवार को जवानों की फिटनेस बढ़ाने और स्मार्ट पुलिसिंग को सुदृढ़ करने हेतु परेड तथा शस्त्र हैंडलिंग अभ्यास आयोजित किया जा रहा है। मंगलवार को जिले के कोतवाली हल्द्वानी, लालकुआं, रामनगर, मल्लीताल, कालाढूंगी, मुखानी, काठगोदाम, चोरगलिया, तल्लीताल, भीमताल, मुक्तेश्वर व बेतालघाट सहित सभी थानों में थाना प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों को मंगलवार की परेड एवं शस्त्र हैंडलिंग का अभ्यास कराया गया। हल्द्वानी क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. जगदीश चंद्र और पुलिस अधीक्षक नगर मनोज कुमार कत्याल ने परेड में प्रतिभाग कर जवानों का मनोबल बढ़ाया और फिटनेस को लेकर उपयोगी सुझाव दिए। इसके अतिरिक्त क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी नितिन लोहनी और क्षेत्राधिकारी लालकुआं दीपशिखा अग्रवाल ने भी क्रमशः मुखानी व लालकुआं में जवानों को परेड एवं शस्त्राभ्यास कराया। परेड के उपरांत पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. जगदीश चंद्र ने कोतवाली हल्द्वानी भोजनालय का निरीक्षण कर जवानों के साथ भोजन का स्वाद लिया और प्रतिदिन और अधिक गुणवत्ता युक्त भोजन तैयार करने के निर्देश दिए।

सिटी ब्रीफ

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी

गदरपुर : साइबर अपराध का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। एक बार फिर साइबर ठगो ने ऑनलाइन ट्रेडिंग में पैसा निवेश करने के नाम पर एक युवक को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित युवक को मोटे मुनाफे का झांसा देकर लाखों रुपए की धोखाधड़ी की गई। ऐसे में पीड़ित ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। अब पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की तहकीकात में जुटी है।

रोबिन हंस निवासी ग्राम गोपाल नगर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि करीब 7 माह पूर्व किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा उसे फोन करके ऑनलाइन ट्रेडिंग में पैसा निवेश करने की बात की गई। जब उसके द्वारा मना किया गया तो उसे मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया गया। आरोपियों के झांसे में आकर रॉबिन ने जब शुरुआत में 10,000 हजार रूपये निवेश किये तो आरोपियों ने 10,000 के बदले 13,000 हजार रुपये लौटा दिए। रॉबिन का आरोप है कि आरोपियों के चंगुल में फंसने के बाद उसने 02 अलग-अलग बैंक खातों मे करीब 09 लाख रूपये डाल दिये। काफी समय बीत जाने के बाद जब रोबिन को न तो मुनाफा मिला और न ही रकम वापस मिली तो उसे अपने साथ ठगी होने का एहसास हुआ। रॉबिन का कहना है कि दोनों युवकों ने अपना नाम अजय उर्फ युवराज व ओमवीर निवासी शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश बताया। जब उनकी जानकारी जुटाना का प्रयास किया तो उसे पता लगा कि अजय उर्फ़ युवराज ओमवीर का पुत्र है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रेन बसेरों में की जाए साफ-सफाई और बिजली-पानी की व्यवस्था

डीएम ने शीतलहर को लेकर दिए निर्देश- शहर में अलाव के लिए चिह्नित करें स्थान

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने अधिकारियों से कहा कि वे अभी से शीतलहर की तैयारियां कर लें। साथ ही सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने नगर निकाय अधिकारियों से कहा कि वे रेन बसेरों में साफ सफाई, बिजली, पानी, बिस्तर, कंबल और हीटर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही अलावा के लिए स्थान चिह्नित करने के भी निर्देश दिए।

मंगलवार को शीतलहर की तैयारियों की बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि शीतलहर के दौरान अलाव जलाए जा रहे स्थलों की जिओ टैगिंग फोटोग्राफ्स निर्धारित प्रारूप पर आपदा प्रबंधन कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अलाव जलाए जाने वाले स्थान, बिजली की लाइन, ट्रांसफार्मर, कूड़ा गोदाम के समीप न हो अन्यथा आग लगने की संभावना हो सकती है। अलाव जलाए जाने के लिए वन विभाग से पेड़ों की जड़ें जो कि लंबे समय तक जलती हैं क्रय किए जाने के लिए नगर निकायों को निर्देश दिए।

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम नितिन सिंह भदौरिया। ● अमृत विचार

माल वाहक और ट्रॉलियों में लगाए जाएं रिफ्लेक्टर

रुद्रपुर : जिलाधिकारी ने वाहन दुर्घटनाओं को न्यून करने के लिए जनपद के सभी माल वाहक वाहनों, गन्ना की ट्रैक्टर ट्रॉलियों में उच्च गुणवत्ता के रिफ्लेक्टर लगाया जाना अनिवार्य करते हुए पुलिस प्रशासन व गन्ना विभाग द्वारा कार्रवाई की जाए। उन्होंने जनपद के औद्योगिक आस्थानों से संपर्क करते हुए सीएसआर के माध्यम से रिफ्लेक्ट, साइनेज की व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए।

उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि जनपद के छात्रावास विद्यालय में रह रहे छात्र-छात्राओं के लिए कंबलों की व्यवस्था की जाए। आपदा प्रबंधन कार्यालय के निर्देशों का अनुपालन निजी विद्यालयों से कराया जाए। उन्होंने कहा कि उपजिलाधिकारी, पुलिस विभाग एवं पर्यटन विभाग विशेष रूप से ध्यान रखें कि हरिपुरा, बौर जलाशय में विदेशी पक्षी आते हैं व पर्यटक आते हैं। वहां के स्थानीय लोग पत्तों में पॉइजन डालकर चिड़ियों को खिलाते हैं वह उनका शिकार करते हैं। इस पर रोक लगाई जाए और विशेष रूप से इस पर शक्ति से कार्रवाई की जाए। चिकित्सालय में भर्ती मरीज के साथ आने वाले तीमारदारों के लिए अलाव की व्यवस्था की जाए। पशु विभाग जनपद के ग्रामीण एवं नगरी क्षेत्र में निराश्रित मवेशी के लिए शेल्टर की व्यवस्था की जाए।

ये अधिकारी रहे मौजूद

अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा, प्रभागीय वनाधिकारी तराई केंद्रीय यूसी तिवारी, मुख्य शिक्षा अधिकारी केएस रावत, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी उमाशंकर नेगी, जिला प्रोवेशन अधिकारी व्योमा जैन, सहायक आयुक्त श्रम अरविंद सिंह, ईई पेयजल सुनील जोशी, विद्युत राजीव चक्रवर्ती व अन्य अधिकारी वर्चुअल के माध्यम से जुड़े थे।

अंतरमहाविद्यालयी क्रिकेट में बना एमबीपीजी विजेता

हल्द्वानी, अमृत विचार। एमएस ग्राउंड गौलापार में आयोजित कुमाऊं विश्वविद्यालय अंतरमहाविद्यालयी क्रिकेट (पुरुष) प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में एमबीपीजी कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रुद्रपुर कॉलेज को 7 विकेट से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच में एमबीपीजी ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया।

निर्धारित 20 ओवरों में रुद्रपुर कॉलेज की टीम 105 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए एमबीपीजी कॉलेज की टीम ने मात्र 14 ओवर में 7 विकेट से जीत दर्ज कर ली। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हल्द्वानी के परितोष राणा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी ने विजेता टीम को बधाई देते हुए नॉर्थ जोन स्तर पर भाग लेने वाली टीम के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मैच में अंपायर की भूमिका राजेंद्र सिंह और विजय आर्य ने निभाई। कोच पवन मेहरा, जीवन भट्ट, हर सिंह, नवीन जोशी, प्रकाश बहुगुणा, प्रमोद शर्मा तथा चयनकर्ता दान सिंह कन्याल सहित कई खेलप्रेमी भी उपस्थित रहे। क्रिकेट मैच को लेकर खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

बुजुर्ग की मौत मामले में भतीजे ने कराया केस

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: लमगड़ा थाना क्षेत्र में बुजुर्ग महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत मामले मृतका के भतीजे द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। तहरीर के आधार पर थाना लमगड़ा में हत्या व लूटपाट का मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना के अनावरण के लिए पुलिस टीमें और एसओजी मामले की तफ्तीश में जुटी है। सांगड़ साहू सिजवाली गांव में गत 14 नवंबर की रात 60 वर्षीय गंगा देवी की रहस्यमयी मौत से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना के पांच दिन बाद मृतका के भतीजे संजय सिंह सिजवाली द्वारा मंगलवार अपराह्न थाना लमगड़ा में तहरीर सौंपी गई। तहरीर में अज्ञात व्यक्ति द्वारा वृद्धा की हत्या करने और लूटपाट करने के आरोप लगाएं है। पुलिस द्वारा तहरीर के आधार पर बीएनएस की धारा 103(1) व 309(4) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले में जांच और तेज कर दी है। हालांकि, तहरीर मिलने से पहले भी पुलिस गंभीरता से मामले की तफ्तीश में जुटी थी। घटना से जल्द पर्दा उठ सके, थाना लमगड़ा के अलावा थाना दन्या व धौलछीना के एसओ समेत एसओजी की टीम जांच में लगाई गई है। फिलहाल पुलिस व एसओजी को घटना से जुड़ी कोई भी ऐसे सबूत नहीं मिले है जिससे घटना का अनावरण हो सके। साथ ही पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। गुरुवार तक पीएम रिपोर्ट आने की संभावना है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आने से फिलहाल मामला उलझा हुआ है। उधर, सीओ गोपाल दत्त जोशी भी घटना के बाद मौके पर बने हुए हैं। पुलिस घटना से जुड़ें साक्ष्य संकलन के प्रयासों में जुटी है।

यह था मामला

अल्मोड़ा : लमगड़ा थाना क्षेत्र के सांगड़ साहु सिजवाली गांव में चौदह नवंबर की रात की साठ वर्षीय गंगा देवी पत्नी मोहन सिंह की संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। बुजुर्ग महिला का शव उसके बेड पर पड़ा मिला था। जो पंद्रह नंवबर की सुबह पड़ोसियों ने देखा था। उसके कानों से खून बह रहा था और गले में गहरे निशान भी थे। मृतका के गले में पहना हुआ गुलोबंद भी गायब था। 16 नंवबर की सुबह मृतका के बेटा रविंद्र जब चड़ीगढ़ से अपने घर पहुंचा उसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी गई थी।

> मृतका के भतीजे द्वारा मंगलवार को थाना लमगड़ा में तहरीर दी गई है। तहरीर के आधार पर हत्या व अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीमें मामले की हर एंगल से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। जिसके बाद घटना की सही जानकारी मिल पाएगी और उसके आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।
> **देवेंद्र पींचा**, एसएसपी अल्मोड़ा।

डेंटल चेयर का लोकार्पण किया

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : विधायक शिव अरोरा ने विधानसभा रुद्रपुर के तहत पुलिस लाइन रोड स्थित जिला सैनिक कल्याण भवन में विधायक निधि से स्वीकृत डेंटल चेयर की स्थापना की गई। वहीं विधायक अरोरा ने सैनिक कल्याण भवन में डेंटल चेयर का लोकार्पण किया।

मंगलवार को लोकार्पण के दौरान विधायक अरोरा ने कहा कि विगत काफी समय से सैनिक कल्याण भवन में सैनिको की मांग थी यहां डेंटल चेयर का अभाव है। इससे सैनिकों व उनके परिवारों को दांतों का ठीक प्रकार से इलाज नहीं मिल पा रहा है, जिसको देखते हुऐ उनकी मांग के अनुरूप जिला सैनिक कल्याण भवन में डेंटल चेयर की स्थापना की गई। इसके लगने से करीब 2500 से अधिक सैनिकों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

इस दौरान सैनिक कल्याण समिति के सदस्यों ने उनकी मांग पूरी होने पर विधायक अरोरा का आभार जताया। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) पवन रावत, कर्नल कोठारी, सूबेदार मेजर खड़क सिंह कार्की, पार्षद बीनू कुमार, ममता जीना, डॉ. अनु ग्रोवर, रूपा कोश्यारी, प्रकाश देऊपा, अशोक कुमार, अर्जुन कुमार, महेश मेहता आदि मौजूद रहे।

सैनिक कल्याण भवन में डेंटल चेयर का लोकार्पण करते विधायक अरोरा।

सड़क दुर्घटना में वृद्ध की मौत

खटीमा: बीती देर शाम बाईपास पर अज्ञात वाहन चालक एक वृद्ध साइकिल सवार को रौंदता चला गया। बुरी तरह से घायल वृद्ध को नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

उमुखुर्द निवासी मोले सिंह राणा (65) पुत्र मनोहर सिंह राणा सोमवार शाम करीब साढ़े आठ बजे साइकिल से बाईपास रोड को क्रॉस कर घर जा रहा था कि बाईपास पर तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने वृद्ध की साइकिल में टक्कर मार दी। जिससे वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को लोगों ने नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आमबाग क्लब ने द ग्रीन क्लब को हराया

- स्पोर्ट्स स्टेडियम, टनकपुर में वॉलीबॉल का आयोजन

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्पोर्ट्स स्टेडियम, टनकपुर में वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ स्टेडियम प्रभारी मुकेश शर्मा द्वारा किया गया। वॉलीबॉल प्रशिक्षक आशा पांडे ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 7 टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबलों में पहला सेमीफाइनल द ग्रीन क्लब और सैलानीगोठ के बीच खेला गया, जिसमें ग्रीन क्लब विजयी रहा। दूसरा सेमीफाइनल स्टेडियम स्टार्स और आमबाग क्लब के बीच हुआ, जिसमें आमबाग क्लब ने जीत दर्ज की। फाइनल मुकाबला द ग्रीन क्लब और आमबाग क्लब के बीच रोमांचक तरीके से खेला गया, जिसमें आमबाग क्लब ने 2-1 से विजय हासिल की और प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण पूर्व पालिकाध्यक्ष एवं भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हर्षवर्धन सिंह रावत द्वारा किया गया। उन्होंने विजेता व उप विजेताओं को पुरस्कार दिए। इस दौरान फुटबॉल प्रशिक्षक गौरव खोलिया, पवनेश पाटनी, बॉक्सिंग प्रशिक्षक सूरज पांडे, हीरा, दीपक, राकेश आदि मौजूद रहे।

टनकपुर स्टेडियम में अतिथियों के साथ विजेता टीम के खिलाड़ी। ● अमृत विचार

लड़की को वीडियो कॉल कर युवक ने फांसी लगाई

बाजपुर: युवक ने रस्सी का फंदा बना फांसी लगाकर अपनी जान दे दी, जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। प्रथम दृष्टया मृत्यु का कारण प्रेम-प्रसंग बताया जा रहा है। घटना की लाइव वीडियो भी खूब वायरल हो रहा है।

शाहनवाज (फाइल)।

गांव बाजपुर निवासी 20 वर्षीय शाहनवाज ने सोमवार की मध्य रात्रि कमरे में रस्सी से फांसी लगा ली। घटना की जानकारी से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर दोराहा चौकी की पुलिस मौके पर पहुंच गई और ग्रामीणों की मदद से शव नीचे उतारकर सरकारी अस्पताल ले गया गया। बाद में पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। युवक ने किसी लड़की से लाइव वीडियो कॉल पर बात करते हुए फांसी लगाई है, जिसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। मृतक हैदराबाद में सेलून का काम करता है, जोकि हाल ही में अपने घर आया था। उसकी मां व भाई एवं भाभी मुंबई में हैं।

खटीमा मार्ग का लोकार्पण करते पालिकाध्यक्ष जोशी। ● अमृत विचार

जल जीवन मिशन से बने मार्ग का लोकार्पण

खटीमा : नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने आज मेला घाट रोड शनि मंदिर कॉलोनी में जल जीवन मिशन के अंतर्गत बनी 233 मीटर रोड का लोकार्पण किया। जल जीवन मिशन के अंतर्गत लगभग 20 लाख की लागत से शनि मंदिर कॉलोनी मेलाघाट रोड में मनोज सिंह के मकान से महेंद्र पाल के मकान तक 233 मीटर रोड का निर्माण पूरा हो गया है। नगर पालिका की सभासद निशा देवी ने कहा कि वह चुनाव में किए गए अपने वादे पूरे करने के लिए वचनबद्ध है एवं नगर पालिका स्तर की जो भी समस्याएं वार्ड वासियों की होगी उनका निराकरण करने का हर संभव प्रयास करेंगे। भाजपा नगर मंडल पूर्व महामंत्री मनोज वाधवा ने रोड निर्माण पूरा होने पर नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर विजय कुमार, संजय पिलख्वाल, सूरज धामी, उमेश कुमार, मिथिलेश कुमार, नंदा देवी, सोना कार्की, विमला देवी, राजेंद्र शर्मा, पूजा बिष्ट, आशालता देवी, तारा बिष्ट, इशू ठाकुर, बाबूराम, दिवाकर, धर्मवीर आदि वार्डवासी उपस्थित रहे।

सहकारी समितियों के प्रबंध समिति सदस्यों के चुनाव की तैयारी पूर्ण

खटीमा : उत्तराखंड बहुउद्देशीय सहकारी समितियां के प्रबंध कमेटी के आज होने वाले चुनाव की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। चारों सहकारी समितियों के चुनाव आज होंगे तथा देर शाम तक परिणाम भी घोषित कर दिए जाएंगे। बहुउद्देशीय सहकारी समिति झनकट के 11 प्रबंध कमेटी सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। मझोला बहुउद्देशीय सहकारी समिति के नौ सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं जबकि दो सीटों पर मतदान होगा। उत्तरी बहुउद्देशीय सहकारी समिति प्रभारी सचिव शीतल पासवान ने बताया कि छह प्रबंध समिति सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। जबकि पांच सदस्यों सीटों पर चुनाव होंगे। दक्षिणी बहुउद्देशीय सहकारी समिति सचिव सुरेश चंद्र सती ने बताया कि छह सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। जबकि पांच प्रबंध समिति सदस्यों के लिए चुनाव होगा। एडीओ सहकारिता जगदीश गिरी गोस्वामी ने बताया कि चारों सहकारी समितियों के लिए आज होने वाले चुनाव संबंधित समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

व्यापार मंडल चुनाव के लिए मतदाता सूची तैयार

संवाददाता, खटीमा

- चुनाव अधिकारी ने 26 तक मांगीं आपत्तियां

अमृत विचार: प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल का सदस्यता अभियान समाप्त होने के बाद मतदाता सूची तैयार हो चुकी है कुल 2600 मतदाता हैं।

यह जानकारी देते हुए मुख्य चुनाव अधिकारी अनिल बत्ता, रमेश अग्रवाल और अमित कुमार वर्मा ने कहा है कि मतदाता सूची प्राप्त करने एवं मतदाता सूची पर आपत्ति दर्ज करने के इच्छुक व्यापारी 20 से 26 नवम्बर तक प्रातः 10 बजे से 1 बजे तक मुख्य चुनाव अधिकारी अनिल बत्रा, चुनाव अधिकारी रमेश अग्रवाल और अमित वर्मा से सम्पर्क कर सकते हैं।

मतदाता सूची पर आपत्ति केवल व्यापार मंडल के सदस्य ही कर सकते हैं। आपत्ति दर्ज करने के लिए लिखित में आपत्तिकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित आपत्ति पत्र प्रस्तुत करना पड़ेगा। जिसमें जिस मतदाता पर आपत्ति है उसका मतदाता क्रमांक, मतदाता का नाम या प्रतिष्ठान का नाम और आपत्ति का कारण लिखना अनिवार्य होगा। आपत्ति कर्ता को आपत्ति पत्र में अपना नाम अपने प्रतिष्ठान का नाम पता मोबाइल नंबर और अपना मतदाता क्रमांक देना होगा। यह भी कहा कि 26 नवम्बर दोपहर 1 बजे बाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी और आपत्तियों के निस्तारण के बाद चुनाव तिथि घोषित कर दी जाएगी।

कार्यालय नगर पंचायत शक्तिगढ़, ऊधम सिंह नगर

ई-मेल आई०डी० -nagarpanchayatshaktigarh@gmail.com टोलफ्री नं० :- 18005725154

पत्र सं० : 203/ई०नि०सू०/2025-26 | ई-निविदा आमंत्रण सूचना | दिनांक : 17/11/2025

मा० मुख्यमंत्री घोषणा संख्या 169/2021 जनपद ऊधम सिंह नगर के नगर पंचायत शक्तिगढ़ को कार्यालय भवन निर्माण हेतु 95.64 लाख की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त धनराशि के सापेक्ष नगर पंचायत शक्तिगढ़ कार्यालय भवन निर्माण कार्य कराये जाने हेतु नगर पंचायत शक्तिगढ़ के पंजीकृत ठेकेदारों से ई-निविदा वैबसाईट https://uktenders.gov.in पर दिनांक 01/12/2025 प्रातः 11:00 बजे से दिनांक 15/12/2025 को अपरान्हः 05:00 बजे तक उपलब्ध होगी। निर्धारित तिथि व समय तक पोर्टल में अपलोड की गई निविदाओं को दिनांक 16/11/2025 को पूर्वान्ह 11.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं / निविदादाताओं के प्रतिनिधियों के समक्ष निविदा समिति द्वारा खोला जायेगा। कार्यालय अवकाश होने पर अगली तिथि मानी जायेगी। अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

निर्माण कार्य का विवरण

क्रम सं०	निर्माण कार्य का नाम/विवरण	आगणन धनराशि	जमानत धनराशि	नि० प्रपत्र मूल्य+ जी०एस०टी० 18% प्रतिशत अतिरिक्त	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	नगर पंचायत शक्तिगढ़ कार्यालय भवन निर्माण कार्य।	9564000.00	286920.00	10000.00+ जी०एस०टी० 18% अतिरिक्त	01 वर्ष

नोट :- निविदा से सम्बन्धित विस्तृत शर्तें वैबसाईट https://uktenders.gov.in पर अथवा नगर पंचायत शक्तिगढ़ कार्यालय में देखी जा सकती है। उपरोक्त प्रस्तावित निर्माण कार्य के सम्बन्ध में किसी भी ठेकेदार / हितधारक को यदि कोई आपत्ति हो तो निविदा की अन्तिम तिथि से पूर्व दिनांक 15/12/2025 की अपरान्ह 05:00 तक अपनी आपत्ति मय साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है। निविदा स्वीकृति उपरान्त प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत शक्तिगढ़
ऊधम सिंह नगर

अध्यक्ष
नगर पंचायत शक्तिगढ़
ऊधम सिंह नगर

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

मेरे पुत्र ANJITVEER SINGH के पासपोर्ट संख्या V2569439 में भूलवश जन्मतिथि 20-04-2012 अंकित हो गई है। जबकि ANJITVEER SINGH के आधार कार्ड, शैक्षिक व अन्य अभिलेखों में वास्तविक जन्मतिथि 20-04-2013 अंकित है। **अंजीता पत्नी जसवीर सिंह, वार्ड नं.-3, किच्छा (ऊधमसिंह नगर) उत्तराखण्ड।**

लामबंद — अनाज मंडी की दुकानों को आवंटन का है मामला, जांच कर कार्रवाई की बात कही

पूर्व विधायक ठुकराल ने उठाया भ्रष्टाचार का मुद्दा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: दिल्ली रोड पर नवनिर्मित अनाज मंडी की दुकानों को आढ़तियों को वितरण करने और वितरण में व्याप्त भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने डीएम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने स्थलीय निरीक्षण कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। आगाह किया कि यदि शासन-प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन किया जाएगा।

मंगलवार को पूर्व विधायक ठुकराल ने बताया कि उनके विधायकी कार्यकाल में दिल्ली रोड स्थित आदित्य नाथ झा इंटर कॉलेज की भूमि को हस्तांतरित कर अनाज मंडी का निर्माण करते हुए दुकानों को बनाया था। ताकि उत्तराखंड व यूपी के किसानों को लाभ मिल सके। बावजूद अभी तक गल्ला आढ़तियों को दुकानों के ब्लॉक का वितरण नहीं हुआ है। जिस कारण अनाज मंडी की हालत बदतर होती जा रही है। मंडी स्थल नशेड़ियों का अड्डा बन चुकी है।

डीएम को ज्ञापन देते पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल। ● अमृत विचार

आरोप लगाया कि चर्चा यह है कि मंडी समिति व परिषद सांठगांठ कर दुकानों को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने डीएम से गल्ला व्यापारी आढ़तियों को निशुल्क देने, भ्रष्टाचारमुक्त आवंटन, दुकानों व ब्लॉक का आवंटन पारदर्शी बनाया जाने की मांग की। इसके अलावा आवंटन क्यों नहीं हुआ इसकी जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी होनी चाहिए।

ब्रीफ न्यूज

मारपीट के मामले में पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

काशीपुर : बिजली का तार हटाने को लेकर पांच लोगों ने युवक के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। कुंडा थाना क्षेत्र के ग्राम भरतपुर निवासी दर्शन सिंह ने पुलिस को तहरीर सौंपी। बताया कि बीती 16 नवंबर की शाम करीब 5.30 बजे बिजली का तार लगाने को लेकर हुए विवाद पर सतपाल सिंह, मनोज, विजय, निर्देश व अरविंद ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। मारपीट की इस घटना में आरोपियों ने सिर पर जानलेवा हमला कर उसे जान से मारने की कोशिश की। इस दौरान जब उसके पुत्रों ने उसे बचाने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उन्हें भी बेरहमी से पीट दिया।

गौवंश से क्रूरता के मामले में रिपोर्ट दर्ज

काशीपुर : गौवंश के साथ दुष्कर्म (क्रूरता) करने के मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो चल रहा था। जिसमें एक युवक आईटीआई थाना क्षेत्र के जैतपुर मोड़ पर खाली पड़े प्लॉट में गौवंश के साथ दिन के समय में दुष्कर्म करते दिख रहा है। मामले में बलदेव धाम फाउंडेशन (गौ रक्षा दल) के अध्यक्ष मानपुर रोड निवासी अधिवक्ता अश्विनी कुमार सैनी ने पुलिस को तहरीर सौंपी थी। पुलिस ने मामले में अज्ञात युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की है।

10.20 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर को दबोचा

नानकमत्ता : नानकमत्ता के प्रतापपुर चौकी प्रभारी राजेन्द्र पन्त के नेतृत्व में कांस्टेबल राजकुंवर और दीपक कुमार की टीम ने चेकिंग के दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी सर्वजीत सिंह निवासी मोहम्मद गंज सुन्दर नगर के कब्जे से 10.20 ग्राम स्मैक बरामद की। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद, पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

गौवंश में सजायाफ्ता आरोपी दबोचा

खटीमा : पुलिस ने विगत कई वर्षों से फरार चल रहे सजायाफ़्ता आरोपी को पकड़कर न्यायालय में पेश कर दिया। सत्रहमील पुलिस ने गौवंश अपराध में न्यायालय से विगत कई वर्षों से फरार चल रहे अभियुक्त को यूपी क्षेत्र से पकड़ लिया। नगर पंचायत मझोला गुलरिया निवासी इकबाल उर्फ गुड्डू कई सालों से फरार चल रहा था।

सांसद भट्ट ने कलेक्ट्रेट सभागार में ली दिशा की बैठक, बोले-केंद्र सरकार की योजनाओं को गंभीरता से लेते हुए समय पर पूरा करें

ब्रिडकुल प्रबंधक के अनुपस्थित रहने पर स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश

संवाददाता, रुद्रपुर

दिशा की बैठक लेते सांसद अजय भट्ट। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सांसद अजय भट्ट ने केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की गहनता से समीक्षा करते हुए कहा कि दिशा की बैठक की मॉनिटरिंग प्रधानमंत्री स्वयं करते हैं। इसलिए केंद्र सरकार की योजनाओं को गंभीरता से लेते हुए समय पर पूरा करें। उन्होंने बैठक में परियोजना प्रबंधक ब्रिडकुल के अनुपस्थित रहने पर मुख्य विकास अधिकारी को स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश दिए।

मंगलवार को सांसद ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की। इस दौरान उन्होंने जल जीवन मिशन कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जो योजना कार्यों में सड़कें खोदी गई हैं उन्हें प्राथमिकता से ठीक करा लें। गदरपुर विकासखंड के बुक्सौरा क्षेत्र में लीकेज पानी की टंकी को ठीक कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर पंचायत कौशल्यापुरी में पेयजल योजना की डीपीआर बनाने के निर्देश पेयजल निगम को दिए। अधीक्षण अभियंता पेयजल ने बताया कि नगर पंचायत कौशल्यापुरी पेयजल योजना की डीपीआर अमृत योजना के तहत बनाकर भेजी गयी है। इसकी स्वीकृत भी हो गई है।

उन्होंने बताया कि सात अन्य निकाय भी योजना के तहत स्वीकृत है, जिनकी विस्तृत डीपीआर आगामी माह दिसंबर तक भेज दी जाएगी। सांसद ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) चिकित्सालय की समीक्षा करते हुए विस्तृत जानकारी मांगी। जिस पर चिकित्सा अधीक्षक ईएसआईसी ने बताया कि चिकित्सालय 2 लाख 16 हजार ईएसआईसी कार्ड धारकों के लगभग 8 लाख लोगों को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करता है। चिकित्सालय में 26 जनरल चिकित्सकों के स्वीकृत पदों के सापेक्ष 23 चिकित्सक तैनात हैं, जबकि 24 विशेषज्ञ चिकित्सक पदों के सापेक्ष मात्र तीन विशेषज्ञ चिकित्सक तैनात है। इसी तरह 75 नर्सिंग स्टॉफ तैनात है। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न विभागों की भी समीक्षा की और दिशा निर्देश दिए।

ये जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी रहे मौजूद

विधायक शिव अरोरा, मेयर विकास शर्मा, दीपक बाली, दर्जामंत्री उत्तम दत्ता, मंजीत सिंह, ब्लॉक प्रमुख रीना गौतम, ज्योति ग्रोवर, अनूप कौर, चेयरमैन नगर पालिका गदरपुर मनोज गुम्बर, दिशा के सदस्य सतीश चुघ, मनोज कुमार, राजेश कुमार, अमित नारंग, सांसद प्रतिनिधि प्रीत ग्रोवर, सीडीओ दिवेश शाशनी, प्रभागीय वनाधिकारी उमेश चन्द्र तिवारी, पीडी हिमांशु जोशी, सीएमओ डॉ. केके अग्रवाल, चिकित्सा अधीक्षक ईएसआईसी डॉ. प्रवीण वर्मा, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, महाप्रबंधक निर्मला बिष्ट, सीईओ केएस रावत, एसई यूपीसीएल डीके जोशी, पेयजल मृदुला सिंह, लोनिवि अनिल पांगती, डीडीएमओ उमाशंकर नेगी सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

खाली पड़े प्लॉट में मिला बच्चे का भ्रूण

काशीपुर: एक कॉलोनी के खाली पड़े प्लॉट में एक पॉलिथीन में बच्चे का भ्रूण पड़ा हुआ मिला। पुलिस ने भ्रूण को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस भ्रूण फेंकने वाले की तलाश कर रही है।

कुंडा थाना क्षेत्र के गढ़ीनेगी में एक कॉलोनी के खाली प्लॉट में कुछ बच्चों ने बीती 15 नवंबर की दोपहर में पॉलीथिन पन्नी में किसी संदिग्ध चीज को देखा। उसमें से दुर्गंध उठ रही थी। तब क्षेत्रवासियों ने इस मामले की जानकारी भाजपा नेता सचिन बाठला को दी। सचिन बाठला ने बताया कि जानकारी होने पर पहले वह मौके पर गए, तब देखा तो एक पॉलीथिन में किसी बच्चे का भ्रूण पड़ा हुआ था। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। उधर बीती सोमवार की शाम को क्षेत्रवासियों ने कुंडा थाना पुलिस में तहरीर सौंपी।

धरने के दौरान शौचालय में जड़े ताले, बत्ती की गुल

विधायक बेहड़ का 24 घंटे का उपवास-धरना समाप्त, रात्रि 10 बजे पूर्व विधायक ठुकराल ने दिया समर्थन

संवाददाता, रुद्रपुर

सोमवार की देर रात्रि किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ के साथ धरने पर बैठे पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल। ● अमृत विचार

अमृत विचार: ठंड और पंतनगर विवि प्रशासन के हर हथकंडे अपनाने के बाद भी आखिरकार विधायक तिलकराज बेहड़ ने अपना 24 घंटे का उपवास और धरना पूर्ण किया। सुबह 11 बजे धरना व उपवास समाप्त करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार विवि प्रशासन ने शौचालय में ताले लगा दिए और बत्ती गुल कर अंधेरा कर डाला। इससे साफ है कि धामी सरकार में अफसरशाही पूर्णतया हावी हो चुकी है और विधायक के आंदोलन की अनदेखी कर रही है।

सोमवार की सुबह 11 बजे किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ पंतनगर विवि कर्मचारियों की आठ सूत्रीय मांगों को लेकर जैसे ही विवि परिसर स्थित गांधी भवन के सामने 24 घंटे का उपवास व धरना देने का ऐलान किया। वहीं विवि प्रशासन ने न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए धरना नहीं होने देने की कोशिश की। बावजूद बेहड़ ने धरना शुरू कर दिया और शाम ढलते-ढलते अंधेरा और ठंड बढ़ने लगी तो बेहड़ अपने समर्थकों के साथ मुख्य प्रवेश द्वार के गेट पर दरी बिछाकर बैठे गये। इस बीच मुख्य द्वार का गेट बंद कर दिया गया और शौचालय में ताले लगाते हुए लाइट भी काट दी गई। बावजूद बेहड़ ने कंबल ओढ़कर पूरी रात्रि उपवास व धरना जारी रखा।

रात्रि 10 बजे पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल भी धरना स्थल पहुंचे और अपना समर्थन देते हुए पंतनगर विवि प्रशासन की तानाशाही और प्रदेश सरकार की अनदेखी पर अपनी भड़ास निकाली।

बेहड़ के उपवास व धरने को लेकर विवि प्रशासन द्वारा अपनाए गए हथकंडे की चर्चा जोरों पर होने लगी। मंगलवार की सुबह 11 बजे कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं आया और विधायक बेहड़ ने उपवास खोलते हुए धरना समाप्ति का ऐलान किया। आगाह किया कि यदि सरकार ने आठ सूत्रीय मांगों को पूर्ण नहीं किया तो अब जनसैलाब के साथ आंदोलन होगा। इस मौके पर राजेश प्रताप सिंह, सर्वेश कुमार, संजय जुनेजा आदि मौजूद रहे।

लाइट काटना विधायक को अपमानित करने की साजिश : ठुकराल

रुद्रपुर : पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कहा कि विधायक बेहड़ निर्वाचित विधानसभा के सदस्य हैं और जब कोई जनहित के मुद्दों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से धरना देता है तो वहां के प्रशासन को भी सहयोग करना चाहिए था। जिस प्रकार पंतनगर विवि के शौचालयों पर ताले लगा दिए गए। लाइट काट दी गई और पूरा इलाका अंधकारमय कर दिया गया। यह विधायक को अपमानित करने की सोची समझी साजिश है जो कि विधानसभा का एक मुद्दा भी बनता है। वह खुद भी विधायक रहे और इस प्रकार के कृत्य के खिलाफ लड़ेंगे। चाहे कोई भी जनप्रतिनिधि हो मान-सम्मान पाने का हक हर विधायक का अधिकार है।

विवि कर्मचारियों को आने से किया इंकार

रुद्रपुर : विधायक बेहड़ ने कहा कि सोमवार की सुबह से सैकड़ों पंतनगर विवि कर्मियों ने फोन पर समर्थन देने की बात कही। कारण प्रदेश में अफसरशाही व तानाशाही की सरकार है। ऐसे में यदि कर्मचारियों के हक-हकूक की लड़ाई का समर्थन करने वाले कर्मी चिह्नित होते हैं और प्रशासन व शासन कर्मियों पर अनुशासनहीनता की कार्रवाई कर नौकरी से निकाल डालते। इसी को ध्यान में रखते हुए सभी कर्मियों को आने से इंकार किया। बावजूद बड़ी तादाद में कर्मी धरनास्थल के ईदगिर्द पूरी रात्रि डटे रहे।

विधायक बेहड़ ने उठाए आठ सूत्रीय मुद्दे

रुद्रपुर : किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय के लोकतंत्र की रक्षा करने, एक मई 2023 से दैनिक वेतन भोगी कर्मियों की नियमावली 2013 के तहत नियमित करने, 10 वर्षों की सेवा पूर्ण किए ठेका कर्मियों को नियमित करने, स्वास्थ्य योजना के तहत विवि कर्मियों को गोल्डन कार्ड की सुविधा मुहैया कराने, ठेका पर सेवारत महिला कर्मियों का बाल्य देखभाल के लिए शासनादेश अनुसार अवकाश घोषित करने का मुद्दा उठाया। सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया तो जनआंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी।

आधी रात एसएसपी ने किया औचक निरीक्षण

किच्छा में देर रात्रि निरीक्षण करते एसएसपी मणिकांत मिश्रा एवं उपस्थित अधिकारी।

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने अर्ध रात्रि को किच्छा कोतवाली पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। सभी विवेचकों का ओआर लेते हुए 6 माह से अधिक समय से लंबित मामलों की विवेचकों से अलग-अलग समीक्षा की।

समीक्षा के दौरान एसएसपी ने गुणदोष के आधार पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले जांच अधिकारियों की सराहना की। जबकि लंबित मामलों में पुनः विवेचनाओं और गंभीर अपराधों पर कड़े स्पष्ट और समयबद्ध निर्देश जारी किए। एसएसपी मिश्रा ने विवेचकों से महत्वपूर्ण मामलों की फाइलें मंगाकर प्रत्येक केस का स्वयं परीक्षण किया और गुणवत्तापूर्ण जांच सुनिश्चित करने एवं आवश्यक संशोधन करते हुए जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक के बाद एसएसपी मिश्रा ने रात्रि करीब 12 बजे किच्छा क्षेत्र के मुख्य चौक चौराहा, पिकेट पॉइंट्स और रात्रि गश्त व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल कॉलेज के पास तथा हाईवे सहित संदिग्ध स्थानों पर नियमित चेकिंग करने तथा ओवर स्पीड, बिना सीट बेल्ट एवं हेलमेट, नशे में वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करने पर जोर दिया। मौके पर प्रभारी निरीक्षक प्रकाश सिंह दानू, वरिष्ठ उप निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद, उप निरीक्षक दीपक जोशी, एसआई बसंत प्रसाद, उप निरीक्षक ओम प्रकाश नेगी, उपनिरीक्षक मनोज कुमार, पुलिसकर्मी राजीव चौधरी, पुलिस कर्मी कुलदीप आर्य, पुलिसकर्मी बृजमोहन सिंह आदि मौजूद रहे।

शिक्षिका ने कक्षा चार की बच्ची को बेरहमी से पीटा

- शिकायत करने पर प्रिंसिपल ने भी की अभद्रता, तहरीर आने के बाद पुलिस जांच शुरू

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कोतवाली इलाके के एक प्राइवेट स्कूल में कक्षा चार की बच्ची को बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है और जब पिता ने नाराजगी जताई तो प्रिंसिपल द्वारा अभद्रता की गयी। पुलिस ने तहरीर आने के बाद जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार वार्ड-24 रंपुरा निवासी एक पिता ने बताया कि उसकी 10 वर्षीय बेटी वार्ड स्थित एक प्राइवेट स्कूल में कक्षा चार की छात्रा है। आरोप था कि स्कूल की शिक्षिका ने बेटी को बेरहमी से पीटा और दोपहर का लंच भी नहीं करने दिया। काफी देर बाद भी जब बेटी स्कूल से वापस नहीं लौटी तो वह स्कूल गया तो देखा कि बेटी के गाल पर थप्पड़ के निशान थे और मुंह से खून बह रहा था। उन्होंने बताया कि बेटी काफी डरी सहमी थी और जब पूछा तो शिक्षिका की हैवानियत बयां की। आरोप था कि प्रकरण की शिकायत जब स्कूल के प्रिंसिपल से की तो प्रिंसिपल द्वारा अभद्रता कर बाहर निकाल दिया। बेटी के साथ हुए अमानवीय व्यवहार से बेटी सहमी हुई है। पिता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

पुलिस का रौब दिखाकर हड़पे 18.64 लाख

- मनी लॉड्रिंग में जेल जाने का दिखाया भय, साइबर क्राइम थाना पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: शहर की पॉश कॉलोनी की रहने वाली एक महिला को पुलिसिया रौब दिखाकर लाखों रुपये की साइबर ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। जहां एक फर्जी पुलिस इंस्पेक्टर ने वार्ता की और मनी लॉड्रिंग में जेल जाने का भय दिखाया। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार ओमेक्स रिवेरा नाइजर की रहने वाली श्वेता चौधरी ने बताया कि चार नवंबर को उसके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति की व्हाट्सअप कॉल आयी जो खुद को बंगलूरू पुलिस का इंस्पेक्टर संदीप राव बता रहा था। बताया कि मोबाइल से महिलाओं को इनकम टैक्स विभाग द्वारा मनी लॉड्रिंग का नोटिस भी मिला है। जिसमें सर्वोच्च न्यायालय के फर्जी दस्तावेज भी भेजे गए हैं। प्रकरण में आपके खिलाफ कई धाराओं में मुकदमा पंजीकृत है और ह्यूमन ट्रैफिकिंग का मामला भी दर्ज है।

प्रारंभिक तफ्तीश में सीबीआई द्वारा खाते की तफ्तीश जारी है। जिसके साक्ष्य देना जरुरी है। बताया कि सीबीआई और गिरफ्तारी का भय दिखाकर उसके खाते से 18.64 लाख रुपये की निकासी दूसरे खाते में हुई और जांच के बाद भी जब रकम खाते में नहीं आई तो व्हाट्सअप कॉल पर फोन किया गया तो मोबाइल फोन बंद आने लगा। जिसके बाद ठगी का एहसास हुआ तो साइबर क्राइम थाना पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया।

ऑनलाइन ट्रेडिंग का झांसा देकर हड़पे 6.47 लाख रुपये

रुद्रपुर : शहर की पॉश कॉलोनी के रहने वाले एक व्यक्ति को ऑनलाइन ट्रेडिंग में निवेश कर दोगुना मुनाफा देने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता का कहना था कि दो माह पहले उसने फेसबुक पर शेयर ट्रेडिंग का लिंक देखा था और जैसे ही क्लिक किया तो एनएनएन ग्रुप आईआईएफएल में 90 लोगों का ग्रुप मिला। जिसमें बताया कि कम निवेश करने पर दो गुना मुनाफा प्राप्त हो सकता है। आरोप था कि साइबर ठग ने धीरे-धीरे विश्वास जीता और उसके बाद 14 अक्टूबर 2025 को पत्नी नताशा साहनी के खाते कुछ निवेश करवाया और तुरंत मुनाफा भी डाल दिया। 29 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक 6.47 लाख रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। जब मुनाफा नहीं मिला तो मोबाइल पर कॉल की। लेकिन संपर्क नहीं हुआ और साइबर ठगी का एहसास हुआ। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक से की लाखों की साइबर ठगी, रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: एक और युवक साइबर ठगी का शिकार हो गया। ठग ने उसके मोबाइल की स्क्रीन शेयर करवाकर उसके खाते से लाखों रुपये निकाल लिये। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

प्रेम नगर नीझड़ा निवासी युवक ने आईटीआई थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 10 सितंबर 2025 को उसके एसबीआई क्रेडिट कार्ड से 10,499 रुपये बिना ओटीपी तथा बिना उसकी अनुमति के काट लिए गए। इस संबंध में जानकारी के लिए उसने मास्टर कार्ड कस्टमर केयर नंबर पर कॉल किया। बताया कि कॉल रिसीव करने वाले व्यक्ति ने अपना नाम विजय शर्मा बताया। उसने मोबाइल को सर्वर से कनेक्ट करने को लेकर व्हाट्सअप वीडियो कॉल उठाने को कहा। कॉल के दौरान उक्त व्यक्ति ने उससे स्क्रीन शेयर करने को कहा और बातचीत के दौरान उसे भ्रमित करते हुए उसके क्रेडिट कार्ड से 4 धोखाधड़ी वाले ट्रांजेक्शन कर कुल 2,21,481 रुपये निकाल लिये। बताया कि इसके अतिरिक्त उसके बैंक खाते से भी दो अवैध ट्रांजेक्शन किए गए और दो बार में 10,007 रुपये निकाल लिये गये। इस प्रकार उसके साथ अज्ञात व्यक्ति ने कुल 2,31,488 रुपये कि ऑनलाइन ठगी की है।

लामबंद

सरकार पर लगाया समस्याओं की अनदेखी का आरोप, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार जारी

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को करें राज्य कर्मचारी घोषित

संवाददाता, रुद्रपुर

विकास भवन परिसर में धरना प्रदर्शन करतीं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां। ● अमृत विचार

अमृत विचार: लंबित मांगों को लेकर जिलेभर की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। मांगों को लेकर कार्यकत्रियों का अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार तीसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने सरकार पर उनकी मांगों की अनदेखी का आरोप लगाया। साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को राज्य कर्मचारी घोषित करने समेत कई मांग उठाई।

मंगलवार को आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के बैनर तले आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां विकास भवन परिसर में एकत्रित हुईं और धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार उनकी समस्याओं की लगातार अनदेखी कर रही है। पिछले वर्ष फरवरी में प्रदेशव्यापी हड़ताल के दौरान मुख्यमंत्री आवास में मिले आश्वासन के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। संगठन की प्रदेश मंत्री अनीता सिंह ने बताया कि 7 मार्च 2024 को निदेशालय में हुई बैठक में मानदेय वृद्धि पर विचार के लिए समिति गठित करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन डेढ़ वर्ष बाद भी निर्णय लंबित है।

उन्होंने कहा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने पिछले लम्बे समय से राज्य कर्मचारी घोषित किया जाए और मानदेय को बढ़ाकर प्रतिदिन 800 रुपये के हिसाब से 24 हजार रुपये मासिक दिए जाने, सेवानिवृत्ति पर पेंशन सुविधा दिए जाने, महिला कल्याण कोष से मिलने वाली एकमुश्त राशि को बढ़ाकर कम से कम 5 लाख रुपये करने, सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार ग्रेच्युटी लाभ दिए जाने, सुपरवाइजर के रिक्त पदों पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रमोशन देने व लंबित विज्ञप्ति जारी करने, एफआरएस (फेस कैप्चर) प्रणाली को बंद करने और सरकार द्वारा गठित समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग उठा रहे हैं। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री अनीता सिंह, रूचिता घई, हंसा लोहानी, सुलेखा चौहान, निशा, सीमा, रानी कौर, दलवीर कौर, सूलता मंडल, गीता, सुशीला, रुबीना, स्मिता, पदमा, संगीता, खुशबू, मिनती, कुसुम लता, रूबी सिंह, कुसुमलता, लक्ष्मी, संध्या, शांति, भावना आदि मौजूद रहीं।

बाजपुर तहसील में किया प्रदर्शन

संवाददाता, बाजपुर

बाजपुर तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन करतीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता।

अमृत विचार: अपनी लंबित मांगों के समाधान को लेकर आंदोलनरत उत्तराखंड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ से जुड़ी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन कर मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की।

प्रदेशभर में जारी अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार के तहत बाजपुर में भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मंगलवार को बड़ी संख्या में तहसील परिसर में एकत्र हुईं और धरना-प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि वर्षों से सरकार और विभाग को मांगों के समाधान के लिए अवगत कराया जा रहा है, लेकिन उनकी लगातार अनदेखी हो रही है। उन्हें भारत सरकार की ओर से 4500 रुपये और राज्य सरकार की ओर से 4800 रुपये मानदेय मिलता है, जबकि सहायिकाओं को 2250 रुपये केंद्र व 3000 रुपये राज्य से प्राप्त होते हैं। कई राज्यों में अतिरिक्त मानदेय दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कर्मचारी महंगाई भत्ता, वेतन वृद्धि, ग्रेच्युटी, पेंशन, ईपीएफ एवं स्वास्थ्य सेवाओं जैसी सुविधाओं से वंचित हैं, जबकि पांच वर्ष में मात्र एक बार ही मानदेय संशोधित होता है। आरोप लगाया कि सरकार द्वारा उनसे कई विभागों का कार्य लिया जाता है, जिससे मानसिक तनाव बढ़ रहा है। इस मौके पर मंजू गोस्वामी, रेखा पांडेय, ललिता भट्ट, सुनीता, मालती, कांति कुमारी, खष्टी देवी, प्रेमा तिवारी, शौकीन जहां, कमला पांडेय, नवनीत कौर, रेखा, अनीता, गीता रानी, कविता भारती, सुनेंद्रा मैसी, मनजीत कौर, कमलेश, राजकुमारी मौजूद रहीं।

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार, 19 नवंबर 2025

सिटी ब्रीफ

जीएसटी विषय पर हुई प्रशिक्षण कार्यशाला

काशीपुर : चंद्रावती तिवारी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विषय पर कैरियर काउंसलिंग सेल द्वारा एक विशेष जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में आईसीए काशीपुर की डायरेक्टर सपना अरोरा ने जीएसटी प्रणाली की संरचना, रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया, रिटर्न फाइलिंग, टैक्स स्लैब एवं अनुपालन से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। इस मौके पर कैरियर काउंसलिंग सैल की संयोजिका शीतल अरोरा, डॉ. रमा अरोरा, डॉ. वंदना सिंह, डॉ. ज्योति गोयल, कृति टंडन, विजेन्द्र कुमार मौजूद रहे।

कार्यकारिणी का किया गया विस्तार

काशीपुर : ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स फेडरेशन उत्तराखंड के काशीपुर नगर अध्यक्ष सार्थक अग्रवाल ने नगर कार्यकारिणी के सदस्यों एवं पदाधिकारियों का मनोनयन किया है। लखविन्दर सिंह उर्फ लक्की प्रतिनिधि रंजीत कौर को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आशुतोष गुप्ता उपाध्यक्ष, कांति प्रसाद महासचिव, बलराम सिंह सचिव, हर्ष रत्नाकर प्रतिनिधि संतोष देवी संगठन सचिव, सौरभ कुमार प्रतिनिधि कमला देवी कोषाध्यक्ष, यशवंत सिंह, गौरव पाल प्रतिनिधि लीलाधर, रेनू अग्रवाल सोनू सिंह को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया।

नाबालिग लड़की को भगाने का आरोपी गिरफ्तार

बाजपुर : नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर भगाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित ने तहरीर में आरोप लगाया था कि उनकी नाबालिग पुत्री को शादी का लालच देकर एक युवक भगा ले गया। इस पर कोतवाली बाजपुर में मामला दर्ज कर लिया। शिकायत प्राप्त होते ही विवेचक महिला उपनिरीक्षक प्रियंका टम्टा ने जांच शुरू करते हुए कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपित ग्राम बन्नाखेड़ा निवासी चरनजीत सिंह को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

बाल हिंसा की रोकथाम के प्रति जागरूक किया

बाजपुर : बाल यौन शोषण, दुर्व्यवहार और हिंसा की रोकथाम एवं उपचार के लिए मंगलवार को राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय गणेशपुर केलाखेड़ा में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ऊधम सिंह नगर के तत्वावधान में पराविधिक कार्यकर्ता मोहम्मद शहीद ने विद्यार्थियों को बाल यौन शोषण एवं हिंसा की रोकथाम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

खरीद केंद्र पर किसानों ने एसएमओ को पीटा

लिमिट बढ़ाए जाने के बाद शुरू हुई थी धान खरीद, आरोपी किसानों के विरुद्ध केस दर्ज करने की कार्रवाई शुरू

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : नई मंडी समिति स्थित खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के धान खरीद केंद्र में मंगलवार को धान तौलने को लेकर किसानों और एसएमओ के बीच झड़प हो गई। विवाद बढ़ा तो आक्रोशित किसानों ने एसएमओ की पिटाई कर दी। वहीं, मामले में पुलिस आरोपी किसानों के विरुद्ध केस दर्ज करने की कार्रवाई कर रही है।

गौरतलब है कि सोमवार शाम को सरकार ने किसानों के धान खरीदने के लिए छह कांटों पर 6 हजार क्विंटल की लिमिट बढ़ाई गई थी। इसके बाद मंगलवार से ही खरीद शुरू हुई थी।

वहीं, एसएमओ धीरज कांडपाल ने बताया कि मंगलवार को वह एसएमओ विनय चौधरी के साथ सरकारी कांटे पर धान खरीद के लिए तौल कर रहे थे। तभी गांव नकहा निवासी किसान जसपाल सिंह और अमृतपाल सिंह उनके धान को पहले तौलने की जिद करने लगे। आरोप लगाया कि उनके धान की तौल न करने पर दोनों किसानों ने धान तौल को बाधित कर दिया और एसएमओ विनय चौधरी से गाली-गलौज की। वहीं, एसएमओ के विरोध करने पर दोनों किसानों ने मिलकर उसकी पिटाई कर दी। जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गए। कार्यालय के कर्मचारियों ने उन्हें उप जिला अस्पताल सितारगंज में भर्ती कराया। जहां उनका उपचार चल रहा है। वहीं, सीएमएस डॉ. कुलदीप यादव ने बताया कि मरीज के शरीर पर हल्के खरोंच के निशान हैं।

इधर, आरोपी किसान अमृतपाल सिंह ने बताया कि एसएमओ विनय चौधरी ने तीन नवंबर को उसका 24 क्विंटल धान की खरीदा था। पोर्टल की लिमिट समाप्त होने की बात कहकर उसके शेष बचे 326 क्विंटल धान की खरीद नहीं की। साथ ही, लिमिट बढ़ाने पर पहले उसके धान की खरीद करने का आश्वासन दिया।

उसने बताया कि वह पिछले 15 दिनों से लिमिट बढ़ने का इंतजार कर रहा है और रोजाना एसएमओ कार्यालय के चक्कर काट रहा है। सोमवार को लिमिट बढ़ाने के बाद मंगलवार को खरीद शुरू हुई थी तो पहले उसके 326 क्विंटल धान तौलने की मांग की। एसएमओ के लगाए गए सभी आरोप निराधार है। इधर, घटना से आक्रोशित कर्मचारियों ने मंगलवार को कार्यालय बंद कर धान खरीदने से मना कर दिया।

बाजपुर की भोना रोड स्थित राइस मिल में धरना-प्रदर्शन कर रहे किसानों से वार्ता करते राइस मिलर्स। ● अमृत विचार

धान खरीद व्यवस्था को लेकर नाराज किसानों ने राइस मिल में किया हंगामा

बाजपुर : धान खरीद व्यवस्था को लेकर नाराज किसानों ने एक राइस मिल में जोरदार हंगामा व धरना-प्रदर्शन किया। साथ ही जल्द व्यवस्था सुचारु न होने की दशा में उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। वहीं राइस मिलर्स संचालकों से हुई कई घंटे की वार्ता के पश्चात आपसी सामन्जस्य स्थापित कर मामले को शांत किया गया। मंगलवार को बड़ी संख्या में किसान कृषि उत्पादन मंडी समिति परिसर में एकत्र हुए, जहां उन्हें पता चला कि भोना रोड स्थित एक राइस मिलर्स द्वारा बाहरी राज्यों से धान की खरीद कर स्थानीय किसानों की खतौनियों में दर्शाते हुए राइस मिल को आवंटित पोर्टल को पूर्ण कर लिया है। इससे आक्रोशित किसान भाकियू के प्रदेश सचिव बिजेंद्र सिंह डोगरा व विक्रम सिंह विर्क लड्डू के नेतृत्व में राइस मिल पर जा पहुंचे और अनाज मंडी में खड़ी धान से लदी उनकी ट्रालियों को भी सरकारी दर से खरीदने की मांग को लेकर जोरदार हंगामा किया गया। इतना ही नहीं आक्रोशित किसान राइस मिल परिसर में धरना देकर बैठ गए और जोरदार प्रदर्शन व नारेबाजी की गई। उनका कहना था कि अभी किसानों की धान से लदी सैकड़ों ट्रालियां अनाज मंडी में खड़ी हैं और उनका तुलना का नंबर भी नहीं आ रहा है, जबकि कुछ राइस मिल संचालक बाहर से धान मंगाकर अपना पोर्टल को पूरा कर ले रहे हैं, जिससे स्थानीय किसानों के हित प्रभावित हो रहे हैं। वहीं जानकारी के बाद व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष सत्यवान गर्ग कुछ व्यापारियों के साथ मौके पर पहुंच गए और भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा की मौजूदगी में किसानों से वार्ता कर मामले को शांत किया गया। इसके पश्चात किसानों व राइस मिल संचालकों के बीच कई घंटे की वार्ता हुई, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि राइस मिलर्स एक दिन यानी 18 नवंबर की सायं तक जितनी भी ट्रालियां उनके यहां पर पहुंचेंगी उसमें मौजूद धान को कच्चा आढ़ती में खरीदा जाएगा और उसकी पेमेंट 40 दिन के अंदर सरकारी रेट पर की जाएगी। सभी ट्रालियों का माउश्चर अनाज मंडी में चेक होकर जाएगा और वही मान्य भी होगा। आज के बाद कच्चा आढ़ती में धान नहीं लिया जाएगा।

अनियमितताएं मिलने पर साइबर कैफे सील

काशीपुर में सील किया गया साइबर कैफे। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: प्रशासन ने जन सेवा केंद्रों के निरीक्षण में गंभीर अनियमितताएं पाये जाने पर एक साइबर कैफे को सील कर दिया। जबकि अन्य केंद्रों को कमियां मिलने पर सख्त चेतावनी दी।

उपजिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को प्रशासन की टीम ने तहसील क्षेत्र के जन सेवा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान खान साइबर कैफे में गंभीर अनियमितताएं मिलीं। इस पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए उसे तत्काल सील कर दिया। वहीं अन्य केंद्रों पर भी कुछ कमियां मिलीं, जिन्हें तीन दिन के भीतर अभिलेख सही करने के लिए कहा गया है। एसडीएम अभय प्रताप सिंह ने बताया कि सभी केंद्रों से विगत पांच वर्षों का डाटा मांगा गया है, जिसकी गहनता से जांच की जाएगी।

यदि कोई प्रमाण पत्र या दस्तावेज अवैध रूप से होना पाया जाता है, तो नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जाएगी। बता दें कि हल्द्वानी तहसील क्षेत्र में एक ग्राहक सेवा केंद्र पर फर्जी अभिलेखों के आधार पर स्थाई प्रमाण पत्र जारी करने का मामला संज्ञान में आया था। इसके चलते जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने सभी उप जिलाधिकारियों को जन सेवा केंद्रों का निरीक्षण करने के आदेश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार पंकज चंदोला, राजस्व उप निरीक्षक गौरव चौहान, रोहित शर्मा आदि मौजूद रहे।

प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाने की तैयारियों को लेकर विशेष चर्चा

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: गुरुद्वारा सिंह सभा बाजपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक में निर्णय लिया गया कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी और श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज के प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाए जाएंगे। बैठक में समिति के पदाधिकारियों और सेवादारों ने आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर विशेष चर्चा की।

निर्णय अनुसार, 27 नवंबर को श्री गुरु तेग बहादुर साहिब का प्रकाश पर्व मनाया जाएगा। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब में विशाल समागम का आयोजन होगा। समागम में पंथ प्रचारक भाई हरजोत सिंह जख्मी जालंधर वालों का रागी जत्था और अंतरराष्ट्रीय ढाडी जत्था बलवीर सिंह पारस द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन और बलिदान पर प्रकाश डाला जाएगा। इससे पूर्व 24 नवंबर को गुरुद्वारा साहिब नानकसर दोराहा में भी संगत समागम आयोजित होगा, जिसमें दरबार साहिब अमृतसर से अमनदीप सिंह (रागी) और अजीत सिंह रेहड़ का ढाडी जत्था गुरवाणी का यशगान करेंगे। वहीं श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज का प्रकाश पर्व 5 और 6 जनवरी को मनाया जाएगा। इसके लिए 26 दिसंबर से प्रभात फेरियां निकाली जाएंगी। पांच जनवरी को गुरुद्वारा साहिब बैंतखेड़ी से विशाल नगर कीर्तन निकाला जाएगा, जो ग्राम इटव्वा, बन्नाखेड़ा, रेंहटा, केशोवाला, रामराज रोड और मुख्य बाजपुर मार्ग से होते हुए गुरुद्वारा साहिब पहुंचेगा। नगर कीर्तन में आकर्षक झांकियां, गतका पार्टी द्वारा शानदार प्रदर्शन और संत बाबा अवतार सिंह सुर सिंह वाले भी विशेष रूप से सम्मिलित होंगे। छह जनवरी को गुरुद्वारा साहिब बाजपुर में विशाल समागम होगा, जिसमें पंजाब से आ रहे रागी और ढाडी जत्थे गुरुवाणी का बखान करेंगे। बैठक में गुरुद्वारा सिंह सभा के अध्यक्ष कुलविंदर सिंह किंदा, कुलदीप सिंह बाजवा, जगजीत सिंह बाजवा, हरदयाल सिंह, बलविंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

जन सेवा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया

- कई जन सेवा केन्द्रों के संचालक शटर गिराकर भाग निकले
- केन्द्रों की वैधता एवं शटर गिराकर जाने वाले जन सेवा केन्द्र संचालकों की जांच पड़ताल होगी

संवाददाता, खटीमा

खटीमा में जांचसेवा केंद्र का निरीक्षण करते तहसीलदार वीरेंद्र सजवान।

अमृत विचार: जिलाधिकारी के निर्देशन में तहसील परिसर सहित अन्य स्थानों पर संचालित जन सेवा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार वीरेंद्र सिंह सजवान ने तहसील कैंपस में चल रहे तीन जनसेवा केन्द्रों तथा इस्लामनगर व गौटिया में चल रहे जन सेवा केन्द्रों के आवेदन पत्रों की जांच की जा रही है। इस दौरान कई जन सेवा केन्द्रों के संचालक शटर गिराकर भाग निकले हैं।

उपजिलाधिकारी तुषार सेनी ने बताया कि जनसेवा केन्द्रों से संचालित दस्तावेजों की गहन जांच पड़ताल होगी। इन केन्द्रों की वैधता एवं शटर गिराकर जाने वाले जन सेवा केन्द्र संचालकों की जांच पड़ताल होगी। निरीक्षण के दौरान शैलेन्द्र सिंह राणा, जगदीश कुमार, सतीश राणा द्वारा उनकी आईडी में दर्ज प्रमाण पत्रों की जांच कर उनकी आईडी को बंद करने के निर्देश दिए गए। कूट रचित दस्तावेज अगर किसी जनसेवा केन्द्र संचालक द्वारा दर्ज किया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होगी।

तहसीलदार सजवान ने कहा कि तहसील कैंपस में सरकार द्वारा ई डिस्टिक सेंटर संचालित है। बावजूद इसके कई स्थानों पर अवैध जन सेवा केंद्र संचालित हो रहे हैं।

जन सेवा केन्द्रों के आवेदन पत्रों की जांच के दौरान यदि किसी केंद्र संचालक द्वारा कूट रचित दस्तावेज सम्मिट पाए जाने अथवा अवैध पाए जाने की स्थिति में जन सेवा केंद्र संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी।

काशीपुर के हिंदाल समर ट्रॉफी के साथ। ● अमृत विचार

डॉ. हिंदाल बने मिस्टर इंडिया

काशीपुर : प्रो स्पोर्ट्स लीग द्वारा दिल्ली में 16 नवंबर को आयोजित बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में काशीपुर के डॉ. हिंदाल समर नेचुरल बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में मिस्टर इंडिया बने। जबकि मेंस सीनियर बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त किया। पेशे से होम्योपैथिक डॉक्टर हिंदाल समर अपने पिता से उनके जसपुर बस स्टैंड के अंदर स्थित जिम में ही प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उनके पिता शकील आजमी भी मिस्टर वर्ल्ड, मिस्टर एशिया, पांच बार मिस्टर इंडिया तथा मिस्टर नार्थ इंडिया रह चुके हैं। डॉ. हिंदाल ने बताया कि वह मिस्टर एशिया की तैयारी कर रहे हैं।

संबद्धता विस्तारण के लिए निरीक्षण

संवाददाता, खटीमा

खटीमा महाविद्यालय में प्राचार्य और विभागाध्यक्षों के साथ चर्चा करते अधिकारी।

अमृत विचार: हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नए शैक्षिक सत्र के लिए बीकॉम, एमकॉम और बीएड पाठ्यक्रम की स्थाई संबद्धता विस्तारण हेतु स्थलीय निरीक्षण किया गया।

इसमें प्रोफेसर अतुल जोशी, संकाय अध्यक्ष, वाणिज्य विभाग डीएसबी परिसर नैनीताल, प्रोफेसर आरएस पथनी, संकायध्यक्ष, शिक्षा संकाय डीएसबी परिसर नैनीताल और डॉ. केपी सिंह प्राचार्य बनबसा तथा अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल ने महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्थाओं, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया, अधोसंरचना, पुस्तकालय संसाधनों, प्रयोगशालाओं, स्मार्ट कक्षाओं, खेल सुविधाओं तथा प्रशासनिक अभिलेखों का अवलोकन किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पंकज कुमार पांडे ने निरीक्षक मंडल का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की उपलब्धियां, सुधारात्मक प्रयासों, वर्तमान एवं भावी कार्ययोजनाओं की विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय छात्रों के हित एवं गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए सतत प्रयासरत हैं। निरीक्षक मंडल के सदस्यों ने महाविद्यालय द्वारा शिक्षा के मानकों को सुदृढ़ करने की दिशा में उत्कृष्ट कार्य की सराहना की तथा अंतिम मूल्यांकन रिपोर्ट संबंधित विभाग को प्रेषित की। डॉ. आशुतोष कुमार विभागाध्यक्ष वाणिज्य विभाग तथा डॉ. रेखा देव विभागाध्यक्ष बीएड विभाग द्वारा निरीक्षक मंडल के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत तीन दिवसीय कार्यक्रम

सितारगंज : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में तीन दिवसीय नशा मुक्त भारत अभियान का मंगलवार को सम्पन्न हुआ। यहां विद्यार्थियों में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। छात्रों से समाज में नशा उन्मूलन का संदेश प्रसारित करने की अपील की। मंगलवार को समापन के अवसर पर प्राचार्या प्रोफेसर रेनू रानी बंसल ने नशामुक्त भारत की प्रतिज्ञा दिलायी। यहां 15 नवम्बर को नशा मुक्त भारत विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में निभा कुमारी प्रथम, अंशिका द्वितीय तथा सतविंदर कौर तृतीय रही। 17 नवम्बर को जागरूकता ही समाधान विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें अंजली कुमारी प्रथम, पुष्पा द्वितीय तथा अरुण प्रताप व अर्चना तृतीय रहे। इस मौके पर एंटी ड्रग सेल की प्रभारी डॉ. कमला उपाध्याय, दीपा मखौलिया, डॉ. सुधा पाल, डॉ. गरिमा जोशी, डॉ. दुर्गा तिवारी मौजूद रहे।

शोकाकुल परिजनों को सांत्वना देते पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी। ● अमृत विचार

पूर्व राज्यपाल कोश्यारी ने शोकाकुल पत्रकार को दी सांत्वना

शांतिपुरी : महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने मंगलवार को शांतिपुरी पहुंच कर स्वर्गीय भाजपा नेता तारा सिंह कोरंगा एवं पत्रकार मोहन सिंह कोरंगा की माता मोतिया देवी के निधन पर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की। कोश्यारी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवारजनों को ढांढस बंधाया। 83 वर्षीया मोतिमा देवी का निधन बीते रविवार को हुआ था। वह लंबे समय से अस्वस्थ चल रहीं थी। सांत्वना देने वालों में भाजपा जिला मंत्री एवं किच्छा मंडी समिति के पूर्व अध्यक्ष दिग्विजय खाती, मुन्ना रावत, कमल ठठोला, लक्ष्मण सिंह कोरंगा, खुशाल सिंह कोरंगा, नेहा ठाकुर, बंशीधर जोशी, सुन्दर भारतवासी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मंथन | केजीसीसीआई के प्रतिनिधिमंडल की विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ हुई बैठक

मंडी शुल्क एवं विकास उपकर घटाने की मांग

संवाददाता, काशीपुर

रुद्रपुर में कार्यक्रम के बाद पौधरोपण करते अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कुमाऊं गढ़वाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए मंडी शुल्क एवं विकास उपकर को घटाने सहित अन्य मांग की।

केजीसीसीआई के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को सिडकुल ऑफिस रुद्रपुर में बैठक की। इस दौरान केजीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष अशोक बंसल ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने मंडी शुल्क एवं विकास उपकर की दर घटाकर 1.5 प्रतिशत कर दी है, जबकि उत्तराखंड में यह 2.5 प्रतिशत है। यूपी में नए कृषि आधारित उद्योगों को मंडी शुल्क से छूट दी गई है, जिससे वहां निवेश आकर्षित हो रहा है। उन्होंने मांग की कि उत्तराखंड में भी मंडी शुल्क एवं विकास उपकर को घटा कर क्रमशः एक और 0.5 प्रतिशत किया जाए। जो भी प्रसंस्करण/विनिर्माण उद्योग दूसरे राज्यों से कृषि उत्पादों पर मंडी शुल्क एवं विकास उपकर देकर इन उत्पादों को उत्तराखंड राज्य में प्रसंस्करण/विनिर्माण के लिए लाते हैं, ऐसे कृषि उत्पादों पर पुनः मंडी शुल्क अथवा विकास उपकर नहीं लगना चाहिए। उन्होंने कहा कि उद्योगों के राज्य स्तर पर लागू औद्योगिक पॉलिसियों के अंतर्गत छूट दावों का निस्तारण अभी तक नहीं किया जा सका है, जिससे वित्तीय दबाव के कारण कई इकाइयां एनपीए की स्थिति में पहुंच चुकी हैं। अतः पॉलिसी के अंतर्गत पात्र इकाइयों के छूट दावों का यथाशीघ्र निस्तारण किया जाना चाहिए। इस अवसर पर सिडकुल के प्रबंध निदेशक सौरभ गहरवार, अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह, उपजिलाधिकारी मनीष बिष्ट, एसएसपी मणिकांत मिश्रा, केजीसीसीआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश कुमार मिड्ढा, महासचिव नितिन अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

साइबर सिक्योरिटी की दी जानकारी

काशीपुर: राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में साइबर सिक्योरिटी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंगलवार को आयोजित डॉ. रुचि कुलश्रेष्ठ ने कार्यक्रम की शुरुआत में आधुनिक डिजिटल परिवेश में साइबर सुरक्षा के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। इलेक्ट्रॉनिक्स सेवा एवं प्रशिक्षण केंद्र (ईएसटीसी) रुद्रपुर के प्रतिनिधि नयन ज्योति तालुकदार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, योजनाओं की जानकारी दी। मुख्य वक्ता मयंक पांडे ने साइबर सिक्योरिटी के विभिन्न आयामों, साइबर अपराधों के प्रकार, ऑनलाइन सुरक्षा उपायों, पासवर्ड प्रबंधन की अत्यंत प्रभावी एवं सरल रूप की जानकारी दी।

किन्नरों की मनमानी पर रोक लगाएं

संवाददाता, खटीमा

खटीमा में एसडीएम कार्यालय पर ज्ञापन सौंपते वार्डवासी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: त्रिदेव कॉलोनी, संजय कॉलोनी, सरस्वती कॉलोनी, वृंदावन कॉलोनी, जगदंबा कॉलोनी तथा वार्ड नंबर 19 खेतलसंडा खाम वासियों ने मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भेज कर किन्नरों द्वारा क्षेत्र में की जा रही अवैध वसूली व क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं का खुलासा करने की मांग की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी कार्यालय को सौंपा। ज्ञापन में कहा है कि क्षेत्र में कुछ दिनों पहले चोरियों की घटना घटित हुई थी जिनका अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। वहीं किन्नरों द्वारा क्षेत्र में अवैध वसूली का भी कार्य चल रहा है। किन्नर लोग गृह प्रवेश, शिशु जन्म, बच्चे का जनेऊ, रिटायरमेंट एवं शादी विवाह समारोह में आकर 51 हजार रुपये की मांग रखते हुए अपशब्दों का प्रयोग करते हैं। वहीं क्षेत्र में फेरी वाले, कबाड़ी वाले, बर्तन वाले अन्य कई प्रकार के लोग घूमते रहते हैं जिनकी वजह से कोई अनहोनी ना हो पाए इसलिए इनकी जांच पुलिस प्रशासन से कराए जाने की मांग की गई है। इस मौके पर सीएस पवार, आनंद सिंह, प्रेमचंद रजवार, नंदन सिंह परिहार, हिम्मत बिष्ट, प्रेमचंद, महेश जोशी, सुरेंद्र बिष्ट, राजू रावल, रेखा मेहरा, रिंकी बिष्ट, भावना रावल, सोनी राणा आदि शामिल थे।

ब्रीफ न्यूज

मंदिर में हुई चोरी का किया खुलासा

बनबसा : पुलिस टीम ने कुछ ही घंटों में मंदिर में हुई चोरी का किया खुलासा कर एक आरोपी को चोरी के कलश सहित गिरफ्तार कर लिया। बीते सोमवार को शंकर दत्त कापड़ी पुत्र इन्द्र दत्त कापड़ी निवासी ग्राम–देशीफार्म बनबसा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि ग्राम देशीफार्म में स्थित माता पूर्णागिरी मंदिर से मंदिर का कलश व दानपात्र चोरी हो गया है। जिस पर पुलिस द्वारा मुकदमा पंजीकृत किया गया था। थानाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कोरंगा ने टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने मंगलवार को देबू मण्डल पुत्र विकास मण्डल, वार्ड नंबर 5 नई बस्ती, बनबसा को गिरफ्तार कर अभियुक्त की निशानदेही पर चोरी का एक कलश (तांबे का) बरामद किया। पुलिस टीम में उप निरीक्षक अरविन्द कुमार, कांस्टेबल उमेश प्रसाद, भुवन भट्ट शामिल रहे।

पुलिस ने महिला वारंटी को किया गिरफ्तार

बनबसा : पुलिस ने फरार महिला वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम ने वारंटी आरोपी महिला सीमा पत्नी सतपाल, निवासी थाना सीमापुरी एसबीआई के निकट, जिला शाहदरा दिल्ली को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया। पुलिस टीम में उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह, महिला कांस्टेबल आशा शर्मा शामिल रहे।

नशा मुक्त अभियान के तहत जगह-जगह निकाली जागरूकता रैली

छात्र-छात्राओं ने युवाओं को दिया नशे से दूर रहने का संदेश, अल्मोड़ा में प्रभारी निरीक्षक ने साइबर अपराध से बचाव के तरीके बताए

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः मां अंबे इंस्टीट्यूट ऑफ़ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज की ओर से नगर के मुख्य बाजार क्षेत्र में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जनजागरूकता रैली निकाली गई। रैली का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और समाज को नशा मुक्त बनाने की दिशा में सामूहिक प्रयास को मजबूत करना था।

नंदा देवी मंदिर परिसर से शुरू हुई रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, फैकल्टी सदस्यों और संस्थान के अन्य कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने हाथों में नशा विरोधी संदेशों से भरे पोस्टर, बैनर और प्लेकार्ड लेकर नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया। रैली नगर के माल रोड, लिंक रोड, लोअर बाजार होते हुए विभिन्न मार्गों से गुजरकर लोगों को नशा छोड़ने का आह्वान करती रही। रैली के दौरान छात्रों ने "नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो", "युवा बदलेंगे देश की पहचान, नशा मुक्त बने हिंदुस्तान", "नशा नहीं रोजगार चाहिए" जैसे नारे लगाकर माहौल को जागरूकता से भर दिया।

नशा मुक्त अभियान के तहत अल्मोड़ा में जागरूकता रैली निकालते विद्यार्थी। ● अमृत विचार

टनकपुर गांधी मैदान में नशा उन्मूलन का दिया गया संदेश।

वक्ताओं ने कहा कि आधुनिक समय में नशे की लत युवाओं के भविष्य को सबसे अधिक प्रभावित कर रही है।

बताया कि संस्थान समय-समय पर समाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है, ताकि युवा पीढ़ी सही दिशा में आगे बढ़ सके। रैली का उद्देश्य केवल संदेश देना नहीं, बल्कि लोगों में नशा छोड़ने की प्रेरणा जगाना भी है। छात्रों ने बाजार क्षेत्र में व्यापारियों और आम लोगों से संवाद करते हुए उन्हें नशे के खतरों, इससे होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं, पारिवारिक विवादों और सामाजिक हानि के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने नशामुक्त भारत अभियान से जुड़ने का आग्रह करते हुए कहा कि समाज तभी स्वस्थ होगा जब युवा नशे से दूर रहेंगे। स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने रैली का स्वागत किया और इसे समाजहित में सराहनीय कदम बताया। रैली का समापन संस्थान परिसर में हुआ, जहां छात्रों को नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए आगे भी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दिलाया गया। रैली के दौरान कोतवाल योगेश चंद्र उपाध्याय द्वारा भी विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। जीवन में कभी भी नशा नहीं करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही साइबर अपराध अपराध, डिजिटल अरेस्ट, क्यूआर कोड स्कैम, ओटीपी स्कैम, एटीएम फ्रॉड, अंजान लिंक, फिसिंग आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देकर बचाव के उपाय बताए। यहां अध्यक्ष संदीप ठाकुर, उपाध्यक्ष डा. प्रीति पाल, करन नज्जौन, रजनीश, करन, मनीषा, कवीता, दीपक आदि लोग रहे।

अल्मोड़ा में युवाओं ने दौड़ लगाकर दिया नशा मुक्ति का संदेश

अल्मोड़ा : अल्मोड़ा में मंगलवार को क्रांस कंट्री दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें जूनियर बालक वर्ग में नितेश सिंह और बालिका वर्ग में गायत्री रावत पहले स्थान पर रहीं। वहीं, ओपन पुरुष वर्ग की दौड़ में सूरज कार्की और महिला वर्ग में मीनाक्षी बिष्ट ने बाजी मारी। नशामुक्त भारत अभियान के तहत खेल विभाग की ओर से जिला मुख्यालय में क्रांस कंट्री दौड़ आयोजित की गई। चौघानपाटा अल्मोड़ा से करबला, दुगालखोला, पुलिस लाइन से वापस होते हुए चौघानपाटा अल्मोड़ा में दौड़ का समापन किया गया। मेयर अजय वर्मा, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य रवि रौतेला, महासचिव बैंटमिंटन संघ बीएस मनकोटी, नगर अध्यक्ष भाजपा विनीत बिष्ट एवं मनोज जोशी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया गया। उप क्रीड़ाधिकारी अरुण बनग्याल ने बताया कि दौड़ में 150 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। बताया कि दौड़ दो ओपन और जूनियर वर्ग में आयोजित हुई। प्रथम 10 स्थान प्राप्त करने वाले धावकों को पुरुस्कार देकर सम्मानित किया गया। यहां हरीश कनवाल, सहायक प्रशिक्षक जीवन प्रकाश, वंदना भंडारी, कैलाश राम आर्या, हरीश गोस्वामी, विक्रम भंडारी, रीता बिष्ट, कैलाश सिंह मेहरा, करिश्मा नायक, योगेश कुमार, मदन कुमार आदि मौजूद रहे।

टनकपुर में छात्रों ने दिया नशा मुक्ति का संदेश

टनकपुर, अमृत विचार : नशा मुक्त भारत अभियान की पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर गांधी मैदान में समाज कल्याण विभाग चम्पावत द्वारा एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिकाध्यक्ष विपिन कुमार ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि दीपक रजवार रहे। कार्यक्रम के दौरान गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर से राष्ट्रीय समारोह का सजीव प्रसारण दिखाया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नशा मुक्ति के लिए संदेश वाचन किया गया। स्थानीय मंच पर जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं द्वारा नशा उन्मूलन पर केंद्रित आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। निबंध प्रतियोगिता, समूह नृत्य, नशा मुक्ति सामूहिक शपथ, हस्ताक्षर अभियान आदि गतिविधियों ने कार्यक्रम किया गया। सूचना विभाग के सांस्कृतिक दलों द्वारा नुक्कड़ नाटकों का प्रभावी मंचन किया गया। सभी छात्र–छात्राओं एवं लोगों द्वारा क्यूआर कोड के माध्यम से डिजिटल ई–शपथ भी ग्रहण की गई। मुख्य अतिथि दीपक रजवार विजेताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम संचालन नशा मुक्ति अभियान के समन्वयक त्रिलोचन जोशी द्वारा किया गया।

डीएम ने किया नाले का निरीक्षण

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद मंगलवार को आईएसबीटी के समीप बने नाले का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नाले पर लोगों की सुरक्षा के दृष्टिगत रास्ता बनाया जाएगा।

उन्होंने सिंचाई विभाग समेत संबंधित अधिकारियों से नाले के निर्माण, इसके प्राविधान और विभिन्न विषयों की जानकारी प्राप्त की। मौके पर कहा कि जनता की सभी जायज मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने मौके पर ही उपस्थित सिंचाई विभाग के अधिशाषी अभियंता को निर्देश दिए कि जहां तक नाले का प्राविधान है, वहां पर नाले का कार्य किया जाए और नाले के ऊपर आने जाने के लिए सीढ़ियों वाला रास्ता बनाया जाए। निर्देश दिए कि रास्ता बनाने के साथ-साथ आमजन की सुरक्षा की दृष्टि से रेलिंग भी बनाई जाए, जिससे लोगों को और अधिक सुरक्षा मिल सके। उन्होंने इस कार्य को तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए। साथ ही उपजिलाधिकारी को भी निर्देश दिए कि नाले पर बनने वाले रास्ते के कार्यों का अनुवीक्षण करें और रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रस्तुत करें। नगर निगम के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि नालों की सफाई नियमित रूप से की जाए जिससे लोगों को असुविधा का सामना न करना पड़े। डीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी कार्य प्रारंभ करने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जनता को कोई परेशानी न हो। यहां एसडीएम सदर संजय कुमार, अधिशाषी अभियंता सिंचाई विभाग मोहन सिंह रावत समेत स्थानीय लोग मौजूद रहे।

आईएसबीटी के समीप बने नाले का निरीक्षण करते जिलाधिकारी। ● अमृत विचार

सीवरेज निकासी के लिए सही प्रणाली विकसित करें

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः जिला गंगा सुरक्षा समिति की बैठक कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान गंगा एवं उसकी सहायक नदियों के संरक्षण, स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन समेत अन्य बिंदुओं पर चर्चा हुई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम अंशुल सिंह ने कहा कि गंगा नदी सिर्फ एक जलस्रोत नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और आस्था का केंद्र है। इसकी सहायक नदियों के संरक्षण के लिए सभी विभागों को समन्वित रूप से कार्य करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि नदियों में गंदगी, प्लास्टिक या अन्य अपशिष्ट डालने पर सख्त कार्रवाई की जाए। अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को और मजबूत करते हुए सीवरेज एवं नालों का उपचार सुनिश्चित किया जाए। डीएम ने संबंधितों को निर्देश दिए कि नगर अल्मोड़ा की सीवरेज निकासी की उचित प्रणाली विकसित करने के लिए कार्रवाई की जाए। नदियों में सीधे निकासी वाले नालों पर एसटीपी की स्थापना के लिए सर्वे किया जाए। इसके अलावा डीएम ने ग्रामीण क्षेत्रों में भी सीवेज ट्रीटमेंट पर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। डीएम ने कहा कि नगर निगम में समुचित साफ सफाई, कूड़ा उठान तथा कूडादानों का उचित प्रबंधन किया जाए। खुले में कूड़ा फेंकने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश भी अधिकारियों को दिए जाए। कहा कि कूड़ेदानों के पास सीसीटीवी स्थापित किए जाएं।

चित्रकला में युवाओं ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचारः राज्य बाल कल्याण परिषद, देहरादून के तत्वावधान में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, ताड़ीखेत में राज्य-स्तरीय बाल चित्रकला प्रतियोगिता के ब्लॉक-स्तरीय चरण का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, संवेदनशीलता और कला अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या रोज़ी नैय्यर एवं बीना तिवारी मुख्य प्रशासनिक अधिकारी द्वारा किया गया। ताड़ीखेत ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों से आए प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में पूरे उत्साह और लगन के साथ भाग लिया। बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता और कलात्मक प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विविध सामाजिक एवं पर्यावरणीय विषयों पर अपनी चित्रकला प्रस्तुत की। कार्यक्रम प्रभारी प्रकाश पपनै , मीनाक्षी बिष्ट रहे। निर्णायक मंडल मोहन लाटवाल, जीवन तिवारी व सुनीता बोरा ने सभी कृतियों का सूक्ष्म मूल्यांकन किया। जिसमें प्रथम स्थान पर ओम महंता राइका बंगोड़ा, द्वितीय स्थान पर तनुज कांडपाल

राइका नौगांव तथा तृतीय स्थान पर उपासना रावत राबाइका रानीखेत रहे। इन श्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय अगली प्रतियोगिता हेतु किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय में संकाय, स्टाफ एवं आयोजक समिति का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रानीखेत में राज्य स्तरीय बाल चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र। ● अमृत विचार

रानीखेत में कुमाऊं रेजीमेंट सेंटर में आयोजित पुलिस सम्मान समारोह में मौजूद ब्रिगेडियर संजय यादव, सेना अधिकारी व सम्मानित पुलिस अधिकारी व जवान।

चोरी का खुलासा करने पर पुलिस टीम सम्मानित

रानीखेत, अमृत विचार : यहां सेना क्षेत्र में हुई चोरी का त्वरित खुलासा करने वाली कोतवाली रानीखेत टीम को कुमाऊं रेजीमेंट सेंटर के ब्रिगेडियर संजय यादव ने स्मृति चिन्ह व प्रशंसा पत्र भेंट कर सम्मानित किया। गौरतलब है कि विगत माह 27 अक्टूबर को आर्मी एरिया में चोरी हुई थी। रांकित पुलिस ने चोरी का त्वरित खुलासा कर लगभग पौने चार लाख रुपये के चोरी का माल बरामद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस उपलब्धि पर कोतवाली रानीखेत व एसओजी के पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को आज मंगलवार को कुमाऊं रेजिमेन्ट सेन्टर रानीखेत के ब्रिगेडियर संजय कुमार यादव द्वारा एक सम्मान कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारी, जवानों को स्मृति चिन्ह व प्रशंसा पत्र भेंट कर उत्साहवर्धन किया गया। सम्मान पाने वालों में पुलिस टीम के प्रभारी निरीक्षक अशोक धनकड़, वरिष्ठ उप निरीक्षक कमाल हसन, उनि. बृजमोहन भट्ट, हेड कानि. अवेधश कुमार, कानि. अहसान अली, कानि. कमल गोस्वामी शामिल रहे।

गांजे के साथ दो युवक गिरफ्तार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः थाना देघाट और एसओजी टीम ने कालिंका पौड़ी व सराइखेत बार्डर क्षेत्र से कार में गांजा बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 25.300 किलो गांजा बरामद हुआ है।

ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन और नशे के विरुद्ध जीरो टालरेंस की नीति अपनाकर जनपद पुलिस का नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। मंगलवार को देघाट पुलिस और एसओजी टीम ने भाकुड़ा चौराहे पर चेकिंग अभियान चलाय। इस दौरान कार संख्या-यूपी-15-बीसी-5054 को चेक किया गया। चेक करने पर कार पर से 25.300 किलो ग्राम गांजा बरामद हुआ। जिसके बाद पुलिस ने कार सवार गजेंद्र शर्मा निवासी गांव बहादुरपुर थाना मुरादनगर उत्तर प्रदेश और सौरभ कुमार निवासी हसनपुर कला जिला मेरठ उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर आवश्यक कार्रवाई की। कार को भी सीज कर दिया। थानाध्यक्ष अजेंद्र प्रसाद ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गांजा कालिंका पौड़ी व सराईखेत बार्डर क्षेत्र से मेरठ ले जा रहे थे। इधर, एसएसपी देवेंद्र पींचा ने टीम को पांच हजार रुपये नगद इनाम देकर पुरस्कृत किया। यहां पुलिस टीम में कांस्टेबल उपेंद्र यादव, नीरज बिष्ट, हेड कांस्टेबल अवधेश कुमार, कांस्टेबल गणेश दत्त पांडेय शामिल रहे।

देघाट पुलिस की गिरफ्त में गांजा तस्करी के आरोपी। ● अमृत विचार

स्वदेशी उत्पादों को मिल रहा है बढ़ावा

टनकपुर : गांधी मैदान में आयोजित 7 दिवसीय सहकारिता मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले के दौरान लोक कलाकारों और स्कूल के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मैदान में लगे स्टॉलों में स्थानीय किसानों, महिला समूहों की सदस्यों के बनाए उत्पादों की प्रदर्शनी लगी। सहकारिता विभाग द्वारा स्टॉलों में रखे उत्पादों की बिक्री से उत्पादकों को अच्छा लाभ मिल रहा है।

सहकारिता मेले का आगाज 13 नवंबर को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया था। इस दौरान किसानों को बिना ब्याज के लोन बांटे गए। उप निबंधक संजीव सिंह ने बताया कि मेले के दौरान लगाए गए स्टॉलों से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, और किसानों के उत्पादों की अच्छी बिक्री हुई।

शिक्षक कांडपाल राष्ट्रीय जल पुरस्कार से सम्मानित

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः पहाड़ों में जल संरक्षण की मिसाल बन चुके कांडे गांव निवासी और आदर्श इंटर कॉलेज सुरइखेत के शिक्षक मोहन चंद्र कांडपाल को जल संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मंगलवार को नई दिल्ली विज्ञान भवन में 6 वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा यह सम्मान प्रदान किया गया।

बेस्ट इंडिविजुअल फॉर एक्सीलेंस इन वाटर सेक्टर श्रेणी में उत्तर भारत के वह एकमात्र शख्स रहें, जिन्हें यह सम्मान दिया गया है। गौरतलब है कि मोहन कांडपाल पिछले कई वर्षों से पानी बोओ– पानी उगाओ अभियान चला रहे हैं। शिक्षक कांडपाल को सम्मान मिलने पर द्वाराहाट विधायक मदन सिंह बिष्ट, पूर्व विधायक महेश नेगी, पुष्पेश त्रिपाठी, उपपा अध्यक्ष पीसी तिवारी, भाजपा नेता अनिल शाही, ब्लॉक प्रमुख आरती किरौला, व्यापार संघ अध्यक्ष भूपेंद्र कांडपाल आदि ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की है।

दिल्ली में शिक्षक मोहन कांडपाल को सम्मानित करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

शिविर

आकाश, मिट्टी, पानी, धूप व हवा को बताया उपचार के तत्व, प्रतिभागियों ने मिट्टी स्नान कर किया प्रतिभाग

तीन दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा महाकुंभ का समापन

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचारः नवयोग सूर्योदय सेवा समिति, केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (आयुष मंत्रालय, भारत सरकार) तथा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 8वां तीन दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा महाकुंभ विभिन्न कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर हजारों प्रतिभागियों ने प्राकृतिक चिकित्सा के सिद्धांतों के अनुरूप पूर्ण शरीर पर प्राकृतिक मिट्टी स्नान कर दिवस की सार्थकता को आत्मसात किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. मनमोहन सिंह चौहान, कुलपति, गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने कहा कि विश्वविद्यालय में जैविक एवं प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संचालित है, और प्राकृतिक चिकित्सा की अवधारणा में प्राकृतिक कृषि का विशेष महत्त्व है। विशिष्ट अतिथि अनिल कुमार जायसवाल सलाहकार, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि आकाश, मिट्टी, पानी, धूप एवं हवा यही प्रत्येक रोग का प्राकृतिक उपचार है, और यही स्वस्थ्य जीवन का मूलमंत्र भी है।

डॉ. अल्का गुप्ता, बैंकॉक (थाईलैंड) ने आज समावेशी, सुलभ एवं समग्र स्वास्थ्य अवसंरचना की आवश्यकता है। कार्यक्रम संयोजक योग गुरु नवदीप जोशी ने बताया कि तीन दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा महाकुंभ में लगभग 3200 आगंतुक, 900 निःशुल्क परामर्श लाभार्थी, 10 राज्यों के 130 प्रतिभागी, 26 प्रोफ़ेसर, 20 शोधार्थी, तथा 900 ऑनलाइन एवं ऑफलाइन सहभागियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। कार्यक्रम में 100 स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं ने सेवाएं प्रदान कीं।

इस अवसर पर डॉ. विक्रम सिंह (निदेशक, जे.एन.यू.), डॉ. धीरज कुमार जोशी (योग डिप्लोमेट, इराक), लीलाधर पाण्डेय (अध्यक्ष, सूर्योदय सेवा समिति), डॉ. देवीदत्त जोशी, डॉ. मंजरी जोशी, श्रीमती तीलधर पाण्डेय, सुरेश शर्मा, योगेन्द्र ज्याल, सुनील , जसवंत, भावना, खुशी, रेखा , दिशा, परशुराम, कुमुद , दिनेश आदि मौजूद रहे।

टनकपुर में शरीर पर प्राकृतिक मिट्टी स्नान कर प्रतिभाग करते प्रतिभागी। ● अमृत विचार

पंडित पद्मेश को अंतर्राष्ट्रीय सनातन धर्म गौरव सम्मान

संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः राष्ट्रीय ज्योतिष एवं अनुसंधान संस्थान के तत्वावधान में केसरबाग स्थित भातखंडे संस्कृति यूनिवर्सिटी में आयोजित ज्योतिष महासम्मेलन में पंडित के.ए. दुबे पद्मेश को अंतर्राष्ट्रीय सनातन धर्म गौरव सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में देशभर के अलावा 100 से अधिक विदेशी ज्योतिषियों ने भी भाग लिया। संस्था के अध्यक्ष आचार्य पंकज त्रिवेदी ने अतिथियों का स्वागत किया।

इससे पूर्व महासम्मेलन का उद्घाटन करते हुए पंडित के.ए. दुबे पद्मेश ने कहा कि मनुष्य की उत्पत्ति के साथ ही ज्योतिष की भी उत्पत्ति हुई। इसका उल्लेख अनेक ग्रंथों में भी है। भारतीय ज्योतिषियों ने ही विश्व मंच पर ज्योतिष के महत्व से परिचय कराया। महासम्मेलन में ज्योतिष मनीषी आचार्य इंदु प्रकाश के अलावा देश-विदेश के 246 ज्योतिष मनीषियों को भी सम्मानित किया गया। हॉलैंड के प्रभारी डा. बी. राधोइनह ने अगला ज्योतिष सम्मेलन मार्च में हॉलैंड में आयोजित करने की जानकारी दी।

मंच पर मौजूद सम्मानित ज्योतिषगण। ● अमृत विचार

अमृत विचार

बुधवार, 19 नवंबर 2025

एकांत सुंदर अनुभूति है। एकांत में होने का अर्थ अकेले होना नहीं है। इसका अर्थ है मस्तिष्क समाज द्वारा प्रभावित और प्रदूषित नहीं है।

–जे कृष्णामूर्ति, विचारक

सजा से सीख

बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल द्वारा वहां की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता विरुद्ध अपराधों में फांसी की सजा सुनाया जाना तकरीबन तय था। पहली वजह यह कि सत्तासीन रहते हुए उन्होंने अपने खिलाफ उठने वाली विपक्षियों की आवाज दबाने के लिए जो अमानवीय और आपराधिक अत्याचार किए थे, उसके खुले सबूत मौजूद थे। दूसरे, सत्ता परिवर्तन के बाद उनके विरुद्ध सियासी बदले तथा जनविरोधी रुझानों में अतिशय विस्तार ने भी संकेत दे दिए थे कि सत्ताच्युत हसीना के लिए परिस्थितियां अत्यंत प्रतिकूल हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ट्रिब्यूनल की निष्पक्षता, न्यायिक प्रक्रिया और राजनीतिक प्रतिशोध के तत्वों को लेकर गंभीर सवाल उठने और शेख हसीना द्वारा इस फैसले को 'राजनीतिक साजिश' बताए जाने, उनकी प्रतिक्रिया और इन दावों में दम होने के बावजूद कि जिस तरह मुकदमा चला, गवाही की गुणवत्ता और ट्रिब्यूनल के गठन में न्यायाधीशों के चयन पर प्रश्न चिह्न हैं, बांग्लादेश का जनमत फैसले के साथ दिखता है। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद प्रतिशोधात्मक राजनीति नई बात नहीं है और हसीना का मामला उसी प्रवृत्ति की ओर इशारा करता है। फिलहाल हसीना के पास अत्यंत सीमित विकल्प हैं। वे बड़ी अदालत में अपील के लिए बांग्लादेश नहीं जा सकतीं और वहां की राजनीतिक परिस्थितियां और उनके विरुद्ध गंभीर अभियोगों, उसके साक्ष्यों को देखते हुए न्यायिक राहत में भारी संदेह है। जहां तक हसीना के अब बांग्लादेश लौटने का प्रश्न है, यह लगभग असंभव लगता है। राजनीतिक प्रतिशोध, सुरक्षा जोखिम और सत्ता संरचना से उनका पूर्णतः हट जाना इसे नामुमकिन बना देता है।

हसीना और उनकी सरकार के पूर्व गृह मंत्री के भारत में मौजूद होने से पड़ोसी भारत के लिए भी स्थिति बेहद संवेदनशील है। एक तरफ उसे बांग्लादेश की वर्तमान सरकार से रिश्ते संभालने हैं, दूसरी तरफ लोकतांत्रिक मूल्यों, मानवाधिकारों और राजनीतिक प्रतिशोध विरोधी सिद्धांतों को भी बनाए रखना है। दोनों देशों के बीच प्रत्यार्पण संधि के बावजूद भारत के पास यह अधिकार है कि वह किसी भी व्यक्ति को राजनीतिक या दंडात्मक प्रतिशोध के खतरे की स्थिति में प्रत्यर्पित न करे। अंतर्राष्ट्रीय कानून भी इसे मान्यता देता है। ढाका की नई सरकार के साथ उसके रिश्ते तनाव में न पड़ें, इस भय से भारत हसीना को लौटा देगा, ऐसा नहीं लगता। उन्हें न लौटाने में भारत को कूटनीतिक लाभ भी है, वह विश्व को यह संदेश दे सकता है कि भारत प्रतिशोधात्मक राजनीति या संदिग्ध न्यायिक प्रक्रियाओं का समर्थन नहीं करता। भारत को अपनी 'नेबर फर्स्ट' नीति के तहत आज अत्यंत संतुलित रणनीति अपनानी होगी।

बांग्लादेश से रिश्ते बिगड़े तो उत्तरपूर्व में स्थिति गड़बड़ा सकती है। हसीना का मामला दक्षिण एशियाई राजनीति की उस पुरानी बीमारी को फिर उजागर करता है, जिसमें सत्ता परिवर्तन प्रतिशोधात्मक कार्रवाई का मौका लाता है। यह स्थिति भारत और पूरे क्षेत्र की सरकारों को यह सीख देती है कि विपक्ष के प्रति अतिशय कठोरता, संस्थाओं पर असंवैधानिक नियंत्रण और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के क्षरण का दुष्परिणाम सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों को कभी भी भुगतना पड़ सकता है।

प्रसंगवश

इंदिरा गांधी: गूंगी गुड़िया से आयरन लेडी तक

भारतीय राजनीति के व्यापक क्षितिज पर यदि किसी नेता का व्यक्तित्व अद्भुत दृढ़ता, निर्भीक निर्णय क्षमता और असाधारण नेतृत्व का प्रतीक बनकर उभरा तो वह निसंदेह इंदिरा गांधी थीं। वह केवल एक राजनेता नहीं थीं, बल्कि भारतीय जनमानस में विश्वास, सुरक्षा और सामाजिक संतुलन की प्रतिमूर्ति के रूप में प्रतिष्ठित थी। उनके भीतर एक ऐसी ज्वाला थी, जो कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी उन्हें अडिग बनाए रखती थी। उनका पूरा जीवन इस बात की मिसाल है कि किसी राष्ट्र का नेतृत्व केवल राजनीतिक चातुर्य से नहीं, बल्कि साहस, समर्पण और अदम्य इच्छाशक्ति से किया जाता है। इंदिरा गांधी का व्यक्तित्व जितना दृढ़ था, उतना ही संवेदनशील भी। आज पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती है।

श्वेता गोयल

लेखिका

पारिवारिक जीवन से लेकर राजनीति तक, उन्होंने उतने ही साहसिक निर्णय लिए, जितनी निर्भीकता से उन्होंने स्वयं को विपरीत परिस्थितियों में संभाला। भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में बचपन से ही जुड़ने वाली इंदिरा ने महज 13 वर्ष की आयु में 'वानर सेना' का गठन कर अपनी नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र प्रेम का परिचय दिया था। यह वही बालिका थी, जो आगे चलकर भारत की पहली और अभी तक की एकमात्र महिला प्रधानमंत्री बनीं।

1966 में जब एक युवा और अपेक्षाकृत अनुभवहीन महिला प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने पद संभाला, तब विश्व की बड़ी शक्तियां भी हैरान थीं। कई लोगों ने उन्हें 'गूंगी गुड़िया' के रूप में कमतर आंका, लेकिन यह वही इंदिरा थीं, जिन्होंने कुछ वर्षों में ही अपनी ऐसी छवि बनाई कि दुनिया उन्हें 'आयरन लेडी ऑफ इंडिया' कहने लगी। अमेरिकी मीडिया ने जिस सम्मान और गंभीरता से उनकी पहली अमेरिका यात्रा को कवर किया, वह उस समय किसी भी भारतीय नेता के लिए अभूतपूर्व था। उनका आत्मविश्वास, तेजस्विता और राजनीतिक परिपक्वता शीघ्र ही भारत की राष्ट्रीय पहचान बन गई।

इंदिरा गांधी के तीन निर्णय भारतीय राजनीति के इतिहास में स्थायी रूप से अंकित रहेंगे। 14 निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण, राजाओं के प्रिवीपर्स की समाप्ति और 1971 में पाकिस्तान पर निर्णायक विजय। इन तीन कदमों ने न केवल उनके अद्वितीय साहस का प्रमाण दिया, बल्कि भारत को नए आर्थिक, सामाजिक और भू-राजनीतिक मार्ग पर आगे बढ़ाया। बैंकों के राष्ट्रीयकरण ने देश की अर्थव्यवस्था को आम लोगों के अधिकार में लाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की। प्रिवीपर्स की समाप्ति ने भारत के गणतांत्रिक चरित्र को मजबूत किया और 1971 का युद्ध भारत की सैन्य और कूटनीतिक क्षमता का वैश्विक ऐलान था। इंदिरा के नेतृत्व में जन्मा बांग्लादेश न केवल क्षेत्रीय भू-राजनीति का नया आयाम था, बल्कि मानवता और जनचेतना का भी अन्यतम उदाहरण था।

वह विपक्ष या अंतर्राष्ट्रीय दबावों से कभी नहीं घबराती थी। संसद में उन्हें घेरना आसान नहीं था। इंदिरा ने जीवन के हर मोड़ पर संघर्ष को अपना साथी बनाया। उनका निजी जीवन भी राजनीतिक जीवन की भांति रोमांचक और जटिल था। फिरोज गांधी से विवाह पर पिता की नाराजगी झेलने से लेकर वैवाहिक मतभेदों के बीच अपनी पहचान बनाए रखने तक, इंदिरा ने हमेशा अपने निर्णय स्वयं लिए। फिरोज गांधी की 1960 में अचानक मृत्यु ने उन्हें भीतर तक तोड़ दिया लेकिन इस आघात के बावजूद उन्होंने खुद को संभाला और देश की राजनीति में अग्रसर रहीं। यह वही दौर था, जब केवल 41 वर्ष की आयु में वे कांग्रेस की अध्यक्ष बनीं और आगे चलकर देश की सत्ता का सबसे बड़ा दायित्व अपने हाथों में लिया।

कांग्रेस के लिए आत्मचिंतन का समय

दिग्विजय सिंह

कानपुर

हार का ठीकरा बार-बार चुनाव आयोग पर फोड़ने वाले कांग्रेस नेतृत्व के लिए बिहार की हार के बाद आत्मचिंतन का समय है। पार्टी को सांगठनिक सुधार की जरूरत है।

चुनावों में हार का ठीकरा बार-बार चुनाव आयोग पर फोड़ने वाले कांग्रेस नेतृत्व के लिए बिहार की हार के बाद आत्मचिंतन का समय है। भविष्य में तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी आदि राज्यों में चुनाव होने हैं। भाजपा पर सिर्फ वोट चोरी और चुनाव आयोग पर भाजपा की बी टीम होने का आरोप लगाकर जनता के बीच माहौल बनाने से अब सत्ता नहीं मिलने वाली है। यह बात कम से कम अब राहुल गांधी और उनकी पार्टी के सहयोगी दलों को समझ में आ जानी चाहिए। अब भी अगर मुद्दों की राजनीति से बचे तो शायद कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों को और बुरे दिन देखने के लिए तैयार रहना चाहिए। भाजपा 24 घंटे चुनाव मोड में रहती है। बूथ लेवल तक अपने संगठन को सक्रिय रखती है, लेकिन भाजपा को हटाकर सत्ता में काबिज होने का ख्वाब देखने वाले विरोधी दल ऐसा नहीं कर पा रहे हैं।

पहले ईवीएम में गड़बड़ी का मुद्दा कांग्रेस, सपा और अन्य विरोधी पार्टियां जोर शोर से उठाकर भाजपा और उसके सहयोगी दलों के विरुद्ध माहौल तैयार करतीं रहीं, लेकिन इस मुद्दे को जनता ने गंभीरता से नहीं लिया। जनता ने भाजपा को न सिर्फ उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली आदि राज्यों में सत्ता में बैठाया बल्कि केंद्र में तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री भी बनाया। ईवीएम में गड़बड़ी के आरोप नहीं टिके तो कांग्रेस और उसके सहयोगी भाजपा पर वोट चोरी का आरोप मढ़ने लगे। सड़क से संसद तक वोट चोरी का नारा गूंजा। अब यह नारा भी कमाल नहीं कर पाया।

ऐसे में अब जरूरत कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस जैसे दलों को आत्ममंथन करने की है। कांग्रेस का संगठन तो पूरी तरह से कमजोर है। न तो अब कांग्रेस का सेवादल कहीं दिखता है और न ही यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता ही सड़कों पर किसी मुद्दे को लेकर आंदोलन करते दिखते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संग के स्वयंसेवकों की तरह ही कभी कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ता बूथ स्तर तक सक्रिय दिखते थे, लेकिन आज न तो उनके शिविर कहीं दिख रहे हैं और न ही कांग्रेस के कार्यक्रमों में उनकी सक्रियता।

एसआईआर उत्तर प्रदेश समेत 12 राज्यों में लागू है। मतदाताओं के बीच बूथ लेवल अफसर घूम रहे हैं। घरों की कुंडी खटखटा रहे हैं, लेकिन उनके साथ कांग्रेस और अन्य दलों के बूथ लेवल एजेंट कहीं नहीं दिख रहे हैं, जबकि भाजपा के बूथ लेवल एजेंटों की भागीदारी साफ दिख रही है। वे फर्जी मतदाताओं के नाम न सिर्फ हटवाने का काम कर रहे हैं, बल्कि समर्थकों के नाम जुड़वाने के लिए उनके फार्म भी भरवा रहे हैं। उनके कार्य की निगरानी भी जिला स्तर के पदाधिकारी कर रहे हैं।

कांग्रेस पश्चिम बंगाल में सत्ता में वापसी का ख्वाब तो देखती है, लेकिन उसके कमजोर संगठन, नेताओं के बीच आंतरिक कलह का ही परिणाम है कि वहां भाजपा ने दूसरे नंबर की पोजीशन बना ली है और सत्ता में काबिज होने के लिए रात-दिन एक किए हुए है। 2021 में बंगाल में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली थी, जबकि भाजपा ने 77 सीटें जीतीं थीं। उसके पूर्व हुए चुनाव में भाजपा के पास सिर्फ तीन सीटें थीं, तब भी कांग्रेस ने सबक नहीं लिया था। भाजपा अब पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम लगाने जा रही है। बहाना तो वहां केंद्रीय योजनाओं के लोकापर्ण और शिलान्यास का होगा, लेकिन इसके जरिए वहां चुनाव की पिच तैयार की जाएगी। कांग्रेस ने न तो राहुल गांधी और न ही प्रियंका गांधी का कोई कार्यक्रम तय किया है।

तमिलनाडु में कांग्रेस और डीएमके गठबंधन की सरकार है। भाजपा वहां एआईडीएमके के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने जा रही है। कांग्रेस ने वहां 25 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उसे 18 सीटें मिलीं थीं, लेकिन हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के बाद बिहार में मिलीं हार के बाद अब कांग्रेस की बार्गेनिंग पॉवर कम हो जाएगी। कांग्रेस की कोशिश तमिलनाडु में ज्यादा से ज्यादा सीटें हथियानें की है, लेकिन उसकी कमजोर होती पकड़ को देख शायद ही डीएमके उसे 25 से ज्यादा सीटें दे। वैसे कांग्रेस में अब बिहार की हार के बाद आत्ममंथन के बजाय फिर से चुनाव आयोग पर हार का ठीकरा फोड़ दिया गया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता इससे नाराज हैं और वे अब राहुल गांधी पर सवाल भी उठा रहे हैं, लेकिन इसका फर्क दिख नहीं रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि कांग्रेस को पहले यूथ कांग्रेस और सेवा दल को मजबूत करना चाहिए। साथ ही कुछ मुद्दे भी छांटने चाहिए, जिनके सहारे वह जनता तक बंगाल, केरल आदि राज्यों में जनता के बीच जाए। वर्तमान सरकार की खामियां गिनाए और जीत का आधार तैयार करे, लेकिन फिलहाल जो हालात दिख रहे हैं, उससे तो नहीं लगता कि ऐसा होने जा रहा है। कांग्रेस नेतृत्व शायद ही वोट चोरी का मुद्दा छोड़े। भाजपा भी नहीं चाहती कि कांग्रेस इस मुद्दे से अलग हो, क्योंकि उसे पता है कि राहुल गांधी जितना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर व्यक्तिगत हमले करेंगे उसका लाभ भाजपा को मिलेगा।

राहुल गांधी और कांग्रेस को अब जनता के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाना चाहिए। निष्क्रिय संगठन को सक्रिय करना चाहिए और रूठे हुए नेताओं को मनाना चाहिए, ताकि जनता के बीच एकजुटता का संदेश जाए। सिर्फ वोट चोरी, ईवीएम में खराबी की लकीर पीटने से सत्ता तो नहीं मिलेगी। वरिष्ठ पत्रकार शैलेष अवस्थी कहते हैं कि राहुल गांधी को भाजपा की चुनावी रणनीति से सीखना चाहिए। उन्हें देखना चाहिए कि कैसे उसके पदाधिकारी और कार्यकर्ता एक-एक वोट के लिए संघर्ष करते हैं। जिन राज्यों में भाजपा सत्ता में नहीं है, वहां किस तरह सरकार के विरुद्ध जनता के मुद्दे भाजपा उठाती है।

आमने

चुनाव आते ही धमाकों की घटनाएं क्यों बढ़ जाती हैं? इसकी जांच होनी चाहिए। कुछ संगठनों की विचारधाराएं हिंसा को बढ़ावा देती हैं और उनके मुताबिक आरएसएस के भीतर भी ऐसे गुट हो सकते हैं, जिनकी सोच खतरनाक हो।

–हुसैन दलवई
कांग्रेस नेता

सामने

वो आतंकी नैरेटिव के स्पिन डॉक्टर हैं। कांग्रेस आतंकवाद को जायज ठहराने की कोशिश करती है। पहले महबूबा मुफ्ती, अब हुसैन दलवई यह लोग हमेशा आतंक को तर्क देकर धोने लगते हैं। वोट बैंक की राजनीति में इनकी राष्ट्रीय नीति दब जाती है।

–शहजाद पूनावाला
भाजपा प्रवक्ता

मुफ्त एआई सेवाओं के पीछे का अर्थशास्त्र

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर, जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा

आज एआई के संदर्भ में वही कहानी दुबारा लिखी जा रही है। ओटीटी ने हमारे खाली समय पर कब्जा किया था, एआई हमारे पेशेवर और बौद्धिक श्रम पर कब्जा कर रहा है।

भारत डिजिटल बदलाव के ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां तकनीक सिर्फ सुविधा नहीं रही, बल्कि भविष्य की सामाजिक–आर्थिक शक्ति का निर्णायक स्रोत बन चुकी है। इसी पृष्ठभूमि में पिछले कुछ समय में एक बेहद रोचक और महत्त्वपूर्ण प्रवृत्ति देखने को मिल रही है- चैटजीपीटी, जेमिनी, पर्प्लेक्सिटी जैसी कंपनियों द्वारा अपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेवाओं के तमाम प्रीमियम वर्जन भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए बड़े पैमाने पर मुफ्त उपलब्ध करा रही है। कंपनियां इस प्रयास को ज्ञान तक समान पहुंच और तकनीकी सशक्तिकरण की दिशा में क्रांतिकारी कदम के रूप में प्रचारित कर रही हैं, लेकिन तकनीक और बाजार के बीच की गहरी परतों को समझने वाले जानते हैं कि शून्य मूल्य प्रायः सबसे गहरा रणनीतिक निवेश होता है।

मुफ्त का मतलब लागतहीन नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से अग्रिम भुगतान है और इस कारण यह उदारता की कहानी कम और भविष्य की शक्ति के समीकरणों का निर्माण अधिक है। जब कोई सेवा शुरुआती चरण में मूल्य निर्धारण के दायरे में होती है, उपयोग के बदले एक निश्चित कीमत मांगी जाती है, तो उसका उपयोग स्वाभाविक रूप से सीमित और चयनित रहता है; लेकिन वही सेवा यदि मुफ्त दे दी जाए, तो उपयोगकर्ता उसे बिना किसी झिझक के अपनी दिनचर्या में शामिल करने लगते हैं। आज नोट्स तैयार करना, कंटेंट बनाना, प्रजेंटेशन बनाना, कोडिंग, शोध और निर्णय, सहायता, परीक्षाओं और इंटरव्यू की तैयारी, एआई इन सभी क्षेत्रों में सिर्फ सुविधा नहीं दे रही, बल्कि धीरे-धीरे काम करने की शैली को भी नया स्वरूप दे रही है।

यह परिवर्तन जितना दिखता है उससे कहीं अधिक गहरा है। यह सिर्फ सुविधा अपनाने का मामला नहीं, बल्कि कार्य–निर्भरता की शुरुआत है। एक बार कामकाजी आदतें तकनीक पर टिका दी जाएं, तो भविष्य में मूल्य निर्धारण पूरी तरह सेवा प्रदाता के नियंत्रण में आ जाता है। आज की शून्य कीमत और कल की अनिवार्य कीमत, दोनों की जड़ें इसी आदत निर्माण में छिपी हैं। आज जो 'मुफ़्त' दिखाई दे रहा है, वही कल 'अनिवार्य भुगतान' के रूप में सामने आने की पूरी संभावना रखता है और इसी संभावना को समझना तकनीकी युग की वास्तविक जागरूकता है।

यह महज संयोग नहीं है कि इस पूरी रणनीति का प्रमुख केंद्र भारत है। पश्चिमी देशों में प्रति उपयोगकर्ता राजस्व तो अधिक है, लेकिन कुल उपयोगकर्ता संख्या सीमित है। चीन अपने आंतरिक नियमों और स्थानीय इकोसिस्टम की वजह से विदेशी एआई कंपनियों के लिए लगभग बंद बाजार है। ऐसे में भारत सबसे विशाल, सबसे विविध और सबसे डेटा समृद्ध समाज के रूप में सामने आता है। यहां भाषाओं की बहुलता, सामाजिक संदर्भों की गहराई, उपभोक्ता व्यवहार की विविधता, शैक्षणिक और पेशेवर संवाद की बारीकियां, यह सब मिलकर एक ऐसा डेटा क्षेत्र बनाते हैं जो किसी भी वैश्विक एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए अमूल्य है। चैट और प्रॉम्प्ट की भाषा से लेकर निर्णय लेने के तार्किक क्रम तक, उपयोगकर्ताओं के कार्य करने के तरीके से लेकर उनकी रचनात्मक शैली तक, हर जानकारी मॉडल के प्रदर्शन, बुद्धिमत्ता और वाणिज्यिक मूल्य को मजबूत करती है। कागज पर उपयोगकर्ता को हजारों रुपये की प्रीमियम एआई सेवा मुफ्त मिलती दिखती है, लेकिन कंपनियों के लिए उपयोगकर्ता व्यवहार और भाषा पैटर्न का यह डेटा उससे कहीं अधिक मूल्यवान है, क्योंकि यही भविष्य की तकनीकी श्रेष्ठता की नींव है।

कुछ वर्ष पहले ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने टेलिकॉम कम्पनियों संग मिलकर बाजार में पैठ बनाने को यही मॉडल अपनाया था। नेटफ्लिक्स, हॉटस्टार, प्राइम वीडियो, जी, ऑल्ट जैसी तमाम ओटीटी सेवाएं मोबाइल रिचार्ज के साथ बांटी गईं। टेलीकॉम कंपनियों ने इंटरनेट सेवाएं भी न्यूनतम दाम पर उपलब्ध करवाईं, जिससे डेटा खपत खासी बढ़ गई और इसने उपभोक्ताओं के डेटा प्रयोग के व्यवहार को बदलने में खासी भूमिका निभाई, लेकिन कुछ समय बाद बाजार स्थिर होते ही डेटा महंगा हुआ, ओटीटी प्लांस की कीमतों में क्रमिक वृद्धि हुई और जहां शुरुआत में लाभ था, वहीं बाद में अनिवार्यता बन गई। उपभोक्ता बदलाव को महसूस तब कर सका, जब वह पूरी तरह एक ही इकोसिस्टम में बंध चुका था।

आज एआई के संदर्भ में वही कहानी दुबारा लिखी जा रही है और शायद कहीं अधिक गहरे असर के साथ। ओटीटी ने हमारे खाली समय पर कब्जा किया था, एआई हमारे पेशेवर और बौद्धिक श्रम पर कब्जा कर रहा है। जब मनोरंजन छोड़ना मुश्किल लगता है, तो एआई छोड़ना लगभग असंभव होगा, क्योंकि यह पालन–पोषण से लेकर शिक्षा तक, कौशल से लेकर रोजगार तक और निर्णय से लेकर रचनात्मकता तक जीवन के हर हिस्से में प्रवेश कर रहा है। काम करने के तरीके पर तकनीकी निर्भरता जैसे–जैसे स्थायी होती जाएगी, विकल्प बदलने की गुंजाइश उतनी ही कम होती जाएगी और बाजार पर नियंत्रण उतना ही अधिक केंद्रीकृत होता जाएगा। उस मोड़ पर वही उपयोगकर्ता, जो आज मुफ्त प्रीमियम एआई का आनंद ले रहे हैं, कल इस तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र की सबसे स्थिर आय बनेंगे।

सोशल फोरम

आपकी जिंदगी भी पढ़ सकता है जीपीएस

आज के समय में हमारा स्मार्टफोन केवल हमारी लोकेशन नहीं ट्रैक कर रहा, बल्कि उससे भी कहीं आगे जाकर हमारी दिनचर्या, गतिविधियां और आसपास का माहौल भी समझ सकता है। यह बात आईआईटी दिल्ली के एक हालिया अध्ययन में सामने आई है, जिसने एंड्रॉइड फोन के GPS डेटा की छिपी क्षमता को उजागर किया है।

अक्सर हम सोचते हैं कि GPS केवल हमें बताता है कि हम कहां हैं, लेकिन IIT दिल्ली के शोधकर्ताओं ने पाया कि फाइन-ग्रेन GPS डेटा यानी सैटेलाइट सिग्नल की छोटी-छोटी झलकियां जैसे डॉपलर शिफ्ट, सिग्नल पॉवर और मल्टीपाथ इंटरफेरेंस उपयोग करके फोन यह भी अनुमान लगा सकता है कि आप अकेले हैं या किसी के साथ। आप बैठ रहे हैं, खड़े हैं या चल रहे हैं। आप किस प्रकार की बिल्डिंग में हैं, कौन सा कमरा है, लिफ्ट कहां है, सीढ़ियां कहां हैं।

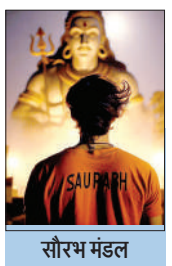

सौरभ मंडल

लेखक

शोधकर्ताओं ने इसे AndroCon नाम दिया और दावा किया कि यह तकनीक 99% तक सटीकता से आपके आस-पास के माहौल का पता लगा सकती है और 87% सटीकता से आपकी गतिविधियों को पहचान सकती है।

कैसे संभव है यह सब? जैसा कि शोध में बताया गया है, GPS केवल आपके स्थान की जानकारी ही नहीं भेजता। जब सिग्नल इमारतों, लिफ्टशाफ्ट या सीढ़ियों से टकराता है, तो वह 'मल्टीपाथ' इफेक्ट पैदा करता है। इन छोटे बदलावों को मशीन-लर्निंग मॉडल पढ़ सकते हैं और अंदाजा लगा सकते हैं कि आप किस जगह पर और किस स्थिति में हैं।

सिर्फ लोकेशन परमिशन देना भी काफी है। ऐप्स को यदि precise location की अनुमति मिल जाए, तो वह बिना कैमरा या माइक्रोफोन इस्तेमाल किए भी यह सब अनुमान लगा सकता है।

क्या यह सच में खतरनाक है? इस शोध से यह साफ हुआ कि GPS केवल 'जहां' तक सीमित नहीं है। यह आपके फोन के लिए एक गुप्त सेंसर बन सकता है। हालांकि, यह अध्ययन नियंत्रित परिस्थितियों और सीमित फोन मॉडल्स पर किया गया था। मतलब यह नहीं कि हर ऐप, हर फोन पर यह तकनीक पूरी तरह काम करेगी, लेकिन इसने एक चेतावनी जरूर दी है। हमारी रोजमर्रा की लोकेशन अनुमति हमारे बारे में बहुत कुछ उजागर कर सकती है।

सामयिकी

संकट में शेख हसीना और भारत का रुख

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सोमवार को जब ढाका की एक अदालत ने मौत की सजा सुनाई ,तब वो नई दिल्ली के अपने आवास में सुरक्षित बैठी थीं। उन्हें इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने जुलाई 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हुई हत्याओं का मास्टरमाइंड बताया। वहीं दूसरे आरोपी पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान को भी 12 लोगों की हत्या का दोषी माना और फांसी की सजा सुनाई। शेख हसीना नई दिल्ली के एक अज्ञात स्थान पर हैं। सुरक्षा कारणों से उनके आवास की जानकारी गुप्त रखी गई है। वो अपने देश में पिछले साल हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद आनन-फानन में नई दिल्ली आ गई थीं।

विवेक शुक्ला

पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

शेख हसीना ने बीते दिनों भारत के कुछ खास अखबारों को इंटरव्यू देते हुए अपने देश की सरकार की निंदा भी की थी। उन्हें भले ही सजा सुना दी गई है, पर शेख हसीना भारत की राजधानी नई दिल्ली में सुरक्षित हैं। फिलहाल तो उनके अपने देश में वापस जाने की कोई संभावना भी नहीं है। देखा जाए तो दिल्ली उनके लिए दूसरे घर की तरह है, क्योंकि 1975 से 1981 तक छह साल उन्होंने यहीं निर्वासन में बिताए थे।

उन दिनों शेख हसीना नई दिल्ली पंडारा पार्क में रहती थीं। उनके पति डॉ. एमए वाजेद मियां (परमाणु वैज्ञानिक) और दोनों बच्चे भी साथ थे। उनके पड़ोस में ही भाजपा के दिग्गज नेता लाल कृष्ण आडवाणी भी रहा करते थे। तब समय काटने के लिए शेख हसीना ने आकाशवाणी की बांग्ला सेवा में काम करना भी शुरू कर दिया था। वरिष्ठ पत्रकार मनमोहन शर्मा याद करते हैं, " शेख हसीना उस दौर में नियमित रूप से संसद मार्ग स्थित आकाशवाणी भवन में आया करती थीं।"

दरअसल 15 अगस्त 1975 को ढाका के धानमंडी स्थित घर में उनके पिता बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान, मां और तीन भाइयों की हत्या कर दी गई थी। उस वक्त शेख हसीना अपने पति और बच्चों के साथ जर्मनी में थीं, इसलिए बच गईं। परिवार के नरसंहार से वे पूरी तरह टूट चुकी थीं। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें भारत में राजनीतिक शरण दी। इंदिरा और मुजीबुर्रहमान के बीच गहरे व्यक्तिगत संबंध थे।

आज, जब वो फिर से नई दिल्ली में हैं, तो यह इतिहास का एक विडंबनापूर्ण दोहराव लगता है। 2024 का वह काला साल था, जब बांग्लादेश की सड़कों पर छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। उस आंदोलन ने जल्द ही पूरे देश को जकड़ लिया। सरकार ने सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण को बनाए रखने का फैसला किया था, जो स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के परिजनों के लिए था। छात्रों ने इसे अन्यायपूर्ण बताते हुए विरोध शुरू किया, लेकिन हसीना सरकार ने इसका दमनकारी जवाब दिया। आज की सजा उसी हिंसा का परिणाम है। ढाका की अंतर्राष्ट्रीय अपराध ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने हसीना को 'जनसंहार' और 'मानवता के खिलाफ अपराधों' का दोषी ठहराया।

बांग्लादेश सरकार ने उनके प्रत्यर्पण के लिए भारत से औपचारिक अनुरोध किया है, लेकिन भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि यह मामला संवेदनशील है और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया जाएगा। हसीना के वकील अब अपील की तैयारी कर रहे हैं, जो बांग्लादेश की सर्वोच्च अदालत में होगी। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, संयुक्त राष्ट्र और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। क्या भारत उन्हें सौंपेगा? विशेषज्ञों का मानना है कि नहीं, क्योंकि यह भारत की शरण नीति का उल्लंघन होगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा** * 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

कहानी 'किस्सागोई' की

पूरी दुनिया में किस्सागोई फिर से पॉपुलर हो रही है। विश्व में किस्सागोई अलग-अलग फार्मेट में हजारों साल पहले से मौजूद है। अपने देश भारत में चौपाल और चौबारों में किस्सागोई का खूब ट्रेंड था। सर्दियों में अलाव के किनारे देर रात तक किस्से कहे और सुने जाते थे। साथ में अलाव में भुने आलू और गंजी (रतालू) अलग ही मजा देती थी। इसे आर्ट फार्म में दुनियाभर में मकबूल करने का श्रेय ईरान को जाता है। ईरान ने इसे एक नया रूप और अंदाज दिया। ईरान के किस्सागो मुगलों के जमाने में भारत आए। यह दरबार में बादशाहों को अपने दिलचस्प अंदाज में किस्सा सुनाया करते थे। इस तरह यह परंपरा बादशाहों के दरबारों से लेकर आम घरों तक फैली। पिछले दिनों बरेली में किताब उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें लखनऊ के किस्सागो हिमांशु वाजपेयी भी आए। इस मौके पर उनसे किस्सागोई पर औपचारिक बातचीत हुई।

कुमार रहमान
बरेली

क्या होती है किस्सागोई

'किस्सा' का अर्थ है कहानी और 'गोई' का मतलब होता है कहना। इस तरह किस्सागोई का मतलब 'कहानी कहना' है। यह तो हुआ शाब्दिक अर्थ, लेकिन सिर्फ कहानी कह देना ही किस्सागोई नहीं है। कहानी को एक खास अंदाज में कहना या सुनाना ही किस्सागोई है। इसमें रवानी के साथ बयानी बहुत अहम तत्व है। साथ ही सुनाने का अंदाज ऐसा हो, जिसमें कल्पना, कौतूहल और नाटकीयता का भरपूर समावेश भी होना चाहिए। अगर यह सारे तत्व नहीं होंगे, तो वह महज सपाटबयानी ही कहलाएगी और सुनने वाले को जरा भी मजा नहीं आएगा।

हिमांशु वाजपेयी

भारत में कहानियां

बतकही के तौर पर भारत में कहानी सुनाने का इतिहास पुराना है। हिमांशु कहते हैं, "भारत कहानियों की पुरानी पीठ है। गुणाढ्य ने 'बृहत्कथा' लिखी थी। इस महाकाव्य में कहानी कही गई है। बाद में सोमदेव ने 'कथा सरित सागर' नाम से एक रचना की। इस किताब में सैकड़ों की तादाद में कहानियां हैं।" हिमांशु की मानें तो 'अलिफ लैला' या 'अरेबियन नाइट्स' की कहानियां 'कथा सरित सागर' से ही प्रेरित हैं।

किस्सागोई और ईरान

किस्सागोई दुनियाभर में ईरान से पहुंची। ईरान ने इसे क्लासिकी में ढाला और इसे कलात्मक अंदाज में पेश किया। अमीर हमजा की कहानियां फारसी से उर्दू में आईं, जिन्हें किस्सागोई के तौर पर पेश किया जाने लगा। इसी तरह से बागो-बहार उर्फ किस्सा चहार दरवेश भी अपने जमाने में किस्सागोई के तौर पर बहुत लोकप्रिय रहीं।

लखनऊ के आखिरी दास्तानगो

हिमांशु वाजपेयी जैसे लोग लखनऊ में फिर से किस्सागोई को लोकप्रिय बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि लखनऊ के आखिरी किस्सागो मीर बाकर अली थे। वह बड़े खास अंदाज में कहानियां सुनाया करते थे। लोग पैसे देकर, उनसे किस्सा सुना करते थे। बाद में मनोरंजन के दूसरे साधन आ गए, तो यह फार्मेट धीरे-धीरे खत्म होने लगा। हिमांशु ने बताया कि बाद में बाकर अली को काम मिलना भी बंद हो गया। बाद के दिनों में वह गुजर-बसर के लिए छालियां (पान की डली) बेचा करते थे।

किस्सागोई और दास्तानगोई में फर्क

बातचीत में हिमांशु वाजपेयी बताते हैं कि किस्सागोई और दास्तानगोई में फर्क होता है। किस्सागोई में एक छोटी कहानी होती है, जबकि दास्तानगोई में लंबी कहानी होती है। यानी इसमें कई छोटी-बड़ी घटनाओं का समावेश होता है। इन तमाम घटनाओं को नाटकीय तरीके से इस तरह से पेश किया जाता है कि सुनने वाले को भरपूर मजा मिल सके।

अमीर खुसरो पहले दास्तानगो

दुनियाभर में लिखावट से पहले सुन और याद करके ही तमाम ज्ञान और

कहानियां एक-पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचती रही हैं। गांवों में चौपालों-चौबारों और खेत-खलिहानों में बैठकी के दौरान मजेदार अंदाज में कहानी सुनाने का इतिहास बहुत पुराना है। हिमांशु ने बताया कि भारत के पहले दास्तानगो अमीर खुसरो थे। उन्होंने हजरत निजामुद्दीन औलिया को दास्तान सुनाई थी। इस तरह से इसके आर्ट फार्म की शुरुआत हुई।

यूथ में साहिर सबसे ज्यादा पॉपुलर

हिमांशु देश के तमाम हिस्सों में किस्सागोई के लिए जाने जाते हैं। एक सवाल पर उन्होंने बताया कि वह ज्यादातर फ्रीडम फाइटर या आजादी की जंग पर किस्से सुनाते हैं। उनका मकसद है नई पीढ़ी को क्रांतिकारियों और आजादी की लड़ाई से परिचित करना। इसके अलावा वह हिंदी और उर्दू के लेखकों के बारे में भी किस्से सुनाते हैं। मजाज लखनवी पर भी वह किस्सागोई करते हैं। वह कहते हैं कि युवाओं के बीच में साहिर लुधियानवी के किस्से खासा मकबूल हैं।

लखनऊ और उत्तराखंड: प्रवासी समाज की साझा सांस्कृतिक विरासत

कभी उत्तर प्रदेश के पर्वतीय अंचल के नाम से जाना जाने वाला वर्तमान का उत्तराखंड राज्य आज बहुत तेजी से वर्तमान में बीजेपी के युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में अपने मूल स्वरूप देव संस्कृति अथवा उत्तराखंड की सनातन संस्कृति की जड़ों की ओर लौट रहा हैं, लेकिन उत्तराखंडी निवासियों एवं प्रवासी बंधुओं का आजादी के पहले से स्वतंत्रता आंदोलनों में तथा उसके बाद आजादी के बाद के भौगोलिक राजनैतिक तथा सामाजिक परिदृश्य में उत्तर प्रदेश और उसकी राजधानी लखनऊ से हमेशा से एक गहरा नाता रहा है, जो कि आज एक बड़ी विरासत के रूप में हमारे सामने है। कभी एक समय विकास से कोसों दूर रहे उत्तराखंड के सुदूर पहाड़ी अंचलों के कठिनाई भरे जीवन ऊबड़-खाबड़ पथरीले रास्तों में जीवन की डगर बहुत मुश्किल थी, ऐसे में आजादी के पहले से ही उत्तराखंड के मूल निवासियों का रोजी, रोटी, रोजगार की तलाश में अपनी जमीन से लगातार पलायन होने से राजधानी दिल्ली सहित देश के कोने-कोने में जाकर बसने वाले के एक नए प्रवासी उत्तराखंडी समाज का निर्माण हुआ, जो देश विभिन्न राज्यों में स्थित प्रमुख शहरों में अपने बच्चों के अच्छे भविष्य, बेहतर शिक्षा तथा मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बसने लगा, पहाड़ की संस्कृति और पहचान से विशेष अनुराग होने के कारण प्रवासी उत्तराखंडी समाज हमेशा सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से अपनी जड़ों से जुड़ा रहा है।

मोहन सिंह बिष्ट
समाजसेवी

राष्ट्र के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण तथा राष्ट्रीयता की भावना से ओत-प्रोत स्वभाव से सीधे सरल, मेहनती और ईमानदार होने के कारण धीरे-धीरे बड़ी संख्या में उत्तराखंडी प्रवासी समाज के लोग, देश की गौरवशाली सेना सहित, समाज के विभिन्न क्षेत्रों सामाजिक, राजनैतिक, कला, साहित्य, सिनेमा शिक्षा, खेल जगत, व्यवसाय, नौकरी तथा प्रशासनिक सेवा इत्यादि में देश के विकास और समृद्धि के लिए निरंतर अपना महत्वपूर्ण योगदान देने लगे, जो आज भी बदस्तूर जारी है। उत्तर प्रदेश का ही अंग होने के कारण राजधानी लखनऊ के विकास और समृद्धि में भी उत्तराखंडी प्रवासी बंधुओं के महत्वपूर्ण योगदान को नकारा नहीं जा सकता है। आज भी एक अनुमान के अनुसार लगभग 5 लाख से अधिक संख्या में लखनऊ की दो लोकसभा सीटों के अंतर्गत आने वाले 9 विधानसभा क्षेत्रों में उत्तराखंडी प्रवासी बंधुओं की बस्तियां हैं, जिसमें बड़ी संख्या में उत्तराखंड के प्रवासी बंधु बहुत ही प्रेम और सौहार्द से रहते हैं। पर्वतीय समाज की उपलब्धि और योगदान इसी बात से परिलक्षित होता है कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल भी इसी उत्तराखंडी प्रवासी समाज से ही आते हैं। इसके अलावा लखनऊ में प्रवासी उत्तराखंडी समाज की जड़े गहरे तक अपनी पैठ बनाए हुए हैं।

उत्तराखंडी प्रवासी बंधुओं का उत्तराखंड के क्षेत्र से पलायन कर देश के मैदानी क्षेत्रों बसने के समय और उद्देश्य को तीन काल खंडों और प्रमुख आवश्यकताओं के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। प्रथम 40 से 60 के दशक में रोजी-रोजगार प्रमुख आवश्यकता जीवनयापन की विभीषिका से रोटी के लिए जद्दोजहद थी। दूसरा 70 से 90 का दशक अच्छी शिक्षा रोजगार और परिवार के अच्छे भविष्य के लिए स्थाई निवास की जद्दोजहद थी तथा 90 के दशक के अंतिम वर्षों में उत्तराखंड अलग राज्य की मांग ने जोर पकड़ा और लखनऊ का उत्तराखंडी प्रवासी समाज की उत्तराखंड राज्य आंदोलन के समर्थन में कूद पड़ा।

9 नवंबर सन् 2000 में उत्तराखंड को अलग राज्य का दर्जा मिला। 2000 से 2020 के दशक में वर्तमान तक सांस्कृतिक सामाजिक उत्थान और ऊंचे-ऊंचे सपनों को पंख लगना तथा उत्तराखंडी प्रवासी समाज में उच्च पद और सामाजिक सम्मान पाने की जद्दोजहद में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ भी इससे अछूता नहीं रहा है। 40 से 50 के दशक में, जहां एक ओर पूरे देश में उत्तराखंडी प्रवासी समाज के लोगों ने समाज के हर क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित की है, बल्कि देश में विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्थान बनाया। वहीं राजधानी लखनऊ में भी प्रवासी बंधु सामाजिक संस्कृतिक सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों से स्थानीय समाज के लोगों को भी आकर्षित करते रहते हैं।

प्रवासियों की आने वाली पीढ़ी के लिए धरोहर

उत्तराखंड की संस्कृति और समाज, सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से समृद्ध और हमेशा से अपनी संस्कृति के प्रति सजग और समर्पित रहा है, जिसके फलस्वरूप लखनऊ में निवास करने वाले उत्तराखंडी प्रवासी बंधु क्षेत्र के विकास के लिए कभी भी केवल सरकार पर आश्रित नहीं रहे, बल्कि अपनी संस्कृति के प्रदर्शन और सामाजिक सांगठनिक एकता के बल पर अपने स्वयं के प्रयासों से लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों में उनके द्वारा बनाए गए सामुदायिक केंद्र, संगठनों के भवन और भव्य मंदिर तथा देवालय पूरे क्षेत्र के स्थानीय और प्रवासी बंधुओं को लाभान्वित करते हैं। इनकी स्थापना करने वाली लगभग अधिसंख्य प्रवासी विभूतियां आज हमारे बीच में नहीं हैं, लेकिन वर्तमान समय में उनकी पीढ़ी, उनकी धरोहर को बखूबी संभाल रही है। इन सभी के माध्यम से आगे आने वाली पीढ़ी को उनके पूर्वजों द्वारा दी गई धरोहर को संभालने के लिए प्रशिक्षित भी कर रही है।

उत्तराखंडी प्रवासी समाज की विरासत

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ उत्तराखंडी प्रवासी समाज और संस्कृति की लंबी विरासत की गवाह है। आजादी से पहले चाहे लखनऊ हुए में स्वतंत्रता आंदोलनों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग हो, सुदूर उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों को छोड़कर रोजी-रोटी की जद्दोजहद से अपनी कड़ी मेहनत और ईमानदारी के बल पर सुंदर उत्तराखंडी संस्कृति और समाज की रचना हो अथवा आज सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बने विभिन्न उत्तराखंडी संगठनों के अपने निजी प्रयासों से खड़े सुंदर-सुंदर भवन और भव्य मंदिर-देवालय हों तथा इसके अलावा लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों में फैली उत्तराखंडी प्रवासी बंधुओं के संघर्ष समर्पण और हाड़-तोड़ मेहनत से बसाई गई प्रवासी बस्तियां हो, समाज के प्रबुद्ध वर्ग, जिसने साहित्य कला-संगीत के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के आयोजनों और पुस्तक की रचना से लखनऊ को कला और सांस्कृतिक रूप समृद्ध किया। आजादी के पहले संयुक्त प्रांत के प्रधानमंत्री तथा आजादी के बाद नवगठित उत्तर प्रदेश राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बने अपने राजनैतिक कौशल, जनता के लिए समर्पित जुझारू तथा आमजन में लोकप्रिय 'भारत रत्न' पं. गोविंद बल्लभ पंत, वीरचंद सिंह गढ़वाली, जन लोकप्रिय राजनेता पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा, विकास पुरुष एवं पूर्व मुख्य मंत्री स्व. नारायण दत्त तिवारी सहित समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत विभूतियां, जो आज हमारे बीच नहीं हैं। लखनऊ पीढ़ी-दर-पीढ़ी उत्तराखंडी संस्कृति एवं लोगों की सक्रियता और समर्पण से और अधिक तेजी से विकसित व समृद्ध हुआ। आज ये सभी राजधानी लखनऊ में आने वाली पीढ़ी को उत्तराखंडी प्रवासी बंधुओं की दी हुई विरासत है। इसके अलावा वर्ष भर कला-संस्कृति और साहित्य के क्षेत्र में बड़े-बड़े आयोजनों विभिन्न क्षेत्रों में उत्तराखंडी शैली में श्री रामलीलाओं का मंचन हो अथवा बड़े-बड़े मेले महोत्सव, जिसमें प्रमुख रूप से प्रत्येक वर्ष होने वाले उत्तरायणी मेला, उत्तराखंड महोत्सव और मुनाल महोत्सव से साथ-साथ विभिन्न साहित्यिक और समाज समागम से लखनऊ का संपूर्ण जनमानस जुड़ता है। सभी आयोजनों में तन-मन और धन से प्रतिभाग भी करता है। स्थानीय संस्कृति और उत्तराखंड की संस्कृति एवं लोग मानो एक ही रंग में रंग गए हों।

आर्ट गैलरी

पिकासो की 'फेम ए ला मोंट्रे'

पॉब्लो पिकासो की पेंटिंग 'फेम ए ला मोंट्रे' (Femme la montre), जिसे अंग्रेजी में Woman with a Watch यानी घड़ी वाली महिला के नाम से भी जाना जाता है। यह उनकी प्रसिद्ध कृतियों में से एक है। यह पिकासो की प्रेमिका मैरी-थेरेस वाल्टर का एक चित्र है, जिसे उन्होंने 1932 में कैनवस पर उकेरा था। पेंटिंग में पिकासो की प्रेमिका वाल्टर नीले रंग की पृष्ठभूमि के सामने एक सिंहासन जैसी कुर्सी पर बैठी दिखाई देती है। यह पेंटिंग पिकासो की 'सुनहरी म्यूज' (golden muse) मैरी-थेरेस वाल्टर को दर्शाती है। 1932 पिकासो और वाल्टर के भावुक रिश्ते का चरम था। यह चित्र पिकासो की विशिष्ट क्यूबिस्ट शैली और उनके चित्र-निर्माण के बेहतरीन उदाहरणों में से एक है। इसमें चमकीले रंगों और सुडौल वक्रों (voluptuous curves) का उपयोग करके वाल्टर की सुंदरता को दर्शाया गया है। नवंबर 2023 में, न्यूयॉर्क में सोथबी (Sotheby's) की नीलामी में 'फेम ए ला मोंट्रे' 139 मिलियन डॉलर (लगभग 11.57 अरब रुपये) से अधिक में बिकी। यह नीलामी में बिकने वाली पिकासो की दूसरी सबसे महंगी कलाकृति बन गई।

पॉब्लो पिकासो के बारे में

पॉब्लो पिकासो स्पेनिश स्पेनिश चित्रकार, मूर्तिकार, प्रिंटमेकर और सिरेमिक कलाकार थे। उनका जन्म 1881 में हुआ और निधन 1973 में। उनकी गिनती दुनिया के प्रसिद्ध चित्रकारों में होती है, जिनकी एक-एक पेंटिंग करोड़ों-अरबों रुपये में बिकती है। पिकासो ने अपने जीवनकाल में 20,000 से ज्यादा कृतियां रचीं। उनकी कलात्मक यात्रा विभिन्न कालखंडों से गुजरी। भावनात्मक रूप से आवेशित ब्लू एरा से लेकर पिंक एरा तक। क्यूबिज्म की ज्यामितीय सफलताओं और उनके बाद के सिरेमिक कार्यों तक, जो उनके आजीवन प्रयोग की भावना को दर्शाते हैं। उनकी प्रतिष्ठित पेंटिंग 'फेमे आ ला मोंट्रे' ने 2023 में सोथबी में 139 मिलियन डॉलर की रिकॉर्ड कीमत हासिल की, जो उनकी उत्कृष्ट कृतियों की स्थायी मांग को रेखांकित करती है। चित्रकला के अलावा, पिकासो ने प्रिंट, रेखाचित्र और चीनी मिट्टी की वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला तैयार की। उनकी कला आंदोलनों, देशों और दशकों तक फैली हुई है, जिसमें अंतरंग चित्रों से लेकर 'ग्वेर्निका' जैसे साहसिक राजनीतिक बयानों तक, सब कुछ समाहित है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,673.02	25,910.05
गिरावट	277.93	103.40
प्रतिशत में	0.33	0.40

सोना 1,25,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,56,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, बुधवार ,19 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजिनेस ब्रीफ

डीजीसीए ने इंडिगो पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उदयपुर हवाई अड्डे पर इंस्ट्रूमेंट उड़ान प्रक्रिया से संबंधित उल्लंघन के लिए इंडिगो पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने मंगलवार को बीएसई को जुर्माने की जानकारी देते हुए कहा कि कंपनी की वित्तीय स्थिति, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। कंपनी ने कहा, जुर्माना, कंपनी द्वारा उदयपुर हवाई अड्डे के लिए तैयार की गई स्टैंडर्ड इंस्ट्रूमेंट डिपार्चर (एसआईडी) इंस्ट्रूमेंट उड़ान प्रक्रिया (आईएफपी) को लागू करने से संबंधित है।

श्रीलंका को एडीबी से 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता

कोलंबो। श्रीलंका ने आर्थिक स्थिरता को समर्थन देने के वास्ते एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के समझौते करने की मंगलवार को जानकारी दी। श्रीलंका के वित्त मंत्रालय ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र की स्थिरता एवं सुधार, व्यापक आर्थिक मजबूती व पारदर्शिता को मजबूत करने तथा पर्यटन क्षेत्र के सतत विकास कार्यक्रम के लिए 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की तीन किस्तों में धनराशि दी जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र स्थिरता एवं सुधार कार्यक्रम का मकसद श्रीलंका के केंद्रीय बैंक की नियामक क्षमता को मजबूत करना है।

फिजिक्सवाला का शेयर पहले दिन 42% से अधिक चढ़ा

नई दिल्ली। शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी फिजिक्सवाला का शेयर कारोबार के पहले दिन मंगलवार को अपने निर्गम मूल्य 109 रुपये के मुकाबले 42 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई पर इसके शेयर ने निर्गम मूल्य से 31.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 143.10 रुपये पर शुरुआत की। बाद में यह 48.66 प्रतिशत चढ़कर 162.05 रुपये पर पहुंच गया। अंत में यह 42.38 प्रतिशत की बढ़त के साथ 155.20 रुपये पर बंद हुआ।

भारत की आर्थिक वृद्धि दूसरी तिमाही में 7.5% से अधिक रहने का अनुमान

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट: जीएसटी कटौती से त्योहारी बिक्री में तेजी प्रमुख कारण

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की जीडीपी वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 7.5 प्रतिशत या उससे अधिक रहने की उम्मीद है। इसका मुख्य कारण सितंबर के अंत में जीएसटी दरों में कटौती के कारण त्योहारी बिक्री में तेज वृद्धि है। एसबीआई रिसर्च की ओर से मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

रिपार्ट में कहा गया है कि निवेश गतिविधियों में तेजी, ग्रामीण खपत में सुधार और सेवाओं और विनिर्माण क्षेत्र में तेजी से वृद्धि को मजबूती मिल रही है। इसे जीएसटी को युक्तिसंगत बनाये जाने जैसे संरचनात्मक सुधारों से भी मदद मिल रही है। इससे त्योहारों के दौरान मांग को गति मिली और कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर पड़ा है। एसबीआई की आर्थिक शोध विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है, त्योहारों के दौरान बिक्री के अच्छे आंकड़ों के साथ कृषि, उद्योग और सेवाओं में खपत और मांग में तेजी दिखाने वाले प्रमुख संकेतकों का प्रतिशत बढ़कर दूसरी तिमाही में 83 प्रतिशत हो गया जो पहली तिमाही में 70 प्रतिशत था। अनुमानित मॉडल के आधार पर हमें वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में लगभग 7.5 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि का अनुमान है। इसमें वृद्धि की संभावना मौजूद है।

सरकार इस महीने के अंत में जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के आंकड़े जारी करेगी। भारतीय रिजर्व बैंक ने दूसरी तिमाही के लिए सात प्रतिशत आर्थिक वृद्धि का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, विश्लेषण से संकेत मिलता है कि नवंबर के लिए सकल घरेलू माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह लगभग 1.49 लाख करोड़ रुपये रह सकता है, जो सालाना आधार पर 6.8 प्रतिशत की वृद्धि है। इसके साथ 51,000 करोड़ रुपये के आईजीएसटी और आयात पर उपकर के साथ, नवंबर का जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपये को पार कर सकता है।

मझोले शहरों में सबसे तेजी से बढ़ी मांग

शहरों के हिसाब से क्रेडिट कार्ड खर्च से पता चलता है कि मांग सभी क्षेत्रों में बढ़ी है। लेकिन मझोले शहरों में सबसे अधिक बढ़ रही है। ई-कॉमर्स की बिक्री सभी शहरों में काफी हद तक सकारात्मक रही है। रिपोर्ट में कहा गया, जीएसटी को युक्तिसंगत बनाये जाने के साथ, इस साल सितंबर-अक्टूबर में बीते वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में सभी प्रमुख राज्यों में डेबिट कार्ड खर्च में भी वृद्धि दिखी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत का वृहद आर्थिक दृष्टिकोण सतर्क रुख के साथ संभावनाओं वाला बना हुआ है। इसका कारण मजबूत घरेलू मांग और कम होता मुद्रास्फीतिक दबाव है। इस वृद्धि को मजबूत निवेश गतिविधियों, ग्रामीण खपत में सुधार और सेवाओं एवं विनिर्माण में तेजी से समर्थन मिल रहा है। जीएसटी 2.0 सुधारों से निजी खपत और घरेलू मांग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली सरकार ने यमुना क्रूज परियोजना पर काम शुरू करने के लिए किया समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली सरकार ने मंगलवार को सोनिया विहार और जगतपुर के बीच नदी क्रूज पर्यटन को मजबूत करने के लिए भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना, दिल्ली के जल संसाधन मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने स्थल का निरीक्षण किया और उन्हें जेटी निर्माण, सुरक्षा प्रणालियों, यात्री सुविधाओं और सोनिया विहार और जगतपुर के बीच क्रूज मार्ग की योजना के बारे में जानकारी दी गई। इसमें कहा गया है कि यह परियोजना केंद्र, उपराज्यपाल कार्यालय और दिल्ली सरकार के समन्वित प्रयासों से आगे बढ़ रही है। क्रूज सेवा को राजधानी के लिए एक नए पर्यटन अनुभव के रूप में विकसित किया जा रहा है।

● एलटी ने जलमार्ग मंत्री के साथ किया निरीक्षण, जानकारी ली

इसका उद्देश्य जल परिवहन को मजबूत करना, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना और यमुना पुनरुद्धार के चल रहे प्रयासों में योगदान देना है। निरीक्षण के बाद, पर्यटन मंत्री मिश्रा ने कहा कि यह सेवा दिल्ली को नई पहचान' देगी और पर्यटन-आधारित अर्थव्यवस्था के विस्तार में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से रोजगार के अवसर पैदा होंगे और नदी से जुड़े सांस्कृतिक संबंधों को पुनर्जीवित करने की उम्मीद है। भारत सरकार के बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण ने इस गलियारे के विकास के लिए दिल्ली सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह गलियारा सोनिया विहार और जगतपुर के बीच क्रूज पर्यटन को मजबूत करने के लिए एक आधारशिला के रूप में काम करेगा और यमुना के विकास का रास्ता साफ करेगा। सोनोवाल ने कहा कि यह पहल अंतर्देशीय जलमार्गों के लिए केंद्र के नए प्रयासों को दर्शाती है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, दशकों की उपेक्षा के बाद भारत के जलमार्गों में परिवर्तनकारी पुनरुत्थान हुआ है।

एप्पल इंडिया का मुनाफा 16% बढ़कर 3,196 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल इंडिया का वित्त वर्ष 2024-25 में मुनाफा 16% बढ़कर 3,196 करोड़ रुपये हो गया।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में 2,745.71 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था। कुल राजस्व 2024-25 में सालाना आधार पर 67,121.61 करोड़ रुपये से 18% बढ़कर 79,378 करोड़ रुपये हो गया। 'एप्पल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपना राजस्व 79,378 करोड़ रुपये बताया, जो गत वित्त वर्ष से 18 प्रतिशत अधिक है।

सेंसेक्स 278 अंक टूटा, निफ्टी 26,000 के नीचे

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में पिछले छह दिन से जारी तेजी पर मंगलवार को विराम लगा और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच आईटी, धातु और पूंजीगत वस्तुओं के शेयरों में मुनाफावसूली से बीएसई सेंसेक्स करीब 278 अंक टूटा, एनएसई निफ्टी गिरावट के साथ 26,000 अंक के नीचे बंद हुआ।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 277.93 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,673.02 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 392.59 अंक तक लुढ़क गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 103.40 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,910.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, इटर्नल, अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स और टाइटन के शेयर लाभ में रहे।

शेयर बाजार में पिछले छह दिन से जारी तेजी थमी

सोना 3,900 रुपये टूटा, चांदी भी कमजोर

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने के बीच वैश्विक कीमतों में गिरावट से मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 3,900 रुपये टूटकर 1,25,800 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाली सोने की कीमत 3,900 रुपये गिरकर 1,25,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गई। चांदी की कीमतों पर भी दबाव रहा और यह 7,800 रुपये गिरकर 1,56,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई।

फसल बीमा: अब जानवरों और जलभराव से क्षति की भी भरपाई

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के दायरे में अब जंगली जानवरों और धान जलभराव के कारण फसल के होने वाले नुकसान को भी शामिल कर लिया गया है। इससे संबंधित नई प्रक्रियाएं 2026 के खरीफसत्र से लागू होंगी।

नए नियम के अनुसार अगर कोई जानवर किसी किसान की बीमित फसल को नुकसान पहुंचाता है तो उसे बीमे की रकम मिल सकेगी। फसल बीमा का लाभ लेने के लिए किसान को जंगली जानवर के फसल को नुकसान की सूचना 72 घंटे के भीतर फसल बीमा ऐप पर जियो-टैग्ड फोटो सहित दर्ज करनी होगी। इसमें कहा गया है कि जंगली जानवरों से हुए फसल के नुकसान को ''स्थानीयकृत जोखिम श्रेणी'' में पांचवें ''ऐड-ऑन कवर'' के रूप में मान्यता दी गई है। राज्यों को ऐसे प्रभावित इलाकों की पहचान करने और नुकसान पहुंचाने वाले जंगली जानवरों की सूची जारी करने को कहा गया है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने मंत्रालय के मुताबिक यह कदम लंबे समय से राज्यों की मांगों के अनुरूप है और इसका उद्देश्य अचानक होने वाले नुकसान से किसानों को राहत देना है।

● पात्रों को योजना का लाभ पहुंचाने पर पूरा जोर देगी सरकार

इसी के साथ धान के जलभराव से होने वाले नुकसान को भी स्थानीयकृत आपदा श्रेणी में दोबारा शामिल कर लिया गया है। वर्ष 2018 में इस जोखिम को हटाए जाने के बाद किसानों को बीमा सुरक्षा में समस्या आ रही थी। जलभराव के चलते तटीय और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में धान के किसानों को अक्सर जलभराव से भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

मुफ्त राशन योजना से 2.25 करोड़ अपात्र लाभार्थी बाहर हुए

नई दिल्ली। सरकार ने पिछले 4-5 महीनों में मुफ्त मासिक राशन योजना के लगभग 2.25 करोड़ अपात्र लाभार्थियों की छंटनी की है। कहा गया है कि यह छंटनी इस कार्यक्रम के तहत सिर्फ पात्र लोगों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से की गई है। खाद्य मंत्रालय के सचिव की ओर से मंगलवार को यह जानकारी दी गई।

सरकार की ओर से गरीबों को प्रति माह पांच किलो मुफ्त खाद्यान्न (गेहूं और चावल) मासिक भरण-पोषण के लिए प्रदान किया जाता है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत इस सूची में ऐसे लाभार्थी भी शामिल हो गए थे, जिनके पास चार पहिया वाहन हैं या जिनकी मासिक आय सीमा से अधिक है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा, एनएफएसए से लगभग 2.25 करोड़ अपात्र लाभार्थियों को हटा दिया गया है।

राष्ट्रीय

परियोजनाओं को पूर्वव्यापी पर्यावरणीय मंजूरी देने से रोकने का फैसला वापस

सीजेआई समेत सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ ने 2:1 के बहुमत से सुनाया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को 2:1 के बहुमत से अपने 16 मई के उस फैसले को वापस ले लिया, जिसमें केंद्र को पर्यावरणीय मानदंडों का उल्लंघन करने वाली परियोजनाओं को पूर्वव्यापी पर्यावरणीय मंजूरी (रेट्रोस्पेक्टिव एनवायरनमेंटल क्लियरेन्स) देने से रोक दिया गया था। सेवानिवृत्त हो चुके न्यायमूर्ति एएस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने 16 मई को अपने फैसले में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और संबंधित प्राधिकारियों को उन परियोजनाओं को पूर्वव्यापी पर्यावरणीय मंजूरी देने से रोक दिया था, जो पर्यावरणीय मानदंडों का उल्लंघन करती पाई गई थीं।

सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने वनशक्ति फैसले के खिलाफ दायर लगभग 40 पुनर्विचार और संशोधन याचिकाओं पर तीन अलग-अलग फैसले सुनाए। सीजेआई गवई और न्यायमूर्ति चंद्रन ने 16 मई के फैसले को वापस ले लिया और मामले पर नए सिरे से पुनर्विचार के लिए उसे उचित पीठ के समक्ष भेज दिया। सीजेआई ने कहा, अगर मंजूरी की समीक्षा नहीं की गई तो 20,000 करोड़ रुपये की सार्वजनिक परियोजनाओं को ध्वस्त करना पड़ेगा। अपनी व्यवस्था में मैंने फैसला वापस लेने की अनुमति दी है। मेरे फैसले की मेरे भाई न्यायमूर्ति भुइयां ने आलोचना की है।

सीजेआई ने कहा कि अदालत ने पाया है कि 2013 की अधिसूचना के साथ-साथ 2021 के कार्यालय ज्ञापन में योजना भारी जुर्माना लगाने पर पर्यावरणीय मंजूरी देने की अनुमति देने की थी। सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने नौ अक्टूबर को कपिल सिब्बल, मुकुल रोहतगी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सहित कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। ये अधिवक्ता विभिन्न औद्योगिक और अवसंरचना संस्थाओं के साथ सरकारी निकायों की ओर से पेश हुए थे और विवादित फैसले की समीक्षा या संशोधन के पक्ष में थे।

पूर्वव्यापी पर्यावरणीय मंजूरी कानून के लिए अभिशाप

न्यायमूर्ति भुइयां ने रोक हटाने के फैसले पर कड़ी असहमति जताते हुए कहा कि पूर्वव्यापी मंजूरी का पर्यावरण कानून में कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी मंजूरियां पर्यावरण कानून के लिए अभिशाप हैं, क्योंकि ये एहतियाती सिद्धांत और सतत विकास की आवश्यकता दोनों के विपरीत हैं। न्यायमूर्ति भुइयां ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण का उल्लेख किया और कहा, दिल्ली की घातक धुंध हमें हर दिन पर्यावरण प्रदूषण के खतरों की याद दिलाती है। उन्होंने पुनर्विचार निर्णय को पीछे की ओर बढ़ा एक कदम बताया।

● जस्टिस भुइयां ने असहमति जताने के साथ कीं कई कड़ी टिप्पणियां

न्यायमूर्ति भुइयां ने अपने 96 पृष्ठों के फैसले में कहा,पर्यावरण न्यायशास्त्र में पूर्वव्यापी पर्यावरणीय प्रभाव जैसी कोई अवधारणा नहीं है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह एक अभिशाप है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि यह पर्यावरण के लिए हानिकारक है और इससे अपूरणीय पारिस्थितिक क्षरण हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पर्यावरण को विकास के विरुद्ध खड़ा करके एक झूठी कहानी गढ़ी जा रही है। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक न्यायालय के रूप में उच्चतम न्यायालय का संविधान और उसके अंतर्गत बनाए गए कानूनों के तहत पर्यावरण की रक्षा करने का कर्तव्य और दायित्व है। इस देश में विकसित हुए सुदृढ़ पर्यावरणीय न्यायशास्त्र से पीछे हटना उचित नहीं है, वह भी ऐसे लोगों द्वारा दायर की गई पुनर्विचार याचिका पर, जिन्होंने कानून के शासन के प्रति जरा भी सम्मान नहीं दिखाया है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला निराशाजनक: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, यह बेहद निराशाजनक है कि निवर्तमान सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट की दो न्यायाधीशों वाली पीठ के 16 मई के उस फैसले की समीक्षा का रास्ता खोल दिया है, जिसमें पूर्वव्यापी पर्यावरणीय स्वीकृतियों पर रोक लगा दी गई थी।

सीआईसी में नियुक्ति के लिए चयनित उम्मीदवारों के नामों के खुलासे का निर्देश जारी करने से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) में नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों के नामों का सार्वजनिक रूप से खुलासा करने का निर्देश देने से एक बार फिर इन्कार कर दिया है। इसके साथ ही आगाह किया है कि इस समय ऐसा खुलासा प्रतिकूल साबित हो सकता है और प्रक्रिया में और देरी हो सकती है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ सोमवार को आरटीआई कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें केंद्रीय और राज्य सूचना आयोगों में अधिक पारदर्शिता और समय पर नियुक्तियों की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने तर्क दिया कि चयनित उम्मीदवारों का खुलासा आवश्यक है ताकि नियुक्तियों को अंतिम रूप देने से पहले उनकी योग्यता या आचरण के बारे में उपयुक्त जानकारी रखने वाला कोई भी व्यक्ति सामने आ सके। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के 2018 के फैसले का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि सूचना आयोगों के लिए चयनित उम्मीदवारों के नाम सार्वजनिक किए जाने चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि समय से पहले खुलासा करने से आरोप-प्रत्यारोप लग सकते हैं जिससे सरकार को नियुक्तियों को स्थगित रखने का औचित्य मिल सकता है। पीठ ने कहा, अगर किसी गलत व्यक्ति की नियुक्ति होती है तो आप उसे चुनौती दे सकते हैं।

टीवी चैनल न दिखाएं विस्फोटक बनाने संबंधी खबरें: सरकार

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने मंगलवार को सभी निजी टेलीविजन चैनलों को ऐसे दृश्यों का प्रसारण न करने की सलाह जारी की जो गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा देते हों या सहायता प्रदान करते हों। यह निर्देश तब जारी किया गया है जब कुछ टेलीविजन चैनलों पर हाल में दिल्ली विस्फोट के बाद विस्फोटक बनाने से संबंधित रिपोर्ट प्रसारित की गई थी।

सभी टीवी चैनलों से कहा गया है कि कुछ चैनल लाल किला के नजदीक विस्फोट में शामिल लोगों से संबंधित सामग्री प्रसारित कर रहे हैं, उनके हिंसात्मक कृत्यों को उचित ठहरा रहे हैं, विस्फोटक सामग्री बनाने के बारे में सूचनात्मक वीडियो भी प्रसारित कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि ऐसे प्रसारण अनजाने में हिंसा को बढ़ावा दे सकते हैं या भड़का सकते हैं।

विरोध : केरल के बाद तमिलनाडु में भी शुरू हुआ एसआईआर का बहिष्कार

चेन्नई, एजेंसी

केरल में एसआईआर के बहिष्कार के बाद तमिलनाडु राजस्व संघों के महासंघ के सदस्यों ने भी अत्यधिक कार्यभार, अपर्याप्त श्रमबल, समय सीमा के दबाव और अपर्याप्त प्रशिक्षण के विरोध में मंगलवार से एसआईआर कार्य का बहिष्कार शुरू कर दिया। उधर, मध्यप्रदेश के सागर जिले मे एसआईआर में विलंब और प्रगति शून्य होने पर तीन एसडीएम व 15 तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं, वहीं तीन बीएलओ को निलंबित किया गया है।

संघ के सदस्यों ने बहिष्कार से पहले सोमवार शाम 'पेरुंधिरल (जन) अपील' कार्यक्रम के दौरान 32 जिलाधिकारियों से गुहार लगाई। संघ ने बताया कि उन्होंने तालुक और जिला मुख्यालयों में भी विरोध प्रदर्शन किया। एफईआरए के राज्य समन्वयक एम पी मुरुगयान ने कहा, हम आज से एसआईआर से संबंधित किसी भी कार्य में भाग नहीं लेंगे। उन्होंने दोहराया कि राजस्व विभाग का नियमित कार्य जारी रहेगा और एसआईआर को जल्दबाजी में लागू करने के कारण उत्पन्न मुद्दों पर बहिष्कार के कारण यह प्रभावित नहीं होगा।

● मध्यप्रदेश में प्रगति शून्य होने पर तीन एसडीएम और 15 तहसीलदारों को नोटिस, तीन बूथ लेवल अफसरों को किया गया निलंबित

कांग्रेस का एसआईआर के खिलाफ रैली का एलान

नई दिल्ली। कांग्रेस ने 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में जारी एसआईआर के बीच मंगलवार को आरोप लगाया कि यह लोकतंत्र को खत्म करने का एक मंसूबा है तथा निर्वाचन आयोग भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए काम कर रहा है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में यह फैसला किया गया कि एसआईआर के विषय पर दिल्ली के रामलीला मैदान में दिसंबर के पहले सप्ताह में एक रैली आयोजित की जाएगी। पार्टी मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में खरगे ने उन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रभारियों, राज्य इकाई प्रमुखों, कांग्रेस विधायक दल के नेताओं और सचिवों के साथ समीक्षा बैठक की, जहां एसआईआर की कवायद जारी है। इस बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रभारी प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रमुखों के साथ कांग्रेस विधायक दल के नेता तथा सचिव भी शामिल हुए।

एनजीटी के खाली पद भरने की गुहार लेकर वकील पहुंचे कोर्ट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में न्यायिक और विशेषज्ञ सदस्यों के खाली पदों को भरने के लिए अधिकरण की बार एसोसिएशन ने उच्चतम न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाया है। बार एसोसिएशन ने अपनी याचिका में कहा है कि एनजीटी की प्रमुख और क्षेत्रीय पीठों में रिक्तियां को अगर जल्द न भरा गया तो इसकी कार्यप्रणाली के ही ठप होने का जोखिम हो जायेगा। एनजीटी की प्रधान पीठ की बार एसोसिएशन ने कहा है कि एनजीटी अधिनियम की धारा 4(1) के अनुसार अधिकरण में न्यायिक और विशेषज्ञ सदस्यों की संख्या न्यूनतम दस-दस होनी चाहिए, जबकि वर्तमान में केवल चार न्यायिक और छह विशेषज्ञ सदस्य कार्यरत हैं।

चार देशों में डॉक्टरी पढ़ने वाले संदेह के घेरे में

पाकिस्तान, बांग्लादेश, यूएई, चीन से डिग्री लेकर लौटे डॉक्टरों से होगी पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली विस्फोट

राजधानी दिल्ली में कार विस्फोट मामले के बाद केंद्रीय जांच एजेंसियां ऐसे डॉक्टरों के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रही हैं, जिन्होंने पाकिस्तान, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात और चीन से डिग्री हासिल की है। इन एजेंसियों में सीबीआई, दिल्ली पुलिस और एनआईए शामिल हैं।

एजेंसियां इन चारों देशों के संस्थानों से पढ़कर भारत आए डॉक्टरों से पूछताछ करके यह पता लगाने की योजना बना रही हैं कि क्या उन्हें कथित ''डॉक्टर टेरर मॉड्यूल'' के बारे में कोई जानकारी थी या वे इसके सदस्यों के संपर्क में थे। एजेंसियों ने ऐसे सभी संस्थानों, नर्सिंग होम और अस्पतालों को अपने पेरोल पर कार्यरत डॉक्टरों, खासकर उन डॉक्टरों का ब्यौरा मुहैया कराने का निर्देश दिया गया है जिनकी शैक्षिक पृष्ठभूमि इन चार देशों की है। एजेंसियों की ओर से अस्पताल अधिकारियों को भेजे पत्र में कहा गया है, 10 नवंबर को लाल किले के समीप हुए कार विस्फोट के बाद की स्थिति को देखते हुए अपने अस्पताल में कार्यरत उन डॉक्टरों का विवरण प्रदान करें जिन्होंने पाकिस्तान,बंगलादेश, संयुक्त अरब अमीरात और चीन से डिग्री प्राप्त की है। इसे अत्यंत आवश्यक समझने को कहा गया है।

● देश के सभी चिकित्सा संस्थानों को पत्र लिखकर मांगी जानकारी

कुछ अस्पतालों ने सीबीआई और अन्य एजेंसियों को दिल्ली मेडिकल काउंसिल (डीएमसी) से यह डेटा एकत्र करने की सलाह दी है जो इस तरह के रिकॉर्ड रखने वाली आधिकारिक सरकारी संस्था है। जांच से जुड़े एक सूत्र ने कहा, एजेंसियां इन चार देशों से डिग्री प्राप्त करने वाले सभी डॉक्टरों से पूछताछ करेंगी। उनके आपराधिक रिकॉर्ड और वित्तीय लेनदेन की गहन जांच की जाएगी। अब तक दिल्ली कार विस्फोट मामले में एनआईए ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

वैष्णोदेवी में सुरक्षा बढ़ाई, और सुरक्षाकर्मी मांगे

जम्मू। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद सुरक्षा एजेंसियों से मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्रों में अचूक सुरक्षा प्रदान करने के लिए अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। अधिकारियों ने एजेंसियों से यात्रा मार्ग पर और कटरा शहर में संचालित स्थानीय दुकानों में कार्यरत व्यक्तियों के सत्यापन की प्रक्रिया में तेजी लाने का भी आग्रह किया है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है, जांच चौकियां स्थापित की गई हैं, मंदिर के आधार शिविर कटरा शहर में तलाशी प्रक्रिया तेज कर दी है और मंदिर परिसर के निकट स्थित त्रिकुटा पहाड़ी क्षेत्र का निरीक्षण किया है। श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन कुमार वैश्य ने सुरक्षा एजेंसियों से पूरे तीर्थयात्रा मार्ग पर सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के लिए मंदिर क्षेत्र और उसके आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

वर्ल्ड ब्रीफ

विश्व भारती परिसर की इमारत में आग लगी

कोलकाता। शांतिनिकेतन में विश्व भारती परिसर में स्थित भाषा भवन में मंगलवार को आग लग गई। अग्निशमन विभाग के सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। सूत्रों ने बताया कि दमकल की एक गाड़ी को घटनास्थल पर भेजा गया और अग्निशमन कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। यह आग सुबह करीब साढ़े नौ बजे कक्षाएं शुरू होने से पहले भाषा भवन की पहली मंजिल पर लगी थी। उन्होंने बताया कि पहली मंजिल पर लगे एयर कंडीशनर से लगी आग पर वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने काबू पा लिया और तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचित किया। आग के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

केरल में प्रवासी लड़की से छेड़छाड़, दो पकड़े

पथनमथिट्टा। पश्चिम बंगाल की 14 वर्षीय एक लड़की के साथ केरल के इस जिले के तिरुवल्ला स्थित उसके किराये के मकान में उसके राज्य के ही दो श्रमिकों ने छेड़छाड़ की। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि घटना सोमवार को हुई और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि जब पीड़िता के माता-पिता काम पर गए थे, तब आरोपी घर में घुस आए और उसके साथ छेड़छाड़ की। उनके खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न आरोपों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नाइजीरियाई ब्रिगेडियर की हत्या करने का दावा

डकार। आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट से संबद्ध 'इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रॉविंस' के चरमपंथियों ने सोमवार को दावा किया कि उन्होंने एक नाइजीरियाई ब्रिगेडियर जनरल की हत्या कर दी है। बहरहाल, नाइजीरियाई सेना ने इस दावे से इनकार किया है। इस्लामिक स्टेट से संबद्ध अल-अमाक समाचार एजेंसी के अनुसार, ब्रिगेडियर जनरल एम. उबा की मौत तब हुई जब उन्हें नाइजीरिया के बोर्नो राज्य में वाजिरोको के पास गश्त के दौरान पकड़ लिया गया था।

इजराइली उपद्रवियों ने गांव में आग लगाई

तेल अवीव। कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजराइली उपद्रवियों ने एक फलस्तीनी गांव पर सोमवार को हमला कर घरों और वाहनों में आग लगा दी। इस ताजा हमले की इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने निंदा की। इजराइली सेना ने बताया कि अल-जबा नामक छोटे सा गांव बेथलहम के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है और वहां से आगजनी और तोड़फोड़ की सूचना मिलने के बाद सैनिकों और पुलिस को वहां भेजा गया। यह हमला उस घटना के कुछ घंटों बाद हुआ, जब एक नजदीकी पहाड़ी पर स्थित अवैध चौकी को हटाए जाने के दौरान इजराइली सुरक्षा बलों और उसे बचाने में जुटे उपद्रवियों के बीच झड़प हुई थी।

ब्रिटिश सांसदों तक पहुंच रहे चीनी जासूस

लंदन। ब्रिटिश खुफिया एजेंसी एमआई5 ने मंगलवार को देश के सांसदों को आगाह किया कि चीनी जासूस नियोक्ताओं के माध्यम से उनसे संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष लिंडसे हॉयल ने सांसदों को लिखे पत्र में कहा कि एमआई5 ने एक नया अलर्ट जारी किया है कि चीनी नागरिक चीन के राज्य सुरक्षा मंत्रालय के इशारे पर उनसे संपर्क करने के लिए बड़े पैमाने पर लिंक्डइन प्रोफाइल का इस्तेमाल कर रहे हैं। चीनी मंत्रालय का उद्देश्य जानकारी एकत्र करना और पेशेवर नेटवर्किंग साइट तैयार करना है।

तनाव कम करने को जापान और चीन के बीच हुई वार्ता

बीजिंग/तोक्यो, एजेंसी

- **जापानी पीएम की टिप्पणी से दोनों देशों के संबंधों में खटास**

चीन और जापान के अधिकारियों ने मंगलवार को बीजिंग में जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची की ताइवान संबंधी हालिया टिप्पणियों से उपजे तनाव को कम करने के लिए बातचीत की। प्रधानमंत्री की टिप्पियों से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में भारी गिरावट आई है।

विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मीडिया को बताया कि चीनी विदेश मंत्रालय के एशियाई मामलों के विभाग के महानिदेशक लियू जिनसोंग ने जापानी विदेश मंत्रालय के एशियाई और महासागरीय मामलों के ब्यूरो के महानिदेशक कनाई मसाकी के साथ विचार-विमर्श किया। बातचीत के दौरान, चीन ने जापान से गलत टिप्पणियों को वापस लेने का आग्रह किया। जापान द्वारा अपने आत्मरक्षा बलों के रैंकों में संशोधन करने और तत्कालीन शाही जापानी सेना के रैंक से जुड़े पदनामों का उपयोग करने की योजना बनाने संबंधी रिपोर्ट का हवाला देते हुए माओ ने कहा कि चीन कभी भी जापानी सैन्यवाद के पुनरुत्थान की अनुमति नहीं देगा, न ही चीन किसी को भी युद्धोत्तर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती देने और वैश्विक शांति और स्थिरता को कमजोर करने की अनुमति देगा।

डीआरडीओ की साइबर सुरक्षा प्रणाली

डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन) ने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे भारतीय सेना और सुरक्षा बलों को साइबर हमलों से बचाने में मदद मिल रही है। डीआरडीओ ने विभिन्न साइबर सुरक्षा प्रणालियां विकसित की हैं जो सेना और सुरक्षा बलों के लिए अत्यधिक मददगार हैं। एन्क्रिप्टेड संचार की निगरानी और खतरे की पहचान का सिस्टम, एंटी ड्रोन प्रणाली, एक्सप्लोसिव डिटेक्शन डिवाइस, क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन प्रणालियां भारतीय सेना और सुरक्षाबलों के लिए काफी मददगार साबित हो रही हैं। इन उपकरणों के सहारे वे देश पर आने वाले खतरों को पहले से ही भांपकर उन्हें नष्ट करने का काम कर रही हैं।

सुरक्षाबलों की मजबूत ढाल

साइबर सुरक्षा प्रणालियां

- **डिफेंस साइबर एजेंसी (डीसीवाईए) :** डीआरडीओ द्वारा विकसित यह एक त्रि-सेवा कमान है जो साइबर सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए जिम्मेदार है।
- **नेशनल साइबर क्राइम थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट :** यह इकाई साइबर अपराधों की धमकियों का विश्लेषण करती है और सुरक्षा बलों को सूचित करती है।
- **साइबर स्वच्छता केंद्र :** यह केंद्र बॉटनेट संक्रमणों का पता लगाने और उन्हें हटाने के लिए काम करता है, जिससे साइबर सुरक्षा में सुधार होता है।
- **राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति :** यह नीति साइबर स्पेस में सूचना और अवसंरचना की रक्षा करने, साइबर हमलों को रोकने और जवाबी कार्रवाई करने के लिए एक ढांचा प्रदान करती है।

साइबर सुरक्षा उपकरण

- **नेत्र :** यह एक नेटवर्क ट्रैफिक विश्लेषण प्रणाली है जो एन्क्रिप्टेड संचार की निगरानी और खतरे की पहचान करने में मदद करती है।
- **इंद्रजाल :** यह एक एंटी-ड्रोन प्रणाली है जो भारतीय नौसेना द्वारा उपयोग की जा रही है।
- **स्काईनेट इंटेल :** यह एक साइबर सुरक्षा प्रणाली है जो बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स द्वारा उपयोग की जा रही है।
- **क्यूकेडी :** डीआरडीओ ने आईटी दिल्ली के साथ 100 किलोमीटर की दूरी पर क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन का सफल परीक्षण किया है।
- **रडार एक्स :** यह एक्सप्लोसिव डिटेक्शन डिवाइस है जो विस्फोटक पदार्थों का पता लगाने में मदद करती है।
- **आईडीडी एंड आईएस :** यह एंटी-ड्रोन प्रणाली है जो पता लगाने व नष्ट करने में मदद करती है।

उपकरणों की कार्यप्रणाली

- **साइबर खतरों की पहचान और विश्लेषण :** डीआरडीओ और अन्य सुरक्षा एजेंसियां साइबर खतरों की पहचान और विश्लेषण करती हैं ताकि उन्हें प्रभावी ढंग से रोका जा सके।
- **सुरक्षा उपायों का विकास :** डीआरडीओ साइबर सुरक्षा उपायों का विकास करता है, जैसे कि एन्क्रिप्शन, फ़ायरवॉल और एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर, जो सेना और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा प्रदान करते हैं।
- **साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण :** डीआरडीओ साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है ताकि सेना और सुरक्षा बलों के सदस्य साइबर खतरों से निपटने के लिए तैयार रहें।
- **सहयोग और समन्वय :** डीआरडीओ अन्य सुरक्षा एजेंसियां आपसी सहयोग और समन्य से साइबर हमलों से निपटने का काम करती हैं।

आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाए, न कोई लीपापोती हो

शंघाई सहयोग संगठन के शासनाध्यक्षों की बैठक में बोले विदेशमंत्री जयशंकर

मॉस्को, एजेंसी

भारत ने मंगलवार को कहा कि विश्व को आतंकवाद के सभी प्रकारों एवं स्वरूपों के प्रति शून्य सहनशीलता प्रदर्शित करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि आतंकवाद का कोई औचित्य नहीं हो सकता तथा इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता एवं इस पर लीपापोती नहीं की जा सकती। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शासनाध्यक्षों की परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जैसा कि भारत ने प्रदर्शित किया है, हमें आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने का अधिकार है और हम इसका प्रयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत का मानना है कि एससीओ को बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुकूल होना चाहिए, एक विस्तारित एजेंडा विकसित करना चाहिए और अपनी कार्य पद्धति में सुधार करना चाहिए।

विदेशमंत्री ने कहा कि हम इन उद्देश्यों की प्राप्ति में सकारात्मक एवं पूर्ण योगदान देंगे। एससीओ की स्थापना 2001 में शंघाई में एक शिखर सम्मेलन में रूस, चीन, किर्गिज गणराज्य, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान के राष्ट्रपतियों द्वारा की गई थी। भारत और पाकिस्तान 2017 में इसके स्थायी सदस्य बने। जुलाई 2023 में, भारत द्वारा आयोजित ऑनलाइन शिखर सम्मेलन में ईरान को एससीओ के नए स्थायी सदस्य का दर्जा दिया गया। उन्होंने कहा कि हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि एससीओ की स्थापना आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की तीन बुराइयों से निपटने के लिए की गई थी। बीते वर्षों में ये खतरे और भी गंभीर हो गए हैं।

वर्तमान वैश्विक आर्थिक स्थिति विशेष अस्थिर

जयशंकर ने कहा कि हमारा आकलन है कि वर्तमान में वैश्विक आर्थिक स्थिति विशेष रूप से अनिश्चित और अस्थिर है। मांग पक्ष की जटिलताओं के कारण आपूर्ति पक्ष के जोखिम और भी बढ़ गए हैं। जिसे कम करने और विविधिकरण की तत्काल आवश्यकता है। इसका सबसे बेहतर तरीका अधिकाधिक लोगों द्वारा, यथासंभव व्यापक आर्थिक संबंध स्थापित करके किया जा सकता है।

बिग कैट्स की सुरक्षा से सुनिश्चित होता है मानव भविष्य : भूपेंद्र

बेलेम (ब्राजील)। भारत ने वैश्विक नेताओं से 'बिग कैट्स' के संरक्षण के लिए प्रयास बढ़ाने का आग्रह करते हुए कहा है कि इन प्रजातियों के भविष्य को सुरक्षित करने से मानव जाति के लिए सुरक्षित, दीर्घकालिक जीवन सुनिश्चित होगा। यहां आयोजित यूएनएफसीसीसी सीओपी30 शिखर सम्मेलन में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट गठबंधन (आईबीसीए) पर उच्च स्तरीय मंत्रिस्तरीय सत्र को संबोधित करते हुए पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने चेतावनी दी कि 'बिग कैट्स' की आबादी में गिरावट से पूरा पारिस्थितिकी तंत्र अस्थिर हो जाएगा। आईबीसीए 'बिग कैट्स' की सात प्रजातियों के संरक्षण के लिए भारत के नेतृत्व वाली एक वैश्विक पहल है। इन प्रजातियों में बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जगुआर और प्यूमा शामिल हैं। इस गठबंधन का उद्देश्य अवैध वन्यजीव व्यापार पर अंकुश लगाने, पर्यावासों का संरक्षण करने तथा संरक्षण प्रयासों के लिए संसाधन जुटाने के वास्ते सदस्य देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है। यादव ने कहा, जहां 'बिग कैट्स' की प्रजातियां रहती हैं, वहां जंगल अधिक स्वस्थ होते हैं, घास के मैदान पुनर्जीवित होते हैं, जल प्रणालियां काम करती हैं, तथा सजीव प्राकृतिक क्षेत्रों में कार्बन प्रभावी और सुरक्षित तरीके से संग्रहित रहता है। उन्होंने एकीकृत जलवायु और जैव विविधता कार्रवाई के तहत 'बिग कैट्स' और उनके पर्यावासों की सुरक्षा के लिए नए सिरे से वैश्विक सहयोग का आह्वान किया।

सुरक्षा परिषद ने राष्ट्रपति ट्रंप की गाजा शांति योजना को दी मंजूरी

- **गाजा में अंतर्राष्ट्रीय स्थिरीकरण बल की स्थापना की भी अनुमति**

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा शांति योजना का समर्थन करने वाला मसौदा प्रस्ताव पारित कर दिया है और गाजा पट्टी में एक अंतर्राष्ट्रीय स्थिरीकरण बल स्थापित करने की अनुमति दे दी है। ट्रंप ने इसे वास्तव में ऐतिहासिक महत्व का क्षण बताया है। यह अमेरिकी मसौदा प्रस्ताव सोमवार शाम 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में 13 मतों के साथ पारित हुआ। किसी देश ने विरोध में वोट नहीं दिया, जबकि चीन और रूस ने मतदान से दूरी बनाई। प्रस्ताव ने ट्रंप की गाज़ा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना को मंजूरी दी, जिसे 29 सितंबर को प्रस्तुत किया गया था। इस योजना में गाजा को एक कट्टरपंथ मुक्त आतंक मुक्त क्षेत्र के रूप में विकसित करने की बात है, जो अपने पड़ोसियों के लिए खतरा न बने और जिसकी पुनर्निर्माण गतिविधियां स्थानीय लोगों की भलाई के लिए हों।

प्रस्ताव में एक 'शांति बोर्ड' की स्थापना का भी प्रावधान है। इस बोर्ड को अंतर्राष्ट्रीय कानूनी दर्जा दिया गया है और यह गाजा के पुनर्निर्माण के लिए ढांचा तैयार करेगा तथा वित्तीय समन्वय करेगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस प्रस्ताव के पारित होने का स्वागत किया और इसे ऐतिहासिक महत्व का क्षण बताया। उन्होंने लिखा कि यह संयुक्त राष्ट्र के इतिहास की सबसे बड़ी मंजूरियों में से एक के रूप में जाना जाएगा और दुनिया भर में और अधिक शांति लाएगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक बयान में कहा कि गाजा पर पारित यह प्रस्ताव युद्धविराम को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और उन्होंने सभी पक्षों से इसका पालन करने की अपील की। ट्रंप की व्यापक योजना के अनुसार, यदि दोनों पक्ष प्रस्ताव पर सहमत हो जाते हैं, तो युद्ध तुरंत समाप्त हो जाएगा।

व्हाइट हाउस के ओवल आफिस में फीफा फुटबॉल विश्वकप में आने वाले विदेशियों के लिए नई पहल फीफा पास की घोषणा करते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप।

दर्शकों के लिए ट्रंप ने शुरू किया फीफा पास

वॉशिंगटन। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने अगले वर्ष होने जा रहे फुटबॉल विश्वकप में आने वाले विदेशी यात्रियों के लिए एक नई पहल की घोषणा की है, जिसके तहत वे वीजा साक्षात्कार के लिए जल्द समय प्राप्त कर सकेंगे। फीफा पास नामक इस व्यवस्था के तहत फीफा के माध्यम से विश्वकप के टिकट खरीदने वाले यात्रियों को 'वीजा अपॉइंटमेंट' में प्राथमिकता दी जाएगी। प्रशासन का यह कदम ट्रंप की सख्त प्रवासन नीति और विश्वकप के लिए बड़ी संख्या में आने वाले यात्रियों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास है। पास का अर्थ प्राथमिकता प्राप्त अपॉइंटमेंट शेड्यूलिंग सिस्टम है। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि यदि आपके पास विश्वकप का टिकट है, तो आपको वीजा के लिए प्राथमिकता से अपॉइंटमेंट मिलेगा।

सऊदी अरब को एफ-35 विमान बेचेगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी

- **चीन तक अमेरिकी प्रौद्योगिकी पहुंच जाने की भी चिंता**

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की बहुप्रतीक्षित वाशिंगटन यात्रा की पूर्व संध्या पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह इस खाड़ी देश को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचेंगे। हालांकि, ट्रंप प्रशासन में इस बात को लेकर चिंता है कि इस तरह की बिक्री से चीन को उन्नत हथियार प्रणाली के पीछे की अमेरिकी प्रौद्योगिकी तक पहुंच मिल सकती है।

जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह सऊदी अरब को ये विमान बेचेंगे तो उन्होंने हां कहा। उन्होंने कहा कि वे हमारे लिए एक महत्वपूर्ण सहयोगी रहे हैं। यह सात वर्षों से अधिक समय में क्राउन प्रिंस की पहली अमेरिका यात्रा होगी इसलिए उम्मीद की जा रही है कि वह अपनी इच्छाओं और मांगों की एक सूची लेकर आएंगे, जिसमें ट्रंप से अपने देश के लिए अमेरिकी सैन्य सुरक्षा के दायरे को परिभाषित करने का आश्वासन और दुनिया के सबसे उन्नत विमानों में से एक एफ-35 खरीदने का समझौता शामिल है।

रूस से युद्ध समाप्ति के प्रयास के तहत तुर्किये जाएंगे जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि वह रूस के साथ लगभग चार वर्षों से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत को गति देने के प्रयासों के तहत इस सप्ताह तुर्किये की यात्रा पर जाएंगे। तुर्किये के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ तुर्किये में जेलेंस्की से मिलेंगे, लेकिन क्रेमलिन ने कहा कि रूस की तरफ से कोई नहीं जाएगा। तुर्किये ने इस साल की शुरुआत में बातचीत की मेजबानी की थी, इस्तांबुल में हुई वार्ता में केवल युद्धबंदियों के आदान-प्रदान पर ही कुछ प्रगति हो पाई थी।

फैसला पीड़ितों के लिए अहम पर मृत्युदंड पर खेद

- **शेख हसीना को मौत की सजा पर संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया**

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र ने मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप में बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरुद्ध फैसले को पीड़ितों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया, लेकिन मृत्युदंड दिए जाने पर खेद भी व्यक्त किया।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि गुतारेस संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क के इस रुख से पूरी तरह सहमत हैं कि हम किसी भी परिस्थिति में मृत्युदंड के इस्तेमाल के खिलाफ हैं। दुजारिक बांग्लादेशी अदालत द्वारा हसीना को उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाए जाने पर संरा महासचिव की प्रतिक्रिया से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने सोत्रमवार को हसीना को पिछले वर्ष जुलाई में उनकी सरकार के खिलाफ व्यापक प्रदर्शनों के दौरान किए गए मानवता के विरुद्ध अपराधों का दोषी पाया। पिछले साल पांच अगस्त को बांग्लादेश में अपनी सरकार गिरने के बाद से भारत में रह रहीं हसीना (78) को न्यायाधिकरण ने उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई है। हसीना के सहयोगी और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी इसी तरह के आरोपों में मौत की सजा सुनाई गई है। जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने कहा कि हसीना और पूर्व गृह मंत्री के खिलाफ न्यायाधिकरण द्वारा सुनाया गया फैसला पिछले साल विरोध प्रदर्शनों के दमन के दौरान किए गए गंभीर उल्लंघनों के पीड़ितों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है।

बांग्लादेश में तनावपूर्ण शांति

नई दिल्ली/ढाका। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के खिलाफ अवामी लीग द्वारा किए गए देशव्यापी पूर्ण बंद के आह्वान के बीच बांग्लादेश में मंगलवार को स्थिति शांत लेकिन तनावपूर्ण है। प्रमुख शहरों में सुरक्षा बलों ने सड़कों पर कड़ी निगरानी बनाए रखी। हसीना पर सोमवार को आए इस बड़े फैसले के बाद किसी तरह की हिंसा की सूचना नहीं मिली, जबकि ढाका और अन्य प्रमुख शहरों में यातायात बेहद कम रहा और संभावित अशांति की आशंका के बीच लोगों की आवाजाही सीमित रही।

बांग्लादेश का आंतरिक मामला: चीन

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को कहा कि बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को सुनाई गई मौत की सजा ढाका का आंतरिक मामला है। चीन ने इस घटनाक्रम पर आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां फैसले के बारे में पूछे जाने पर कहा, यह बांग्लादेश का आंतरिक मामला है। माओ ने कहा कि चीन बांग्लादेश के सभी लोगों के प्रति अच्छे पड़ोसी और मैत्रीपूर्ण नीति के लिए प्रतिबद्ध है। हमें पूरी उम्मीद है कि बांग्लादेश एकजुटता, स्थिरता और विकास हासिल करेगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 19 नवंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी 09 .43 तक तत्पश्चात अमावस्या।

आज का पंचांग

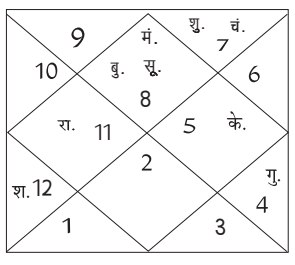

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृतिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-स्वाती 07 .59 तक तत्पश्चात विशाखा।

मेष — आज पूरी एकाग्रता के साथ सभी कार्य करेंगे। मेहनत का लाभ मिलने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। उच्च अधिकारियों के साथ संबंध अच्छे रखें। आप काफी तेजी से काम समाप्त करेंगे। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

वृष — आज पिछले काफी समय से जिस कार्य में फंसे थे, वह पूर्ण हो सकता है। कारोबार में बड़ी पार्टनरशिप कर सकते हैं। एकांत में आपको समय अवश्य बिताना चाहिए। पिता के कार्यों में आप अत्यधिक सहयोग करेंगे।

मिथुन — आज व्यवसाय में आपको प्रबंधन दुरुस्त रखना होगा। कार्यक्षेत्र का वातावरण बहुत ही शांत और सहयोगात्मक रहेगा। किसी दूसरे व्यक्ति की सलाह को अधिक महत्व न दें, लेकिन लोग आपकी सलाह से लाभान्वित होंगे।

कर्क — आज काम को लेकर यात्रा करनी पड़ सकती है। मन में उलझनों का अंबार रहेगा। क्रोध में आकर प्रतिक्रिया देने से बचें। परिजनों के साथ डिनर पर जा सकते हैं। तकनीक शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों को पढ़ाई में परेशानी होगी। वैवाहिक संबंधों में अनबन हो सकती है।

सिंह — आज परिवार में एकता का वातावरण रहेगा। रियल एस्टेट में निवेश करने की संभावना है। आप नए कार्यों में अत्यधिक रुचि ले सकते हैं। सरकारी अधिकारियों को प्रमोशन मिल सकता है। बेरोजगार लोग यदि प्रयास करें तो जॉब मिल सकती है।

कन्या — आज सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को थोड़ी परेशानी होगी। उपलब्धियों पर अधिक अहंकार न करें। महिलाओं को शॉपिंग करते समय सावधानी रखनी चाहिए। गैस और कब्जियत की शिकायत हो सकती है। संतान की सेहत का ध्यान रखें।

तुला — आज आपके कार्य की प्रशंसा होगी। व्यवहार में नरमी और सौम्यता का भाव रखें। व्यापार की परेशानियों का निवारण होगा। अनुभवी लोगों से आपको मार्गदर्शन मिलेगा। प्रियजनों के साथ मौज-मस्ती भरा समय बिताएंगे।

वृश्चिक — आज आपको किसी से झूठ नहीं बोलना चाहिए। छोटी-मोटी बातों को नजरअंदाज न करें। अपनी गलतियों पर पर्दा न डालें। कोर्ट-कचहरी के मामलों में थोड़ी परेशानी होगी। घरेलू सामान की खरीदारी कर सकते हैं।

धनु — आज व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ मिलने की प्रबल संभावना है। दूसरों के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। घर का वातावरण बहुत ही शांत रहेगा। छात्र अपनी पढ़ाई पर अत्यधिक ध्यान देंगे। बच्चों से शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं।

मकर — आज कारोबार में बढ़ोत्तरी होने के योग बन रहे हैं। शुभ कार्यों में अत्यधिक धन खर्च कर सकते हैं। कला की ओर आप आकर्षित रहेंगे। रुके हुए कार्य पुन: प्रारंभ होंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वभाव में चंचलता का भाव रहेगा।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र के माहौल में थोड़ी कड़वाहट हो सकती है। छात्रों को शिक्षा में थोड़ी अड़चनों का सामना करना पड़ेगा। जीवनसाथी के साथ बेहतरीन पलों का आनंद उठाएंगे। जॉब में अचानक स्थानांतरण होने की संभावना बन रही है।

मीन — आज किसी पारिवारिक सदस्य से झगड़ा हो सकता है। अनैतिक कार्यों से धन कमाने की कोशिश न करें। बातचीत के दौरान सही शब्दों का चयन करें। धार्मिक यात्रा में कठिनाई हो सकती है। सहकर्मियों के साथ व्यवहार खराब न करें।

सुडोकू-165

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
					4			
						7		
	8			9				
							4	
					7			
		2						
			1					8

सुडोकू - 164 का हल

7	6	9	5	4	1	2	3	8
8	1	4	9	2	3	5	7	6
5	3	2	6	7	8	4	1	9
3	9	7	4	5	6	8	2	1
2	8	5	3	1	7	6	9	4
6	4	1	8	9	2	3	5	7
9	2	6	7	3	4	1	8	5
4	7	3	1	8	5	9	6	2
1	5	8	2	6	9	7	4	3

यह पहली बार नहीं है जब स्पिनरों के लिए मददगार पिच तैयार की गई है। इससे पहले किसी ने यह सवाल नहीं उठाया क्योंकि भारत जीत रहा था। और हार-जीत खेल का हिस्सा है।

-भुवनेश्वर कुमार, तेज गेंदबाज

स्टेडियम

हल्द्वानी, बुधवार, 19 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय महिला टीम की घरेलू शृंखला स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी

- बीसीसीआई विश्व चैंपियन टीम के लिए एक वैकल्पिक कार्यक्रम तैयार करने की कर रहा कोशिश
- दौरा आईसीसी के एफटीपी का हिस्सा था, कोलकाता तथा कटक में होने थे मुकाबले

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की घरेलू शृंखला को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने स्थगित कर दिया है और इसी समय विश्व चैंपियन टीम के लिए एक वैकल्पिक कार्यक्रम तैयार करने की कोशिश कर रहा है।

बांग्लादेश के खिलाफ तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैच आईसीसी के भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) का हिस्सा थे और इनके कोलकाता तथा कटक में खेले जाने की उम्मीद थी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बिना कोई विवरण दिए बताया कि हम दिसंबर में एक वैकल्पिक श्रृंखला आयोजित करने की कोशिश करेंगे लेकिन अभी इस पर काम चल रहा है। जहां तक बांग्लादेश के खिलाफ शृंखला का सवाल है तो हमें इसके लिए मंजूरी नहीं मिली है। इस महीने की शुरुआत में आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप जीतने के बाद बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला टीम की पहली शृंखला हो सकती थी। हालांकि इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी गई लेकिन दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों ने श्रृंखला के कार्यक्रम में बदलाव में भूमिका निभाई होगी।

बांग्लादेश की एक न्यायाधिकरण अदालत ने सोमवार को देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता के विरुद्ध कथित अपराधों के लिए मौत की सजा सुनाई। इस उथल-पुथल के कारण वहां छिटपुट हिंसा देखी गई है और इस घटनाक्रम के बाद भारत के साथ बांग्लादेश के संबंध भी खराब हो गए हैं। ढाका की अंतरिम सरकार ने भारत से हसीना को सौंपने की मांग की है जो अपने देश से भागकर यहां रह रही हैं।

बीसीसीआई से विस्तृत जानकारी का इंतजार: बीसीबी

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के एक अधिकारी ने बताया कि हमें बीसीसीआई से शृंखला रद्द करने के संबंध में एक पत्र मिला है और अब हम नई तारीखों या विस्तृत जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने इस साल अगस्त में बांग्लादेश में पुरुषों की टीम के सीमित ओवरों के दौरे को सितंबर 2026 तक के लिए स्थगित कर दिया था क्योंकि उस देश में अशांति के कारण हसीना के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई थी।

भारत में प्रस्तावित डब्ल्यूटीएल में भाग लेंगे मेदवेदेव, रिबाकिना और बोपन्ना

बेंगलुरु, एजेंसी

पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव और 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना सहित कई शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी यहां 17 दिसंबर से होने वाले विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) में भारतीय प्रशंसकों के सामने अपना जलवा दिखाएंगे। इस प्रतियोगिता की शुरुआत 2022 में की गई थी और पहली बार भारत में इसका आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले इस चार दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में होता रहा है।

- 17 दिसंबर से भारत में पहली बार आयोजित होगा विश्व टेनिस लीग

मेदवेदेव और रिबाकिना के अलावा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी निक किर्गियोस, फ्रांसीसी स्टार गेल मोनफिल्स और पाउला बडोसा भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। हाल ही में शीर्ष स्तर के टेनिस से संन्यास लेने वाले रोहन बोपन्ना, सुमित नागल, युकी भांबरी, अंकिता रैना, श्रीवल्ली भामिदीपती और माया रेवती लीग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भारत में टेनिस संस्कृति को लेकर काफी रोमांचित हूं : रिबाकिना

रिबाकिना ने कहा, मैंने भारत में टेनिस संस्कृति के बारे में बहुत सुना है और मैं डब्ल्यूटीएल के साथ यहां अपनी शुरुआत करने को रोमांचित हूं। मैं अपनी टीम के साथ कोर्ट पर हर पल का आनंद लेने के लिए तैयार हूं। डब्ल्यूटीएल में चार टीमें राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेलेंगी। हर मुकाबले में पुरुष व महिला एकल और दो युगल मैच होंगे। राउंड रोबिन के बाद शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी।

हाईलाइट

चोटिल अल्काराज डेविस कप फाइनल से हटे

मैड्रिड। शीर्ष रैंकिंग वाले स्पेन के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने मंगलवार को हैमस्ट्रिंग (मांसपेशियों) की चोट से इटली में होने वाले डेविस कप फाइनल्स से अपना नाम वापस ले लिया। अल्काराज ने कहा कि उन्होंने यह फैसला चिकित्सकों की सलाह पर लिया है। अल्काराज ने 'एक्स' पर लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मैं बोलोग्ना में होने वाले डेविस कप में स्पेन के लिए नहीं खेल पाऊंगा। मेरे दाहिने हैमस्ट्रिंग में सूजन है और चिकित्सकों ने मुझे खेल से दूर रहने की सलाह दी है। इस 22 साल के खिलाड़ी ने कहा कि वह निराशा के साथ घर लौट रहे हैं। मैं डेविस कप के लिए हमारे मैचों में टीम की मदद करने को लेकर उत्सुक था।

लिगेसी टूर में शामिल होंगे नेहवाल और गाडे

नई दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल और डेनमार्क के दिग्गज पीटर गाडे 'द लीजेंड्स विजन लिगेसी टूर इंडिया' में आकर्षण का केंद्र होंगे। इसका उद्देश्य सामुदायिक कार्यक्रमों, जूनियर खिलाड़ियों के साथ जुड़ने और स्थानीय साझेदारियों के माध्यम से खेल को बढ़ावा देना है। आठ वर्षों के बाद भारत में वापसी करने वाला लीगेसी टूर 23 और 24 नवंबर को नई दिल्ली के सिरी फोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा।

आईसीसी ने बाबर पर ठोका जुर्माना

दुबई। पाकिस्तानी बल्लेबाज बाबर आजम पर रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में आउट होने के बाद स्टंप्स पर बल्ला मारने को मैच फीस का 10% जुर्माना लगया गया और एक डिमेरिट अंक दिया गया। बाबर ने आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.2 का उल्लंघन किया जो अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या मैदानी उपकरणों या फिक्स्चर को नुकसान पहुंचाने से संबंधित है।

ऑकलैंड क्लासिक से हटीं नाओमी ओसाका

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। नाओमी ओसाका ने जनवरी में न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में होने वाले एएसबी क्लासिक डब्ल्यूटीए टेनिस प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया है और इसके बजाय वह जापान के लिए यूनाइटेड कप में खेलेंगी। चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ओसाका ने सितंबर में ऑकलैंड में 2026 का अपना सत्र शुरू करने पर सहमति व्यक्त की थी, जहां वह इस वर्ष की शुरुआत में फाइनल में पहुंची थी।

गुवाहाटी टेस्ट में टीम इंडिया से जुड़ेंगे नीतीश

दूसरे व अंतिम टेस्ट के लिए चोटिल कप्तान शुभमन गिल के कवर के तौर पर किए जाएंगे शामिल

कोलकाता, एजेंसी

ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में 22 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्रस्तावित दूसरे व अंतिम टेस्ट के लिए चोटिल कप्तान शुभमन गिल के कवर के तौर पर टीम इंडिया में शामिल होंगे। कोलकाता टेस्ट की पहली पारी में बल्लेबाजी के दौरान गर्दन में खिंचाव के बाद गिल को बाहर होना पड़ा था और गुवाहाटी टेस्ट में उनकी भागीदारी को लेकर अनिश्चितता है।

गिल टीम के साथ गुवाहाटी जा सकते हैं, लेकिन उनकी गर्दन में अकड़न को देखते हुए उनके दूसरे टेस्ट में खेलने की संभावना कम ही है। यदि गिल गुवाहाटी नहीं पहुंच पाते हैं, तो वह कोलकाता से बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सीओई के लिए उड़ान भरेंगे। गिल की यात्रा को लेकर कोई दिक्कत नहीं है। ऐसी स्थिति में नीतीश को दोबारा टीम में शामिल किया जाएगा। उन्हें दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ पहला मैच खेलने के लिए टीम से रिलीज किया गया था।

रेड्डी ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो अनौपचारिक वनडे में 37 रन बनाए और एक विकेट लिया। हालांकि, राजकोट में खेले गए दूसरे मैच में उन्होंने बल्लेबाजी या गेंदबाजी नहीं की। दोनों टीमों के बीच आखिरी लिस्ट ए मैच बुधवार को होना है। रेड्डी सोमवार शाम कोलकाता पहुंचे, लेकिन उन्होंने ट्रेनिंग सत्र में हिस्सा नहीं लिया। बुधवार रात राजकोट में खेलने के बाद अगले दिन गुवाहाटी के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़ना रेड्डी के लिए मुश्किल होता, क्योंकि इससे उन्हें अभ्यास सत्र भी छोड़ना पड़ता और टीम प्रबंधन इसके पक्ष में नहीं था। यदि गिल समय पर फिट नहीं होते हैं तो रेड्डी गुवाहाटी में प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने की दौड़ में शामिल हो सकते हैं। इस बीच, पहले टेस्ट में 30 रनों से मिली हार के बाद भारत सीरीज बचाने को बेताब है। टीम ने दूसरे टेस्ट से पहले बचे अतिरिक्त दिनों में आराम करने के बजाए ट्रेनिंग को तरजीह दी। भारतीय खिलाड़ियों ने मंगलवार को ईडन गार्डंस स्टेडियम में अभ्यास किया। कोच गौतम गंभीर की अगुआई में भारतीय खिलाड़ी और सहायक स्टाफ के सदस्य ट्रेनिंग करते नजर आए।

अभ्यास सत्र में शामिल वाशिंगटन सुंदर और साई सुदर्शन।

मैती ने की भारतीय टीम के नेट पर गेंदबाजी

कोलकाता। भारतीय बल्लेबाजों को ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर और बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज के खतरे से निपटने में मदद करने के लिए तैयार की गई मैच जैसी स्थितियों के दौरान मंगलवार को ईडन गार्डन्स में एक अप्रत्याशित गेंदबाज सुरखियों में आया। दोनों हाथों से गेंदबाजी करने में सक्षम बंगाल के स्पिनर कौशिक मैती ने अभ्यास सत्र के दौरान सहजता से निभाया। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल का प्रतिनिधित्व कर चुके मैती ने बल्लेबाजों को ऑफ स्पिनर और बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी की।

सुदर्शन और जुरेल ने एक पैड पहनकर स्पिनरों का किया सामना

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में स्पिन गेंदबाजों के सामने भारतीय बल्लेबाजों के संघर्ष को देखते हुए साई सुदर्शन और ध्रुव जुरेल ने स्पिनरों के सामने एक पैड पहन कर तीन घंटे तक अभ्यास किया। यह वैकल्पिक अभ्यास सत्र था जिसमें बाएं हाथ के बल्लेबाज सुदर्शन ने अपने दाहिने पांव के पैड को निकाल कर अभ्यास किया। सुदर्शन यहां खेले गए पहले टेस्ट मैच में अंतिम एकादश में शामिल नहीं थे और इसकी भी कोई गारंटी नहीं है कि उन्हें गुवाहाटी में मौका मिलेगा। बाएं हाथ के स्पिनरों और ऑफ स्पिनरों के सामने अपने अगले पैर में पैड के बिना बल्लेबाजी करने का मतलब था कि उन्हें पिंडली या किसी भी खुले हिस्से पर चोट लगने से बचने के बारे में विशेष रूप से सतर्क रहना पड़ता है। यह बल्लेबाजी अभ्यास की पुरानी पद्धति है, जिसमें कोच इस बात पर जोर देते हैं कि बल्लेबाज गेंद को रोकने के लिए अपने फ्रंट पैड की बजाय अपने बल्ले का अधिक उपयोग करें। इस तरह के अभ्यास के पीछे एक और कारण यह है कि भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाजों में बैकफुट पर जाने की प्रवृत्ति है। सुदर्शन की तरह जुरेल ने भी एक पैड निकाल कर अभ्यास किया।

तमिलनाडु और यूपी के बीच पारी में बढ़त के लिए संघर्ष

रणजी ट्रॉफी

- रिंकू सिंह, शिवम मावी ने खेली शानदार पारी

चेन्नई, एजेंसी

स्टार भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने नाबाद 98 रनों की पारी और शिवम मावी के अर्धशतक की बदौलत उत्तर प्रदेश ने कोयंबटूर में एलीट ग्रुप ए रणजी ट्रॉफी मैच के तीसरे दिन तमिलनाडु के खिलाफ मुकाबले को रोमांचक बना दिया।

यह मुकाबला बराबरी पर था, क्योंकि मध्यक्रम के ढहने के बावजूद उत्तर प्रदेश ने खराब रोशनी से खेल रोके जाने तक 113 ओवर में 6 विकेट पर 339 रन बना लिए थे। तमिलनाडु ने अपनी पहली पारी में 455 रन बनाए थे। मेहमान टीम को पहली पारी में बढ़त हासिल करने को 117 रनों की जरूरत थी जबकि उसके चार विकेट बाकी हैं। अभिषेक गोस्वामी 54 और आर्यन जुयाल आठ रन बनाकर 33 ओवर में 87/1 से आगे खेलते हुए, दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 34.1 ओवर में 75 रन की साझेदारी की।

शाहबाज का शतक, शमी के दो विकेट से बंगाल चौथी जीत के करीब

कल्याणी (प. बंगाल)। ऑलराउंडर शाहबाज अहमद के शतक और मोहम्मद शमी के दो विकेट से बंगाल ने मंगलवार को यहां असम के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच के तीसरे दिन लगातार चौथी जीत की ओर कदम बढ़ाए। कल के चार विकेट पर 267 रन से आगे खेलते हुए बंगाल ने 442 रन बनाए। शाहबाज ने अपने दूसरे प्रथम श्रेणी शतक के दौरान 122 गेंद में 11 चौकों और दो छक्कों से 101 रन की पारी खेलने के अलावा सुमंत गुप्ता (97) के साथ पांचवे विकेट के लिए 129 रन की साझेदारी की। असम ने पहली पारी में 200 रन बनाए थे जिससे बंगाल ने 242 रन की बढ़त हासिल की। मेहमान टीम ने अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 98 रन बनाए हैं। असम की टीम अब भी 144 रन से पीछे है जबकि उसके सात विकेट शेष हैं। असम की दूसरी पारी में भी शुरुआत खराब रही और दोनों सलामी बल्लेबाज ऋषव दास तथा प्रद्युन सैकिया खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए। तीसरे नंबर पर उतरे स्वरूपम पुरकायस्थ सिर्फ चार रन बना पाए। शमी ने दास को विकैच कराने के बाद अपने अगले ओवर में पुरकायस्थ को आउट किया।

दर्शन की गेंदबाजी से विदर्भ ने बड़ौदा पर कसा शिकंजा

बड़ौदा के शाश्वत रावत को आउट करने के बाद जश्न मनाते विदर्भ के दर्शन नालकंडे।

नागपुर। तेज गेंदबाज दर्शन नालकंडे (4 विकेट) ने दूसरी पारी में बड़ौदा के शीर्ष क्रम को झकझोर कर रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए मैच के तीसरे दिन मंगलवार को विदर्भ का दबदबा कायम किया। जीत के लिए 276 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बड़ौदा ने तीसरे दिन के समापन तक अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 73 रन बनाए हैं। बड़ौदा के लिए विदर्भ की चुनौतीपूर्ण चौथे दिन की पिच पर पांच विकेट रहते हुए बाकी बचे 203 रन बनाकर जीत हासिल करना बेहद मुश्किल होगा। विदर्भ के लिए पहली पारी में नाबाद 40 रन बनाने वाले मध्यक्रम के बल्लेबाज यश राठौड़ ने दूसरी पारी में एक छोर संभाले रखा। इस 25 साल के खिलाड़ी ने 142 गेंद में 91 रन की अहम पारी खेली। उन्होंने रविकुमार समर्थ (45) के साथ चौथे विकेट के लिए 128 रन की अहम साझेदारी की। इससे पहले दिल्ली के पूर्व बल्लेबाज ध्रुव शौरी ने 61 और अथर्व तायडे ने 40 रन बनाकर टीम को ठोस शुरुआत दिलाई।

ढाका हवाई अड्डे पर घंटों फंसे रहे भारतीय तीरंदाज

कोलकाता, एजेंसी

- एशियाई चैंपियनशिप के बाद स्वदेश वापसी के दौरान उड़ान रद्द होने से 10 घंटे तक हवाई अड्डे रहे

भारतीय तीरंदाजों को उस समय बड़ी परेशानी हुई जब वे एशियाई चैंपियनशिप के बाद ढाका से देश लौटने के दौरान उड़ान रद्द होने के कारण लगभग 10 घंटे तक हवाई अड्डे पर फंसे रहे। यही नहीं उन्हें हिंसा प्रभावित बांग्लादेश की राजधानी में बिना सुरक्षा के एक स्थानीय बस में बिठा दिया गया और बाद में उन्हें एक घटिया आश्रय स्थल में रुकना पड़ा।

भारत के 23 सदस्यीय दल के 11 सदस्य उड़ान में बार-बार हो रही देरी से परेशान रहे। इनमें दो नाबालिग सदस्य भी थे। उन्होंने जिस एयरलाइंस से टिकट बुक किया था उसका भी कोई सहयोग नहीं मिला। इस दल में सीनियर खिलाड़ी अभिषेक वर्मा, ज्योति सुरेखा और ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा भी शामिल थे। वे शनिवार को दिल्ली के लिए रात 9.30 बजे की उड़ान के लिए ढाका हवाई अड्डे पर पहुंचे थे, लेकिन विमान में सवार होने के बाद उन्हें बताया गया कि विमान में तकनीकी खराबी आ गई है और वह उड़ान नहीं भर पाएगा। यह वह समय था जब ढाका में सड़कों पर हिंसा देखी गई थी, क्योंकि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ विशेष न्यायाधिकरण के फैसले का इंतजार हो रहा था।

भारत के इस दल में सात महिलाएं भी शामिल थी। उड़ान को लेकर कोई स्पष्ट सूचना नहीं मिलने के कारण वे रात दो बजे तक टर्मिनल के अंदर ही रहे। इसके बाद उड़ान रद्द होने की घोषणा की गई और बताया गया कि उस रात कोई वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था नहीं की जाएगी। जैसे ही टीम हवाई अड्डे से बाहर निकली, उनकी परेशानी बढ़ गई। देश के सबसे प्रतिष्ठित कम्पाउंड पुरुष तीरंदाज वर्मा ने आरोप लगाया कि उन्हें एक बिना खिड़की वाली स्थानीय बस में भर दिया गया और लगभग आधे घंटे की दूरी पर एक अस्थायी लॉज में ले जाया गया।

हर टूर्नामेंट में पदक पाना संभव नहीं मैं भारत का समर्थन करती हूं: मनु

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को बरकरार न रख पाने को झटका करार देते हुए हमवतन खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। भाकर ने कहा कि वह हर दिन नहीं जीत सकतीं। हाल ही में संपन्न हुए टूर्नामेंट में 13 भारतीय पदक विजेताओं में मनु भाकर का शामिल न होना निशानेबाज़ी जगत के कई लोगों के लिए थोड़ा आश्चर्य की बात है। भाकर ने कहा कि मैं विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही थी। मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा, लेकिन मैं शीर्ष तीन में जगह नहीं बना पाई। मेरी टीम की साथी ईशा सिंह ने पदक जीता। आप खेल में हर दिन जीत नहीं सकते। कभी कभी हार का सामना करना पड़ता है। मेरे लिए यह जरूरी है कि भारत को पदक जीतना चाहिए और यह मेरे या किसी और के जीतने से जुड़ा नहीं होना चाहिए।

सात्विक-चिराग की जोड़ी दूसरे दौर में

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

सिडनी, एजेंसी

भारत के स्टार शटलर सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने मंगलवार को यहां चीनी ताइपे के चांग को-ची और पो ली-वेई पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। विश्व की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने को-ची और पो ली-वेई के खिलाफ 48 मिनट तक चले पहले दौर के संघर्षपूर्ण मुकाबले में 25-23, 21-16 से जीत हासिल की।

महिला युगल में हालांकि त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को अपने पहले मैच में इंडोनेशिया की एफ कुसुमा और एम पुष्पितसारी की जोड़ी से 10-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। सात्विक और चिराग की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी शुरुआती गेम में एक समय 2-6 से पीछे चल रही थी। इसके बाद भी कड़ी टक्कर देखने को मिली लेकिन चीनी ताइपे की जोड़ी ने 16-14 तक मामूली बढ़त बनाए रखी। भारतीयों ने 19-17 की बढ़त बना ली, लेकिन इसके बाद मुकाबला रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया। दोनों टीमों को गेम प्वाइंट मिले लेकिन आखिर में भारतीय जोड़ी अपने तीसरे गेम प्वाइंट को भुनाने में सफल रही। सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम की शुरुआत में 7-4 की बढ़त बना ली, लेकिन नेट पर दो गलतियों और ताइवानी जोड़ी के एक ज़ोरदार स्मैश ने उन्हें बराबरी पर ला दिया। भारतीय जोड़ी इंटरवल तक एक अंक से आगे थी। उन्होंने अपनी बढ़त बरकरार रखकर मैच अपने नाम किया। लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय, किदांबी श्रीकांत, आयुष शेट्टी जैसे खिलाड़ी बुधवार को अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

पुरानी यादें

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शृंखला का नया अध्याय 21 नवंबर से होगा शुरू

एशेज : क्रिकेट की सबसे पुरानी और चर्चित प्रतिद्वंद्विता

मेलबर्न, एजेंसी

बहुत कम खेल स्पर्धाएं एशेज जैसा इतिहास, नाटकीयता और आभा लिए होती हैं, जिसकी शुरुआत 1882 में समाचार पत्र में प्रकाशित शोक संदेश से हुई थी जो बाद में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच क्रिकेट की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता का प्रतीक बनी। ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच एशेज को लेकर चली रही प्रतिद्वंद्विता 100 साल से भी अधिक पुरानी है जिसका नया अध्याय 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैच की शृंखला से लिखा जाएगा।

एशेज शृंखला अंतर्राष्ट्रीय खेलों की सबसे पुरानी और सबसे प्रतिष्ठित है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच टेस्ट क्रिकेट स्पर्धाएं शामिल हैं। इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट क्रिकेट की शुरुआत 1877 में हुई थी। खेल के नियमों के संरक्षक मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के अनुसार, एशेज शब्द का पहली बार इस्तेमाल अगस्त 1882 में द स्पोर्टिंग टाइम्स में छपे व्यंग्यात्मक श्रद्धांजलि लेख में हुआ था, जब इंग्लैंड की टीम पहली बार घरेलू धरती पर ऑस्ट्रेलिया से हारी थी। इस संदेश में कहा गया था कि इंग्लिश क्रिकेट का अंतिम संस्कार किया जाएगा और एशेज यानी राख को ऑस्ट्रेलिया ले जाया जाएगा। इंग्लैंड के कप्तान इवो ब्लाई ने उसी साल बाद में एशेज वापस लाने की शपथ लेकर टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया। इंग्लैंड की जीत के बाद एक प्रशंसक ने ब्लाई को एशेज के प्रतीक के रूप में छोटा सा टेराकोटा कलश भेंट किया। और इस तरह एशेज और कलश का अटूट संबंध बना। उसी दिन ब्लाई की मुलाक़ात अपनी भावी पत्नी से हुई। यह दंपत्ति इस कलश को अपने साथ इंग्लैंड ले गया तथा ब्लाई के निधन तक यह उनके परिवार के पास ही रहा और बाद में इसे एमसीसी को सौंप दिया गया।

बॉडीलाइन शृंखला के बाद नियमों में हुआ बदलाव

एशेज में इन दोनों देशों के बीच कई कड़े मुकाबले हुए। इनमें 1932-33 की बॉडीलाइन शृंखला भी है, जिसमें इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों में विशेष कर डॉन ब्रैडमैन को रोकने के लिए शरीर को निशाना बनाकर गेंदबाजी की थी। इसके बाद नियमों में बदलाव हुआ ताकि भविष्य में ऐसा न हो। शेन वॉर्न ने 1993 में ओल्ड ट्रैफर्ड में एशेज में की पहली गेंद पर माइक गैटिंग को बोल्ड किया था। अत्यधिक टर्न लेने वाली इस गेंद को बाद में बॉल ऑफ़ द सेंचुरी चुना गया था।